सेंसेक्स	81,373.75
निफ्टी	24,716.60
सोना	98,840
चांदी	1,00,000
डॉलर	85.39

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
मंगलवार 03 जून 2025
ज्येष्ठ शुक्ल 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 248
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में भूकंप के झटके

चुराचांदपुर। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में सोमवार की सुबह भूकम्प के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकम्प की 3.5 तीव्रता आंकी गई। भूकम्प सुबह 2 बजकर 55 मिनट पर आया था। इसका केंद्र जमीन से 15 किलोमीटर की गहराई पर था। चुराचांदपुर में इससे पहले 28 मई को भी 3.9 तीव्रता का भूकम्प आया था। भूकम्प के झटके सुबह 10 बजकर 23 मिनट पर महसूस हुए थे।

कोहली के पब-रेस्टोरेंट के खिलाफ एफआईआर

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु की कब्बन पार्क पुलिस ने वन 8 कम्यून नाम के पब और रेस्टोरेंट के खिलाफ कोटपा एक्ट (सिगरेट एंड अदर टोबेको प्रोडक्ट एक्ट) के उल्लंघन के आरोप में स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली इस पब-रेस्टोरेंट के मालिक हैं। पब में कोई स्मोकिंग जोन नहीं है, जिसके कारण पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

कठुआ में 3 संदिग्ध आतंकी दिखे

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के हीरानगर में सोमवार को संदिग्ध आतंकियों की गतिविधि देखी गई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने फॉरेस्ट एरिया में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। हीरानगर के सलाधी इलाके में एक नागरिक ने तीन संदिग्ध व्यक्तियों को देखा था। जॉइंट ऑपरेशन टीम संदिग्धों की तलाश में जुटी है। कठुआ और हाईवे के आसपास के इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

यूपीएससी की परीक्षा में सबसे ज्यादा चयन इंजीनियरों का

नई दिल्ली। भारत की सर्वोच्च सेवा के लिए अब संघ लोक सेवा की चयन प्रक्रिया में सबसे ज्यादा स्थान इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के लोगों को मिल रहा है।भारतीय प्रशासनिक सेवा, आईआरएस और आईपीएस में सबसे ज्यादा इंजीनियर बैकग्राउंड के लोग चयनित हो रहे हैं। संघ लोक सेवा आयोग की सबसे कड़ी परीक्षा मानी जाती है। यह परीक्षा तीन चरणों में पूरी होती है। मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार के बाद ही इस सेवा के लिए चयन होता है। 2016 के बाद से संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में इंजीनियरों का दबदबा हो गया है।

राहुल गांधी के मानहानि मामले में सुनवाई टली

सुलतानपुर। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ सुलतानपुर की विशेष एमपी-एमएलए अदालत में विचाराधीन मानहानि मामले की सुनवाई सोमवार को एक अधिवक्ता के निधन पर वकीलों के कार्य से अनुपस्थित रहने की वजह से टल गई। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने यहां बताया कि अधिवक्ता कमल श्रीवास्तव का निधन होने पर बार एसोसिएशन के शोक प्रस्ताव के कारण वकीलों ने आज न्यायिक कार्य नहीं किया। इसकी वजह से मानहानि मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख एक जुलाई नियत की है। विदित होकि भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। मिश्रा का आरोप था कि वर्ष 2018 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी।

महाराष्ट्र एटीएस ने आतंकवाद से जुड़े मामले में साकिब नाचन के घर की तलाशी ली

350 से अधिक पुलिस और 100 से अधिक एटीएस अधिकारियों ने की छापेमारी

मुंबई। 1997 में पूरे भारत में आतंकवादी हमलों की योजना बनाने और 2002 और 2003 में मुंबई में दो बम विस्फोट करने के आरोप में सजा काटकर रिहा हुए साकिब नाचन के गांव में एक बड़ी कार्रवाई की गई है। दरअसल गुप्त सूचना के अनुसार, माना जा रहा था कि इस गांव में नाचन के कुछ लोग आतंकवादी हमले की साजिश रच रहे हैं। इसके बाद 350 से अधिक पुलिस और 100 से अधिक एटीएस अधिकारियों ने नाचन के गांव में छापेमारी की। मुंबई-नासिक राजमार्ग पर भिवंडी तालुका के पडघा के पास बोरीवली गांव में ये छापेमारी की गई। सोमवार सुबह से ही एटीएस ने बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया था। इस अभियान के चलते पूरे गांव में भारी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। इसके चलते गांव छावनी में तब्दील हो गया। ठाणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक डॉ.डी.एस.स्वामी के मार्गदर्शन में ठाणे ग्रामीण एवं रायगढ़ ग्रामीण के 350 से अधिक पुलिस कर्मियों, अधिकारियों और रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने पूरे गांव को घेर लिया था। मुंबई एटीएस टीम के करीब 100 अधिकारियों और कर्मचारियों ने गांव में साकिब नाचन समेत कई अन्य घरों में तलाशी अभियान चलाया। इस ऑपरेशन में मुंबई एटीएस टीम के साथ ठाणे और नासिक की टीमें शामिल थीं। सोमवार तड़के 3 बजे शुरू हुआ यह ऑपरेशन दोपहर 1 बजे पूरा हुआ। इस ऑपरेशन में बोरीवली गांव में साकिब नाचन समेत कुल 22 घरों में तलाशी अभियान चलाया गया और संदिग्धों के मोबाइल फोन और लैपटॉप की जांच की गई। इस ऑपरेशन के दौरान कई मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त किए गए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एटीएस द्वारा की गई इस छापेमारी के दौरान 8 से 10 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। इस बीच यह देखना अहम होगा कि इस कार्रवाई में क्या नई जानकारी सामने आती है।

- कौन है साकिब नाचन ?

साकिब नाचन सिमी का सक्रिय सदस्य था और 2017 में रिहा होने के बाद इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) में शामिल हो गया था। उसे पहले ही दो आतंकी मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है। उस पर 2002-2003 में मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन, विले पार्ले और मुलुंड बम धमाकों में शामिल होने का आरोप है। जिसमें कई बेगुनाह लोग मारे गए थे। 2017 में सजा पूरी करने के बाद उस पर फिर से कट्टरपंथी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। दिसंबर 2023 में बोरीवली गांव में साकिब नाचन के घर और चौदह अन्य आरोपियों के ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद, धारदार हथियार और बड़ी मात्रा में नकदी जब्त की गई थी।

- आतंकियों का अड्डा माना जाता है बोरीवली गांव

बोरीवली गांव को साकिब नाचन और दूसरे आतंकियों का अड्डा माना जाता है। इससे पहले भी इस गांव से कई बार आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों में शामिल लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। कुख्यात साकिब नाचन, उसके बेटे और आईएसआईएस में आतंकी गतिविधियों में शामिल 16 लोगों को इसी गांव से गिरफ्तार किया गया था। साथ ही पुणे में एक मामले में भी यहां से चार लोगों को हिरासत में लिया गया था। इसलिए यह गांव सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर है। फिलहाल गिरफ्तार किए गए संदिग्धों की पहचान और उनसे मिली जानकारी के बारे में एटीएस की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगाने की दिशा में इस ऑपरेशन को अहम कदम माना जा रहा है।

बाटला हाउस इलाके का मामला

40 याचिकाकर्ताओं की याचिका पर जुलाई में सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के बाटला हाउस इलाके में मकानों को गिराने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट जुलाई में सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक का कोई आदेश देने से इंकार कहा है कि याचिकाकर्ता अपने पास उपलब्ध कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करें।

दरअसल 40 याचिकाकर्ताओं ने यह कहकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है कि 7 मई को सुप्रीम कोर्ट ने उनका पक्ष सुने बिना डिमोलिशन का आदेश दे दिया। अब डीडीए ने 15 दिन के अंदर मकान खाली करने का नोटिस पकड़ा दिया है।

29 मई को मामला चीफ जस्टिस भूषण रामाकृष्ण गवई की अध्यक्ष वाली बेंच के सामने पहुंचा था, इस अगले सप्ताह सुनवाई के लिए लगाने का निर्देश दिया था। याचिकाकर्ता के वकील ने जल्द सुनवाई का अनुरोध किया था। हालांकि शुरू में सीजेआई ने कहा कि उन्हें दिल्ली हाई कोर्ट जाना चाहिए। इस पर वकील ने कोर्ट को बताया कि वे सुप्रीम कोर्ट के ही आदेश से प्रभावित हैं।

यह मामला बाटला हाउस इलाके के खसरा नंबर 271 और 279 का है। 40 याचिकाकर्ताओं ने यह कहकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है कि उनका पक्ष सुने बिना मकानों को गिराने की प्रक्रिया शुरू हुई है। अब 15 दिन में मकान खाली करने का नोटिस चिपका दिया है।

याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया है कि वह खसरा नंबर 271 और 279 में रहते हैं और उनके निर्माण बहुत पुराने हैं। उनके पास सारे दस्तावेज भी हैं। उनकी कॉलोनी 2019 की पीएम उदय (प्रधानमंत्री अनअॉथोराइज्ड कॉलोनी इन दिल्ली आवास अधिकार योजना) के तहत नियमित करने योग्य है। 2008 में दिल्ली सरकार कॉलोनी को प्रोविजिनल रेग्युलराइजेशन सर्टिफिकेट भी दे चुकी है।

वकील अदील अहमद के द्वारा याचिका दाखिल की गई थी, इसमें कहा गया कि 7 मई को सुप्रीम कोर्ट ने उनके इलाके में अवैध निर्माण हटाने का आदेश दिया। यह आदेश दिल्ली डेवलपमेंट ऑथोरिटी (डीडीए) के खिलाफ लंबित अवमानना याचिका पर आया है। आदेश से प्रभावित लोगों को कोर्ट में अपनी बात रखने का मौका नहीं मिला।

बिहार चुनाव को लेकर एक्टिव मोड में चुनाव आयोग

3 चरणों में हो सकते हैं बिहार विधानसभा चुनाव

पटना। इस साल के आखिर में बिहार विधानसभा का चुनाव होना है। सूत्रों की माने तो बिहार में चुनाव 3 चरण में हो सकते हैं। माना जा रहा है कि वोटिंग की डेट में दिवाली और छठ पर्व का ध्यान रखा जाएगा। बता दें कि 2020 का विधानसभा चुनाव 3 फेज में हुआ था। चुनाव आयोग की टीम इसी महीने बिहार आएगी। हालांकि, अभी तारीख अभी तय नहीं है।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आयोग अब हर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को पहचान पत्र देने की तैयारी में है, जिससे वह घर-घर जाकर सत्यापन का कार्य कर सकें। बिहार में मतदाता सूची अपडेट करने के लिए अभियान चलाया जाएगा, जिसमें 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़े जा सकें। चुनाव आयोग बिहार चुनाव तक इंटीग्रेटेड डैशबोर्ड शुरू कराने की भी तैयारी में है। इसमें आयोग से संबंधित सभी सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध होंगी। सूत्रों की मानें तो बिहार में विधानसभा चुनाव इस बार दो से तीन चरणों में हो सकते हैं. चुनाव की तारीखें तय करते समय दीवाली और छठ जैसे त्योहार का भी ध्यान रखा जाएगा. बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर 2025 तक है और चुनाव आयोग की तैयारी इससे पहले चुनाव की प्रक्रिया पूर्ण कर लेने की है. इससे पहले, 2020 के विधानसभा चुनाव तीन चरणों में और 2015 के चुनाव पांच चरणों में हुए थे. साल 2020 में पहले चरण में 71 विधानसभा सीटों के लिए 28 अक्टूबर 2020 को वोटिंग कराई गई थी।

सिक्किम में आर्मी कैंप पर भूस्खलन, 3 की मौत, 9 जवान लापता

सर्च ऑपरेशन जारी, 1500 से ज्यादा पर्यटक फंसे

गंगटोक। पूर्वोत्तर भारत के सिक्किम राज्य में रविवार शाम एक बड़ा हादसा हुआ। उत्तरी सिक्किम के चट्टन क्षेत्र में स्थित आर्मी कैंप पर हुए भूस्खलन में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि भारतीय सेना के नौ जवान अब भी लापता बताए गए हैं। हादसा 01 जून की शाम लगभग 7 बजे हुआ। मृतकों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। लापता जवानों की तलाश के लिए राहत एवं बचाव दल युद्धस्तर पर अभियान चला रहे हैं।

भूस्खलन इतना तीव्र था कि आसपास के कई घर भी इसकी चपेट में आ गए। सेना और प्रशासन के संयुक्त प्रयास से मलबे में दबे लोगों को निकालने का कार्य जारी है। उत्तर सिक्किम में भारी बारिश और भूस्खलन के चलते लोचन और लाचुंग क्षेत्रों में लगभग 1,500 पर्यटक फंस गए। मंगन जिले के एसपी सोनम देचू भूटिया के अनुसार, लाचेन में 115 और लाचुंग में 1,350 पर्यटक अलग-अलग होटलों और गेस्टहाउसों में ठहरे हुए हैं। राहत की बात यह है कि लाचुंग के लिए सड़क संपर्क बहाल कर दिया गया है, और आज से पर्यटकों की निकासी शुरू की जा रही है।

बीआरओ ने तेज़ी से संभाली स्थिति

सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने लाचुंग-चुंगथंग-शिपग्येर-शंकलांग-डिकचू रोड पर जमा मलबा हटाकर रास्ता साफ किया है। सस्पेंशन ब्रिज पर आई दरारों को भर दिया गया है, जिससे राहत कार्य में तेजी आई है।

बीसीआई के अध्यक्ष ने की शर्मिष्ठा की रिहाई और निष्पक्ष सुनवाई की मांग

नई दिल्ली। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने इंस्टाग्राम 'इन्फ्लुएंसर' शर्मिष्ठा पनोली की रिहाई और निष्पक्ष सुनवाई की मांग की। कोलकाता पुलिस ने शर्मिष्ठा को एक पोस्ट करने के लिए गिरफ्तार किया है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि हिंदी फिल्म अभिनेता 'ऑपरेशन सिंदूर' पर 'चुप हैं'। वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सदस्य मिश्रा ने कहा कि सोशल मीडिया वीडियो वायरल के लिए माफी मांगने के बावजूद उन्हें गिरफ्तार किया गया। कोलकाता की रहने वाली और पुणे की लॉ यूनिवर्सिटी की छात्रा 22 साल की 'इन्फ्लुएंसर' को शुक्रवार रात गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया था। शर्मिष्ठा पनोली को शनिवार को कोलकाता की एक अदालत में पेश किया गया जहां से उसे 13 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मिश्रा ने कहा कि यह बहुत ही चिंताजनक है कि वह सरकार, जिसने बेकसूर लोगों की निर्मम हत्या का बदला लेने के लिए चलाये गए ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया था, अब दोहरे मानदंडों पर सवाल उठाने वाली छात्रा को चुप कराना चाहती है। बीजेपी ने रविवार को पश्चिम बंगाल सरकार पर शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी को लेकर टीएमसी सरकार पर अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए युवा हिंदू महिला को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

15 जून को होने वाली नीट पीजी परीक्षा को नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज ने किया स्थगित

नई दिल्ली। 15 जून को होने वाली नीट पीजी परीक्षा को नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज ने स्थगित कर दिया है। इसका कारण अधिक परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था करना बताया गया है। नई तारीखों के जल्द ऐलान जल्द ही होगी। इसके साथ ही नोटिस में परीक्षा एक ही शिफ्ट में आयोजित करने की बात कही गई है। हालांकि परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों ने एक ही शिफ्ट में परीक्षा आयोजित किए जाने पर आपत्ति जताई है। ज्ञात रहे कि नीट पीजी2025 परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश जारी किया था जिसमें कहा गया था कि नीट पीजी 2025 परीक्षा को दो शिफ्ट में न कराया जाए। कोर्ट ने अपने इस आदेश को लेकर कहा है कि अगर ऐसा किया जाता है तो इससे मनमानी और कठिनाई के अलग-अलग स्तर पैदा हो सकते हैं। कोर्ट ने नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन से साफ तौर पर कहा है कि वह एक शिफ्ट में ही परीक्षा आयोजित कराने की व्यवस्था करें। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी 2025 परीक्षा को दो शिफ्ट में कराए जाने के नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान ये बात कही थी।

क्या एक बार फिर एक होगा पवार परिवार! शरद पवार के पोते ने बढ़ाया सस्पेंस

मुंबई। क्या महाराष्ट्र के पवार परिवार के दोनों गुट एक हो जाएंगे? यह सवाल महाराष्ट्र की राजनीति में लंबे समय से बना हुआ है। अब अजित पवार और शरद पवार गुट की एकता के कयास तेज हो गए हैं। इसकी वजह शरद पवार के पोते और उनके करीबी रहे रोहित पवार का एक बयान है। उनसे मीडिया ने पूछा कि अजित पवार की एनसीपी और शरद पवार की एनसीपी-एसपी के बीच विलय हो सकता है। इस पर रोहित पवार ने कहा कि सुप्रिया सुले ही इस बारे में आखिरी फैसला लेंगी। महाराष्ट्र की राजनीति के दोनों गुटों का विलय को लेकर इनकार न करना और पूरी बात तो सुप्रिया सुले पर छोड़ना मायने रखता है।

अब तक रोहित पवार या फिर परिवार का कोई भी सदस्य एकता की बातों को खारिज करता आ रहा था। अब यदि उन्होंने एकता की बात पर खुलकर जवाब नहीं दिया है तो इसके मायने निकाले जा रहे हैं। माना जा रहा है कि अंदरखाने कुछ चल रहा है। ऐसे में रोहित ने कुछ भी साफ जवाब नहीं दिया।

एक कार्यक्रम में बोलते हुए रोहित पवार ने कहा कि साहब ने सुप्रिया सुले को यह जिम्मेदारी दी है। वही इस पर विदेश दौरे से लौटकर बात करेंगी। फिलहाल सुप्रिया सुले ऑपरेशन सिंदूर के बारे में दुनिया के कई देशों को जानकारी देने वाले डेलिगेशन के साथ विदेश में हैं। सुप्रिया सुले 5 जून को भारत वापस आएंगी और हम सभी उनका इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अजित पवार गुट के साथ विलय को लेकर हमारे विधायकों या कार्यकर्ताओं के बीच कोई बात नहीं हुई। सुप्रिया सुले ही कोई फैसला लेंगी।

माना जा रहा है कि शरद पवार बीजेपी और एनसीपी की अजित पवार के साथ गठबंधन पर विचार कर रहे हैं, लेकिन अब भी संदेह है। इसकी वजह है कि शरद पवार का राजनीतिक रूप से चौंकाने का इतिहास रहा है। रोहित ने कहा कि शरद पवार जब कुछ कहते हैं तो उसके गहरे मायने होते हैं। कई बार वह जो कहते हैं, उससे उलट कुछ चल रहा होता है। उन्होंने कहा कि शरद पवार महाराष्ट्र की जनता के हित में जल्द ही कोई फैसला लेंगे।

बता दें अजित पवार गुट ने जब अलग होकर बीजेपी के साथ गठबंधन किया था तो शरद पवार गुट का यही कहना था कि ऐसा करना गलत है। इसलिए, क्योंकि बीजेपी के साथ उसके वैचारिक मतभेद हैं।

बैंकों से मिलने वाला कर्ज हो सकता है सस्ता

ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती संभव, 4-6 जून को होनी है आरबीआई मीटिंग

नई दिल्ली। आम आदमी को जल्द और राहत मिल सकती है। इस महीने 4 से 6 जून को आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होनी है। एक्सपर्ट्स के अनुसार इस बार भी ब्याज दारों यानी रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत होने की पूरी संभावना है। इससे सभी तरह के लोन लेना सस्ता हो जाएगा।

इससे पहले हुई दो बैठक में 0.50 प्रतिशत की कटौती हो चुकी है। इससे रेपो रेट गिरकर 6 प्रतिशत पर आ गई है। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 आरबीआई के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

सभी फैक्टर रेट कट के पक्ष में

एसबीआई सिक्युरिटीज के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट सनी अग्रवाल ने बताया कि सभी फैक्टर रेट कट के लिए बिल्कुल मुफीद हैं। मानसून सामान्य रहने के आसार हैं। जीडीपी ग्रोथ स्थिर है। महंगाई काबू में है। रिटेल महंगाई जुलाई 2019 के बाद निचले स्तर पर है। पिछली बैठक में आरबीआई गवर्नर ने भी संकेत दिए थे कि महंगाई काबू में रहती है तो दरें और घट सकती हैं। इससे रियल एस्टेट और ऑटो सेक्टर को बूस्ट मिलेगा।

पड़ोसी की दरिंदगी की शिकार मासूम ने तोड़ा दम, लोगों ने आरोपी का घर जलाया

राहुल गांधी ने दी कड़ी प्रतिक्रिया कहा- न्याय मिलने तक लड़ाई जारी रखेंगे

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर की दुष्कर्म पीड़िता मासूम बच्ची ने सात दिनों तक संघर्ष करने के बाद रविवार को दम तोड़ दिया। उसकी मौत के बाद पटना से लेकर मुजफ्फरपुर तक हंगामा हुआ। पोस्टमार्टम के बाद शव को गांव लाया गया। गांव में गम और गुस्सा था। पुलिस की मौजूदगी में बच्ची का अंतिम संस्कार किया गया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्वीट कर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने न्याय मिलने तक लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया। इस बीच आक्रोशित लोगों ने आरोपी का घर आग के हवाले कर दिया। इस बीच मुजफ्फरपुर के ग्रामीण एसपी ने मामले में हत्या की धारा जोड़कर चार्जशीट दायर करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी पर स्पीडी ट्रायल चलाने की अनुशंसा की जाएगी। जेल में बंद आरोपी को फैसला होने तक जमानत नहीं मिलेगी।

बता दें आरोपी मनियारी थाने के हरपुर बलड़ा का रहने वाला रोहित सहनी (27) बीते 26 मई को बच्ची को मौसी के घर साइकिल से पहुंचाने के बहाने ले गया था। रास्ते में उसे चॉकलेट और कुरकुरे भी खरीद कर दिए। इसके बाद उसे घर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर सुनसान चौर में ईंट-भट्ठा में ले जाकर मासूम से दुष्कर्म किया और चाकू से गला रेत दिया। गंभीर स्थिति में बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अचानक शनिवार सुबह 11:30 बजे परिजन उसे रेफर कराकर पटना ले गए। आरोप है कि पीएमसीएच में उसे बेड तक नहीं मिला और रविवार सुबह करीब 8 बजे उसकी मौत हो गई। मुजफ्फरपुर में दलित नाबालिग बेटी के साथ दरिंदगी और फिर इलाज में हुई लापरवाही बेहद शर्मनाक है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय पर बच्ची का इलाज मिला होता, तो उसकी जान बचाई जा सकती थी, लेकिन डबल इंजन सरकार ने सुरक्षा तो दूर, जीवन रक्षा में भी घोर लापरवाही बरती है।

10वीं-12वीं के असफल छात्रों के लिए द्वितीय बोर्ड परीक्षा का आयोजन 17 से

अब तक 6 हजार विघार्थियों ने किया आवेदन, 10 वी की 26 जून, तो 12वी की 5 जुलाई तक चलेगी परीक्षा

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल(वाशिम) द्वारा 06 मई को कक्षा 10वीं-12वीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम जारी किए गए थे ।आयोजित इस 2024-25 कि मुख्य परीक्षा में असफल विघार्थियों के लिए वाशिम द्वारा द्वितीय परीक्षा का आयोजन 17 जून से किया जा रहा है ।जहां कक्षा 10 वी की परीक्षा 17 जून से 26 जून तक, तो वही कक्षा 12वी की परीक्षा 17 जून से 5 जुलाई तक चलेगी ।इसमें ऐसे विघार्थी जो पहले प्रयास में सफल नही हो सके या अनुपस्थित रहे थे, वे दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकते है। बात अगर बालाघाट जिले की करें तो इस परीक्षा में शामिल होने के लिए अब तक लगभग 6000 विघार्थियों ने अपना पंजीयन कराया है। तो वहीं पूर्व में पंजीयन की अंतिम तारीख 31 मई को बढ़ाकर अब 8 जून कर दिया गया है। जिससे अब कक्षा दसवीं कक्षा 12वीं में असफल रहे विद्यार्थी 8 जून तक इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन जमा कर सकते हैं ।जिनकी परीक्षा 17 जून से शुरू होकर 5 जुलाई तक चलेगी, जिसका टाइम टेबल भी माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल द्वारा जारी कर दिया गया है। जिसकी तमाम जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दी गई है।

पहली बार एक सत्र में 2 बार आयोजित हो रही बोर्ड परीक्षा

वाशिम द्वारा कक्षा 10वीं कक्षा 12वीं के द्वितीय चरण की परीक्षा को संपन्न करने के लिए टाइम टेबल भी जारी कर दिया गया है। जिसके अनुसार कक्षा 10वीं की 17 जून से 26 जून तक और कक्षा 12वीं की17 जून से 5 जुलाई तक परीक्षा आयोजित की जाएगी ।प्रत्येक दिन परीक्षा अवधि तीन घंटे की रहेगी, जहा कक्षा 12वी की परीक्षा सुबहा 9 बजे से 12 बजे तक तो वही कक्षा10 वी की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। आपको बताए कि वर्ष 2025 में बोर्ड परीक्षा का दो बार आयोजन किया जा रहा है ।जबकि इसके पूर्व दोबारा परीक्षा की जगह पास फेल और सप्लीमेंट्री का ऑप्शन रहता था। वही कुछ विषयो मे फेल और सप्लिमेंट्री वाले विघार्थियों की अलग से परीक्षा ली जाती थी ।इस व्यवस्था को बोर्ड ने समाप्त कर दोबारा परीक्षा का नया विकल्प पेश किया है। जिसका आयोजन पहली बार होगा।

अब से पहले क्या होता था?

आधिकारिक जानकारी के अनुसार इससे पहले केवल उन्हीं छात्रों को पूरक परीक्षा का अवसर मिलता था जो केवल एक विषय में फेल होते थे। उन्हें 'रुक जाना नहीं' योजना के तहत मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के माध्यम से परीक्षा देने की अनुमति दी जाती थी ।लेकिन अब यदि कोई छात्र कई विषयों में भी फेल हो, तो भी वह मुख्य बोर्ड द्वारा संचालित दोबारा परीक्षा में शामिल हो सकेगा।

अब विघार्थी का बर्बाद नही होगा 1 साल

मध्य प्रदेश बोर्ड ने इस साल छात्रों के हित में एक बड़ा फैसला लिया है। अब कक्षा 10वीं और 12वीं के वे विघार्थी जो मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाते हैं, उन्हें अगले साल तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। नई शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के तहत बोर्ड 17 जून से में सभी विषयों की पुनः परीक्षा आयोजित करेगा, जिससे विघार्थियों को अपना शैक्षणिक वर्ष बर्बाद होने से बचाने का मौका मिलेगा।

विशेष कक्षाएं लगाने की शुरू हुई तैयारी

प्रदेश में शासकीय विद्यालयों में ग्रीष्म अवकाश के बाद 2 जून से 14 जून के मध्य अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिये शालाओं में प्रातः 10:30 बजे से विशेष कक्षाएँ संचालित होंगी। विद्यार्थियों को गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, हिन्दी और संस्कृत विषय की अध्ययन सामग्री प्रति सप्ताह जून माह में 2, 6 और 14 जून को विमर्श पोर्टल पर प्रसारित की जायेगी ।ताकि 17 जून से शुरू होने वाली इस द्वितीय परीक्षा में विघार्थी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके और साल बर्बाद होने से बच सके ।जिसकी तैयारी भी जिला स्तर से पूरी की जा चुकी है।

जिला स्तर से सभी तैयारियां पूर्ण- उपाध्याय

शैक्षणिक वर्ष 2024- 25 में आयोजित की जाने वाली द्वितीय बोर्ड परीक्षा को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय ने बताया कि कक्षा दसवीं और कक्षा 12वीं की परीक्षा में ऐसे विद्यार्थी जो अनुत्तीर्ण हो गए थे। उन विद्यार्थियों के लिए वॉशिम द्वारा द्वितीय परीक्षा का आयोजन 17 जून से 5 जुलाई तक किया जा रहा है। जहां कक्षा दसवीं की परीक्षा 26 जून तक, तो वही 12वीं की परीक्षा 5 जुलाई तक चलेगी ।अब तक करीब 6000 विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में शामिल होने के लिए अपना आवेदन जमा किया है। पहले आवेदन की तिथि 31 जुलाई थी जिसे बोर्ड द्वारा बढ़कर 8 जून कर दिया गया है जो छूटे हुए विद्यार्थी है उन्हें इस परीक्षा में शामिल करने के लिए सभी स्कूलों से संपर्क किया जा रहा है। वही उनकी अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था भी बनाई गई है ।जो छात्र परीक्षा देगा परिणाम आने तक वह अगली परीक्षा में अस्थायी रूप से प्रवेश भी ले सकता है। इससे उसकी अगली परीक्षा की पढ़ाई भी प्रभावित नहीं होगी। वही कक्षा 12वीं से पास होने वाले विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम भी देरी से आने पर उनके कॉलेज में एडमिशन की व्यवस्था की शासन द्वारा बनाई जाएगी। इस परीक्षा के सफल आयोजन के लिए जिला स्तर पर तमाम तरह की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

एक नजर में

1)पहली परीक्षा से प्रैक्टिकल या आंतरिक परीक्षा में प्राप्त अंक दूसरी परीक्षा में भी मान्य होंगे।
2) मुख्य परीक्षा की तरह ही यह परीक्षा आयोजित की जाएगी।
3) विद्यार्थियों को परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले केंद्र पर पहुंचना होगा।
4) बोर्ड परीक्षा 10 वी 12 वी में पास होने के लिए हर विषय के साथ-साथ कुल मिलाकर न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।
5) 17 जून से शुरू होगी परीक्षा
6)10 वी 26 जून को तो 12वी की 5 जुलाई तक चलेगी परीक्षा
7)एक वर्ष में 2 परीक्षा का यह पहला आयोजन

ओपन स्कूल बोर्ड परीक्षा का किया गया आगाज

20 जून तक चलेगी परीक्षा, नगर मुख्यालय के 5 केंद्रों में आयोजित हो रही परीक्षा, पहले दिन 1156 परीक्षार्थियों में से 849 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा, 307 परीक्षार्थी अनुपस्थित

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल की बोर्ड परीक्षा में अनुउत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों को उत्तीर्ण होने का मौका देने के लिए राज्य मुक्त शिक्षा परिषद भोपाल द्वारा ओपन स्कूल बोर्ड परीक्षाओं का आगाज कर दिया गया है। जहां रुक जाना नहीं, आ अब लौट चलें के

तहत ओपन बोर्ड की परीक्षाएं 2 जून से शुरू हुई है जो 20 जून तक चलेंगी ।इस परीक्षा को संपन्न करने के लिए नगर मुख्यालय में 05 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं ।जिन केंद्रों में परीक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। जहां बोर्ड परीक्षाओं में असफल हुए विद्यार्थी पहुंच कर विभिन्न विषयों के प्रश्न पत्र हल कर रहे हैं। आज सोमवार से शुरू हुई इस परीक्षा के पहले दिन कुल दर्ज 1156 परीक्षार्थियो में से 849 परीक्षार्थियों ने नगर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर पर्चा हल किया ।तो वही 307 परीक्षार्थी इस परीक्षा के पहले दिन अनुपस्थित रहे।

इन 5 स्कूलो को बनाया गया परीक्षा केंद्र

2 जून को ओपन स्कूल बोर्ड, रूक जाना नहीं और आ अब लौट चले के तहत आयोजित 10 वीं और 12 वीं बोर्ड परीक्षा में 307 विघार्थी अनुपस्थित रहे। सभी पांच परीक्षा केन्द्रो में परीक्षा शांतिपूर्ण रही। बताया गया कि परीक्षा आगामी 20 जून तक चलेगी ।सोमवार को आयोजित ओपन स्कूल बोर्ड परीक्षा का 10 और 12 वीं के सामाजिक विज्ञान, हिन्दी, रूक जाना नहीं और आ अब लौट चले का अंग्रेजी का पेपर, परीक्षार्थियों ने हल किया। आपको बताएं कि इस वर्ष ओपन बोर्ड द्वारा नगर मुख्यालय के पांच स्कूलों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है जिसके अनुसार इस परीक्षा से जुड़े विद्यार्थियों ने ईएफए शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल बूढ़ी, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, शासकीय वीरांगना रानी दुर्गावती विद्यालय और अशासकीय दादाबाड़ी हायर सेकेंडरी स्कूल बालाघाट केंद्रों पर पहुंचकर प्रश्न पत्र हल किया।

शांतिपूर्ण तरीके से पहले दिन संपन्न हुई परीक्षा- जैन

परीक्षा आयोजन को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान परीक्षा समन्वयक महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज जैन ने बताया कि । जहां 2 जून से प्रारंभ ओपन स्कूल बोर्ड और रूक जाना नहीं तथा आ अब लौट चले, योजना के तहत बोर्ड परीक्षा में फेल परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया है। जो 20 जून तक रहेगा ।इसमें दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक परीक्षा का आयोजन किया गया है। जिसमें 10 वीं और 12 वीं के परीक्षार्थियों ने अपना-अपना पर्चा हल किया। सभी परीक्षा केंद्रों में पहले दिन शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न हुई है।

समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश

3 से 6 वर्ष के बच्चो को 12 दिवस तथा 6 माह से 3 वर्ष के बच्चो एवं गर्भवती व धात्री महिलाओं को दो मंगलवार केंद्रों में रेडी टू ईट का होगा वितरण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेश में संचालित समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों में 1 से 15 जून का ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। जिसमे केंद्रों में आने वाले

3 से 6 वर्ष के बच्चो को पूर्णतः 15 दिवस का अवकाश दिया गया है। इस अवधि के कार्यालयीन दिवसों में 3 से 6 वर्ष के बच्चो को 12 दिवस, 6 माह से 3 वर्ष के बच्चो, गर्भवती व धात्री महिलाओं को 2 मंगलवार के लिए केंद्रों में रेडी टू ईट (आरटीई) का वितरण करने के निर्देश जारी किए है । आरटीई में गेहूँ आधारित सूखा दलिया मिक्सर, चांवल आधारित सूखा खिचड़ी मिक्सर, मिलेट्स आधारित सूखा खिचड़ी मिक्सर, गेंहू मूंग दाल मिक्स दलिया चूरा, गेंहू ज्वार/बाजरा/मक्का मूंग चना दाल मिक्स सूखा खिचड़ी चूरा वितरण करने के निर्देश दिए गए है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के मार्गदर्शन में समस्त स्व सहायता समूहों को आरटीई रेडी करने एवं 02 जून को समस्त केंद्रों में वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। आरटीई निर्माण एवं हितग्राहियों को वितरण के भौतिक सत्यापन का कार्य परियोजना अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा किया जा रहा है। इस अवकाश अवधि के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा वार्षिक सर्वेक्षण कार्य एवं आंगनवाड़ी सहायिका द्वारा केंद्र में साफ सफाई कार्य किया जाना है। साथ ही एक कमरे में संचालित किराए के केंद्रों एवं ऐसे केंद्र जिसमे बिजली, पेयजल, शौचालय की सुविधा नही है उन केंद्रों को सर्व सुविधा युक्त भवनों में स्थानांतरित किया जाना है।

नौतपा सम्पन्न, अब मानसून की रहा देख रहे जिलेवासी

9 दिनों में एक भी दिन नही तपा नौतपा, भीषण गर्मी से मिलती रही राहत

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। बीते दिनों 25 मई से शुरू हुआ नौतपा आज 2 जून को समाप्त हो गया हो गया ।लेकिन सुबहा से दोपहर के बीच पड़ने वाली हल्की धूप और उमस भरी गर्मी से फिलहाल जिले वासियों को राहत नहीं मिल पाएगी ।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार जब तक मानसून नहीं आता और झमाझम बरसात नहीं होती तब तक जिलेवासियों को कुछ इसी तरह मौसम का सामना करना पड़ेगा ।जहां मानसून के आगमन तक मौसम नरम गरम बना रहेगा ।तो वही कभी धूप, कभी छाव ,कभी बारिश तो कभी आंधी तूफान के साथ हल्की से मध्य के बीच बूंदाबांदी होती रहेगी ।वही बात अगर 25 मई से शुरू हुए नौतपा की करें तो 25मई से 2 जून तक जिले भर में नौतपा बेअसर रहा। जहा नौतपा के इन 9 दिनों तक जिले वासियों को भीषण गर्मी और चिल्लाती धूप से हलाकान नही होना पड़ा ।वही नौतपा के 9 वे व अंतिम दिन यानी आज 2 जून को सुबह से ही मौसम में परिवर्तन देखने को मिला। जहां सुबह से लेकर देर रात तक मौसम में उतार चढ़ाव बना रहा ,तो वही बदली होने के चलते मौसम दिन भर ढका रहा और पूरे दिन जिले भर में शुष्क ठंडी हवाएं बहती रही। जिससे मौसम सुहाना हो गया ।इसी बीच मौसम विभाग ने सोमवार को नगर का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया तो वहीं न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा ।जो पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम है ।वहीं मौसम विभाग ने आगामी 05 दिनों तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने,हल्की धूप और उमस के बीच मौसम में बदलाव के साथ हल्की बारिश की संभावना व्यक्त की है।

बे असर रहा नौतपा

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार सूर्य घूमते हुए मध्य भारत के ऊपर आ जाता है ।जब सूर्य कर्क रेखा के पास पहुंच जाता है तब वह 90 डिग्री की पोजीशन में होता है ।इस वजह से सूर्य की किरणें सीधी पृथ्वी पर पड़ती हैं ।इसी कारण तापमान बढ़ जाता है ।जिससे मई माह में दिन बड़े होते हैं और रेडिएशन भी ज्यादा हो जाता है। यही वजह है कि पृथ्वी इन दिनों भट्टी की तरह तपती है ।पृथ्वी के तपने के कारण ही नौतपा में लोगों को भीषण गर्मी का एहसास होता है ।कृषकों द्वारा ऐसा माना जाता है कि नौतपा जितना अधिक तपेगा जिले में उतनी अधिक और अच्छी बारिश होंगी ।लेकिन इस वर्ष ऐसा कुछ भी देखने को मिला। जहा इस वर्ष जिले में नौतपा का असर बे असर रहा तो वही 2 जून को छोड़कर नौतपा के बाकी दिनों में हल्की बुंदाबांदी के साथ साथ बारिश भी देखने को मिली है।

खरीफ फसल की तैयारी में जुटे किसान

मौसम विभाग द्वारा जताई जा रही मानसून की सम्भावनाओ को देखते हुए किसान युद्ध स्तर पर कृषि कार्य मे जुट चुके है। 7 जून से मिरग लगने वाला है जिसे देखते हुए किसान ,बचा हुआ कार्य जल्द से जल्द खत्म करने में आमादा है। जहा जिले के ज्यादातर किसानों ने नई फसल के लिए बीज बोने की तैयारी शुरू कर दी है ।वही बचे हुए कुछ किसान रबी फसलों की गहानी करने में जुटे है ।जिले के ज्यादातर किसानों ने खेतो में गोबर खाद फैलाने का कार्य पूर्ण कर लिया है ।वही किसान अब मेड़ बंधन, और मेंढो में लगी झाड़ियों की कटाई कर रहे है ।बताया जा रहा है कि 15 दिनों के भीतर जिले के कई हिस्सों में किसानों द्वारा बीज बोने के लिए खेतो की जुताई का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

प्री-मानसुन आ गया है, अब मानसुन का इंतेजार है- आगासे

दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र के मौसम वैज्ञानिक धर्मेन्द्र आगासे ने बताया कि मौसम के उतार चढ़ाव के बीच 25 मई से नौतपा की शुरुआत हुई थी, लेकिन अक्सर नौतपा में हलाकान कर देने वाली गर्मी का असर, इस वर्ष, पिछले वर्ष की भांति कम दिखा ।इस वर्ष, नौतपा में जिस तरह से गर्मी पड़नी चाहिए थी। उतना असर नहीं रहा है। मई में ही प्री-मानसुन आ गया है, अब हम मानसुन की ओर बढ़ रहे है, नौतपा में कहीं धूप तो कहीं बारिश का असर रहा है। यही कारण है कि मौसम ठंडा होने से गर्मी का ज्यादा असर इस नौतपा में देखने को नहीं मिला है।

सीएम हेल्पलाईन के साथ ही तात्कालिक बिन्दुओ पर जिला पंचायत सीईओ ने की टीएल बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ ने समयावधि पत्रों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उन्होंने ऐसे विभाग जिनकी सीएम हेल्पलाईन पर रैंक 30 या इससे ऊपर है। उन्हें रैंक सुधारने के साथ ही शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि के लिए फोकस हो कर कार्य करने के निर्देश दिए है। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अलावा फूड और शिक्षा विभाग की रैंकिंग में सुधार करने तथा प्राथमिकता वाली शिकायतों के निराकरण करने के निर्देश दिए है। उन्होंने नगरीय निकायों में बालाघाट और कटंगी निकाय में साफ-सफाई तथा जल वितरण की समस्याओं के निराकरण के लिए सुबह मोहल्लों में जाकर निरीक्षण कर फोटो पोस्ट करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि फील्ड के लिए जितना समय निकाल सको निकालें। पब्लिक की समस्याओं के निराकरण पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सीईओ जिला पंचायत श्री सराफ ने सीएम डेस्क बोर्ड पर शासन की योजनाओँ के लिए लंबित आवेदनो के प्रतिशत की स्थिति की भी समीक्षा की। इसके अलावा उन्होंने ई-केवायसी और पीएमजीएसवाय की खराब सड़को की स्थिति की भी समीक्षा की। साथ ही पेंशन के प्रकरणो की विभाग वार जानकारी लेते हुए सम्बंधित विभाग को निराकरण करने के निर्देश दिए है।

आवश्यकता है
आराध्या कम्पयुटर में
• कम्प्युटर टीचर्स - 03 पद
• स्टेनो टीचर्स - 02 पद
• टैली टीचर्स - 02 पद
• ऑफिस कार्य - 02 पद
इच्छुक युवक-युवती सम्पूर्ण बॉयोडाटा इंस्टीट्यूट में जमा कर सकते है
वेतन-योग्यतानुसार
पता-आराध्या कम्प्युटर
मोतीनगर, गौरव पथ रोड, बालाघाट
7691909255, 8889326305

आवश्यकता है
पंचकर्म थेरेपिस्ट (महिला एवं पुरूष)
योग्यता-12वीं पास या डिप्लोमा
पता-सुनेरी आयुर्वेद एवं पंचकर्म क्लिनिक प्रेमनगर, वार्ड नं. 25
मार्डीकर गली बालाघाट
7000293553, 9479697117

एनसीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का तीसरा दिन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में एनसीसी का 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर क्रियान्वित है। सोमवार को एनसीसी के दस दिवसीय 99वां संयुक्त वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन प्रातः 05 बजे शारीरिक व्यायाम एवं पीटी से शुरुवात की गई। जिसमें एनसीसी कैडेट्स को अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिये व्यायाम करवाया गया जिससे शारिरीक एवं मानसिक संतुलन बना रहें । तत्पश्चात सभी कैडेट्स को ड्रिल का प्रशक्षिण देकर एनसीसी कक्षा का संचालन किया। प्रशिक्षक हवलदार हंसराज द्वारा शस्त्र प्रशिक्षण में कैडेट्स को 0.22 राईफल एवं स्पोर्टस राइफल का परिचय कराया गया। शिविर में गेस्ट लेक्चर में कैडेटस के बैंकिग संबंधित संदेह का निराकरण किया तथा साइबर क्राइम के संबंध में कैडेटस का मार्गदर्शन किया जिससे कैडेटस भविष्य में होने वाले साइबर क्राइम से सर्तक रहे एवं बच सकें। साथ ही खेलकुल गतिविधि में वालीवाल, रस्साकसी, खो-खो एवं फुटबाल का भी अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर शिविर एनसीसी अधिकारी मोहम्मद आबीद, खिलेन्द्रपाल बिसेन, अन्नु राहंगडाले एवं अन्य एनसीसी अधिकारी के साथ हवलदार, मनोहर, हवलदार रशपाल सिंह एवं अन्य सहयोगी पीआई

मोटरसाइकिल खड़े ट्रक में घुसी

मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति की मौके पर मौत

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। बैहर थाना अंतर्गत मलाजखंड रोड ग्राम बिरवा के पास रोड किनारे खड़े ट्रक में मोटरसाइकिल घुसने से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। 2 जून की शाम 7:00 बजे करीब यह घटना उस समय हुई जब यह मोटरसाइकिल चालक मलाजखंड की ओर से आ रहा था। बैहर पुलिस ने इस व्यक्ति का शव मौके से उठवा कर बैहर अस्पताल में ला लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 जून की शाम 7:00 बजे करीब बैहर से मलाजखंड रोड पर स्थित ग्राम बिरवा केपास रोड किनारे एक ट्रक खड़ा था। इसी दौरान मलाजखंड की ओर से तेज रफ्तार से आ रहे मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति ट्रक के पीछे मोटरसाइकिल सहित घुस गया। जिसके सिर में चोट लगने उसकी मौके पर मौत हो गई। इस घटना की सूचना मिलने ही बैहर पुलिस थाने से प्रधान आरक्षक कुंवर सिंह धुर्वे अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और मृतक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति का शव बैहर के अस्पताल में लाएं ।इस व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है। अमृत इस व्यक्ति के वारसानो की तलाश की जा रही है।

विशाल दमाहे ने सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा में पाया 13वां स्थान

हट्टा(पद्मेश न्यूज)। जिलावासियों के लिए गर्व का क्षण तब आया जब समनापुर गांव के होनहार युवा विशाल दमाहे ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा 2022 में , 13वाँ स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। कठिन संघर्ष और समर्पण की कहानी कहने वाले विशाल आज हजारों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन चुके हैं। विशाल दमाहे एक साधारण किसान परिवार से आते हैं। उनके पिता श्री कैलाश दमाहे तथा माता श्रीमती पुष्पा दमाहे ने अपने बेटे को सदैव नैतिक मूल्यों, ईमानदारी और परिश्रम की शिक्षा दी। उनकी प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर, समनापुर में हुई। इसके बाद उन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी से अपनी माध्यमिक, उच्च माध्यमिक की शिक्षा पूर्ण की। उन्होंने स्नातक की पढ़ाई शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिवनी से पूरी की और परास्नातक अंग्रेजी साहित्य में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा से किया। विशाल का जीवन कठिनाइयों से भरा रहा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। आर्थिक कठिनाइयों, सीमित संसाधनों और ग्रामीण पृष्ठभूमि के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ते हुए सफलता हासिल की। वर्तमान में वे शासकीय महाविद्यालय हट्टा में अतिथि विद्वान के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

विशाल की इस यात्रा में कई शिक्षकों और वरिष्ठों का योगदान रहा। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय बड़े पापा उदेलाल दमाहे, मौसाजी बंशी लाल बोहने, कृष्ण कुमार सुलाखे, प्रो. सत्येन्द्र कुमार शेंडे, प्रो. तेजेन्द्र सिंह शिव, प्रो. प्रवीण कुमार कौशले, एवं मुकेश कुमार बिसेन जैसे मार्गदर्शकों को दिया है, जिनके सहयोग, परामर्श और प्रेरणा ने उन्हें नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उनकी सफलता में शासकीय महाविद्यालय हट्टा परिवार की शुभकामनाओं और सहयोग का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जो सदैव उनके साथ खड़ा रहा। विशाल का कहना है-अगर आपके इरादे मजबूत हैं, तो कोई भी परिस्थिति आपकी राह नहीं रोक सकती। लगातार मेहनत, आत्मविश्वास और सही मार्गदर्शन ही सफलता की कुंजी है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

विश्व सायकिल दिवस आज

शासन प्रशासन की अनदेखी का शिकार हो रहे साइकिल रेस के खिलाड़ी

साइकिल या अन्य संसाधन तो दूर की बात, प्रैक्टिस के लिए मैदान भी नहीं, शासन प्रशासन से नहीं मिल रही मदद, जबकि कई प्रतियोगिता में बजा चुके हैं डंका, जान जोखिम में डालकर प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे खिलाड़ी

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। टेक्नोलॉजी के इस दौर में मानव समाज भले ही कितने ही तरक्की क्यों न कर ले, लेकिन बचपन से लेकर जवानी और बुढ़ापे तक कहीं ना कहीं उसका ताल्लुक साइकिल से जरूर रहता है।साइकिल एक सरल, सस्ता, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल टिकाऊ परिवहन साधन है, जो पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।साइकिल की इसी विशिष्टता, और बहुमुखी प्रतिभा को स्वीकार करते हुए प्रतिवर्ष 3 जून के दिन को विश्व साइकिल दिवस के रूप में मनाया जाता है।वही इस दिन विशेष को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष समय समय पर राष्ट्रीय स्तर तक साइकिल रेस की बड़े पैमाने पर प्रतियोगिता भी आयोजित की जाती है।लेकिन इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी शासन की अनदेखी लगातार शिकार हो रहे है। ना तो शासन प्रशासन द्वारा साइकिल रेस के खिलाड़ियों के लिए मैदान उपलब्ध कराया जाता है और ना ही अन्य खेलों की तरह साइकिल रेस खिलाड़ियो के लिए साधन व उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं।जिसका खामियाजा इस खेल से जुड़े खिलाड़ियो को भुगतना पड़ता है। बावजूद इसके भी इस खेल से जुड़े बालाघाट के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर बालाघाट का नाम रोशन करके आए हैं। जहां कई प्रतियोगिताओं में अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों और जिला साइकिल संघ सचिव द्वारा शासन प्रशासन से अन्य खेलों की तरह साइकिल रेस प्रतियोगिता के खिलाड़ियों पर भी ध्यान दिए जाने की मांग की गई है।

अन्य खेलो की तरह साइकिल रेस के खिलाड़ियों पर नही दिया जा रहा ध्यान

बात अगर बालाघाट जिले की करे तो साइकिल रेस प्रतियोगिता से जुड़े खिलाड़ियों के बुरे हाल है।क्यो की शासन स्तर से इन खिलाड़ियों को मदद नहीं मिल रही है। बालाघाट साइकिल एसोसिएशन के पदाधिकारियो के अनुसार शासन स्तर से खेल विभाग के द्वारा खो-खो, कबड्डी, फुटबाल, क्रिकेट सहित अन्य खेलों के लिए भरपूर बजट दिया जाता है, और करोड़ों खर्च किए जाते है, लेकिन साइकिलिंग प्रतियोगिता के लिए कोई भी बजट नहीं दिया जाता है, इतना ही नहीं खिलाड़ियों को साइकिल तक उपलब्ध नहीं कराई जाती है। इतना ही नहीं बालाघाट के खिलाड़ियों के लिए अभ्यास के लिए मैदान तक नहीं है, ये खिलाड़ी रोजाना डेंजर रोड में यातायात के आवागमन के बीच साइकिलिंग का अभ्यास कर अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। कई बार प्रतियोगिता में जिले का नाम रोशन करने के बावजूद भी इन खिलाडि़यों को उनकी पहचान नहीं मिल पाई है और ना ही शासन स्तर से इन खिलाडि़यों की मदद के लिए कोई पहल की गई है। जिसके चलते खिलाड़ियों के साथ-साथ संगठन भी शासन प्रशासन से खासा नाराज है।

शासन प्रशासन की अनदेखी का खिलाड़ी भुगत रहे खामियाजा

एक आधिकारिक जानकारी के मुताबिक बालाघाट जिले के साइकिलिंग के खिलाड़ी जिला व राज्य स्तर पर तो बेहतर प्रदर्शन कर रहे है, और राष्टीय स्तर पर भी शामिल हो रहे है, लेकिन उचित संसाधन के अभाव में ये खिलाड़ी राष्टीय पर थोड़ा पीछे रहे जा रहे है। जिसका प्रमुख कारण उनकी साइकिल को माना जा रहा है। यहां राष्टीय स्तर पर शामिल होने वाले अन्य राज्यों के खिलाड़ियों के पास दस से 15 लाख की लागत तक की साइकिल होती है, जिससे वे बेहतर प्रदर्शन में आगे निकल रहे है, और बालाघाट के खिलाड़ियों के पास डेढ़ से दो लाख रूपये लागत की साइकिलें है, जो उनके लिए समस्या कारण बन रही है। कुल मिलाकर कहा जाए तो इस प्रतियोगिता के खिलाड़ी शासन प्रशासन की अनदेखी का खामियाजा भुगत रहे हैं। जिस पर अब तक उचित ध्यान नहीं दिया गया है।

सुविधाए नही फिर भी जिले के खिलाड़ी राष्ट स्तर पर नाम कर रहे रौशन

साइकिलिंग के क्षेत्र में बालाघाट के खिलाड़ी न सिर्फ जबलपुर संभाग के लिए उपयोगी साबित होते है, बल्कि उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्टीय प्रतियोगिता के लिए मध्यप्रदेश की टीम का नेतृत्तव भी कर रहे हैं। बावजूद इसके शासन स्तर से साइकिल खिलाड़ियों के लिए सुविधा व संसाधन उपलब्ध नहीं हो पा रहे है। जिससे खिलाड़ियों के साथ ही इस खेल संगठन का मनोबल तो कम हो रहा है, फिर भी वे खेल के प्रति अपने जुनून को कायम रखे हुए हैं, राष्ट स्तर पर मध्यप्रदेश का डंका बजा रहे है।

मैदान नहीं होने से जान जोखिम में डालकर प्रैक्टिस कर रहे खिलाड़ी

आपको बताए कि बालाघाट जिले के करीब 50 खिलाड़ी रोजाना ही साइकिलिंग प्रतियोगिता की तैयारी के लिए कोच के नेतृत्व रोजाना अभ्यास कर रहे है, लेकिन ये अभ्यास खिलाड़ी मैदान में कर सके इसके लिए बालाघाट साइकिल एसोसिएशन लंबे समय से एक 600 मीटर के ट्रक के लिए प्रयासरत है, लेकिन उनका ये प्रयास भी सफल नहीं हो पा रहा हैं। जहां मैदान ना होने के चलते खिलाड़ी अपनी जान जोखिम में डालकर ट्रैफिक के बीच इस खेल की प्रेक्टिस करने के लिए मजबूर हैं।

जिले के 17 खिलाड़ी राष्टीय प्रतियोगिता में दिखा चुके हैं जलवा

जिला साइकिल संघ पदाधिकारियो के अनुसार कुछ माह पूर्व हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बालाघाट जिले से कुल 38 खिलाड़ी शामिल हुए थे। जिसके बाद जब मध्यप्रदेश की टीम का चयन किया गया तो, यहां इंदौर, भोपाल,जबलपुर, रीवा जैसे बड़े जिले होने के बाद भी 24 सदस्यीय टीम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते बालाघाट के 17 खिलाड़ी शामिल किया गया था। जो पटना बिहार में आयोजित राष्टीय प्रतियोगिता में शामिल हुए थे और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रौशन किए थे। इतना ही नहीं बालाघाट जिले के ही तीन खिलाडी फेडरेशन आफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्टीय प्रतियोगिता में शामिल हुए थे जो उड़ीसा में आयोजित हुई थी। राष्टीय स्तर पर बालाघाट का नाम रोशन करने के बावजूद भी शासन प्रशासन ने इन खिलाड़ियों की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया है। जिसका खामियाजा इस खेल से जुड़े खिलाड़ियों को भुगतना पड़ रहा है।

सबसे ज्यादा परेशानी मैदान की- उपवंशी

विश्व सायकिल दिवस के अवसर पर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बालाघाट जिला साइकिलिंग संघ सचिव मनोज उपवंशी ने बताया कि मप्र की टीम का नेतृत्व करते हुए बालाघाट के खिलाड़ियों ने राष्टीय स्कूल गेम्स फेडरेशन में पांचवा स्थान हासिल किया गया है। वहीं तीन बार खिलाड़ी मध्यप्रदेश का नेतृत्व भी कर चुके है। बेहतर साइकिल के अभाव के चलते खिलाड़ी राष्टीय स्तर पर वैसा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है, जैसा वे कर सकते है। वहीं मैदान के अभाव में भी खिलाड़ियों को अभ्यास करने में दिक्कत हो रही है। हमें सबसे ज्यादा परेशानी मैदान की है। यदि मैदान उपलब्ध हो जाए और संसाधन प्राप्त हो जाए तो बालाघाट जिले के खिलाड़ी राष्ट स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले व पूरे प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश विद्युत मंडल पत्रौपाधि अभियंता संघ कार्यालय का हुआ शुभारंभ

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के पॉवर हाउस कॉलोनी में सोमवार को मध्यप्रदेश विद्युत मंडल पत्रौपाधि अभियंता संघ के कार्यालय का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संघ से जुड़े सभी पदाधिकारी और विभागीय अमला मौजूद रहा। जिन्होंने बताया कि इसके पहले बालाघाट में संघ का कार्यालय नहीं था जिस कारण से यहां संगठन को उतनी गति नहीं मिल पा रही थी अब संघ का कार्यालय बालाघाट में खुल चुका है । जिससे संगठन और वरिष्ठ पदाधिकारी का मार्गदर्शन और सहयोग मिलता रहेगा । साथ ही इस कार्यालय के खोले जाने को लेकर सभी पदाधिकारी द्वारा बीते दो से तीन वर्षों से कड़ी मेहनत की जा रही थी । जिसके फलस्वरूप आज यहां संघ का कार्यालय खुल गया है। पहले संघ का कार्यालय नहीं होने से पदाधिकारी अपनी मांगों को लेकर सामने नहीं आते थे, आज संघ कार्यालय में आकर पदाधिकारी अपने वरिष्ठ पदाधिकारी से मिलकर अपनी समस्या को लेकर चर्चा करेंगे, जिससे निश्चित ही संगठन के साथ-साथ पदाधिकारीयों की समस्याओं का भी निपटारा होगा और संगठन का विस्तार होगा । संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंजी. अशोक जैन ने बताया कि बालाघाट में पहले संघ कार्यालय नहीं था। जिसके कारण संगठन की एक्टिविटी कम होती थी। संगठन से जुड़े कार्यों और कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा के लिए स्थायी जगह नहीं थी। संघ पदाधिकारियों के प्रयासों के चलते आज संघ को एक कार्यालय भी मिला है। इस कार्यालय के माध्यम से सभी पदाधिकारी एकजुट होकर अपनी-अपनी समस्याओं पर चर्चा कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आज संघ के कार्यालय खुलने से इस छोटी जगह पर बड़े अधिकारी इस कार्यक्रम में पहुंचे हैं। जिसका प्रमुख श्रेय आज कार्यालय के खुलने के विषय को जाता है, क्योंकि पहले कार्यालय नहीं होने की वजह से यहां कोई नहीं आ पा रहा था और आज कार्यालय के खुलने से उन्हें लग रहा है कि आज उनका घर बन चुका है और उनके सभी सदस्य अब घर में आकर अपने सदस्यों से मिलकर उनकी समस्याओं पर चर्चा करेंगे ।

आश्वासन पर चलित पशु चिकित्सा इकाई के अधिकारी-कर्मचारियों ने खत्म की हड़ताल

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। वेतन नहीं मिलने सहित अपनी लंबित मांगों को लेकर जिले के चलित पशु चिकित्सा इकाई के अधिकारी, कर्मचारी बीते दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे, जो अब प्रदेश स्तर से मिले आश्वासन के बाद पुन: 3 जून से काम पर वापस लौट जाएंगे। जिसमें कुछ पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि उन्हें 3 महीने से वेतन नहीं दिया गया था और भर्ती के समय किए गए वादे भी आउटसोर्स कंपनी द्वारा पूरे नहीं किया जा रहा था , उसी के कारण वह प्रदेश स्तर के आवाहन पर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे, किंतु 3 महीने के वेतन दिए जाने के आदेश सहित मिले मौखिक आश्वासन पर वह अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त कर काम पर वापस लौट रहे हैं। आपको बता दे कि बीते दिनों तीन माह से वेतन नहीं मिलने के कारण, चलित पशु चिकित्सा इकाई के वाहनों को खड़ा कर, पूरा अमला, अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चला गया था। जिससे ग्रामीण क्षेत्र में वाहन के माध्यम से दी जाने वाली पशु उपचार, टीकाकरण, गर्भाधान जैसी अन्य सेवाओं पर सीधा असर पड़ रहा था । जिले के सभी 11 ब्लॉक बालाघाट शहर, ब्लॉक बालाघाट, बिरसा, बैहर, परसवाड़ा, वारासिवनी, खैरलांजी, लालबर्रा, किरनापुर, लांजी और कटंगी में वाहनों के साथ अमला तैनात रहता हैं , जिस अमले ने, वाहनों को खड़ा कर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी थी । इस सुविधा का पूरा काम टीएनएम प्रायवेट लिमिटेड कंपनी देखती है। कंपनी द्वारा इन चलित पशु चिकित्सा इकाई के अधिकारी, कर्मचारियों को आउटसोर्स के अनुसार वर्ष 2023 में भर्ती किया गया था और समय पर वेतनमान सहित अन्य सुविधा दिए जाने की बात कही गई थी। किंतु बीते कुछ महीनो से कंपनी द्वारा अधिकारी, कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा था , तो वहीं पूरा काम लिए जाने के बाद भी, दी जाने वाली सुविधाएं अधिकारी, कर्मचारी को नहीं मिल रही थी और यह सिर्फ बालाघाट में ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश स्तर पर इसी प्रकार से अधिकारी, कर्मचारी परेशान थे । जिस कारण सभी ने लामबंद होते हुए अब अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है । जिसमें अधिकारी, कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उन्हें 3 महीने का वेतन पहले नहीं मिलता और प्रति महीने समय पर उन्हें वेतन नहीं दिया जाता तो वह अनिश्चितकालीन हड़ताल पर ही रहेंगे और विभाग का कोई भी काम नहीं करेंगे। इसके बाद चलित पशु चिकित्सा इकाई के अधिकारी बीते कुछ दिनों से प्रदेश स्तर के आवाहन पर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे। जिले में पशुओं को दी जाने वाली चलित पशु चिकित्सा इकाई से पूरी सेवाएं बाधित हो चुकी थी । जिसके बाद 2 जून को प्रदेश स्तर के मिले आवाहन के बाद प्रदेश सहित जिले में पशु चलित चिकित्सा इकाई की हड़ताल आश्वासन मिलने के बाद अब समाप्त हो गई है। अब चलित पशु चिकित्सा इकाई के अधिकारी ,कर्मचारी 3 जून को पुनः जिले में अपनी सेवाएं देंगे । कुछ पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि वह प्रदेश स्तर के आवाहन पर अपनी हड़ताल खत्म कर रहे हैं किंतु पुनः 5 तारीख को फिर एक बार प्रदेश स्तर के आवाहन पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की जा सकती है । बता दे की पशुपालकों को सुविधा देने के लिए सरकार ने मई 2023 में चलित पशु चिकित्सा वाहन की शुरूआत की थी। मई 2023 से संचालित इस सुविधा में वाहन चालक से लेकर पशु चिकित्सक और सहायक पशु फिल्ड ऑफिसर की तैनाती आउटसोर्स से की गई है। इस सुविधा के प्रारंभ होने से पूर्व पशुपालकों को पशु चिकित्सालय आना होता था या फिर डॉक्टर की टीम घर पहुंचकर पशुओं का उपचार करती थी लेकिन इस सुविधा के शुरू होने के बाद, अब पशुओं के उपचार के लिए चलित पशु वाहन अस्पताल के रूप में घर-घर पहुंचकर पशुओं का इलाज करता है। इस वाहन में पशु चिकित्सक के साथ ही सहायक पशु फिल्ड ऑफिसर और वाहन चालक को रखा गया है। जिसमें सारी दवाएं, शासन की ओर से प्रदाय की जाती है। हालांकि पशुओं के लिए इसका शुल्क 150 रूपए और श्वान तथा बिल्ली के लिए शुल्क 300 रूपए निर्धारित है। जो पशु कल्याण समिति में होता है ।

3 जून से पुनः काम पर वापस लौट जाएंगे - सुमित कावडे

चलित पशु चिकित्सा इकाई के पदाधिकारी सुमित कावडे द्वारा बताया गया कि उनका संगठन बीते 27 मई से प्रदेश स्तरीय आवाहन के बाद जिले में हड़ताल कर रहा था । 2 जून को प्रदेश स्तरीय मिले आश्वासन के बाद उनकी हड़ताल समाप्त हो गई है। वह 3 जून से पुनः काम पर वापस लौट जाएंगे एवं यदि प्रदेश स्तर के संगठन से जैसा ही आदेश आता है, वैसे ही पुनः अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे ,किंतु अभी 5 जून के बाद पुनः संगठन एक बार फिर आश्वासन पूरा नहीं होने पर हड़ताल की रणनीति बना रहा है ।

दो माह पहले रितिका ठाकरे ने स्वयं को आग लगाकर आत्म हत्या नहीं की थी

गला घोट कर हत्या करने के बाद उसके शरीर को कपड़ा बांधकर आग लगाई गई थी

आखिर रितिका का उसके मायके में हत्यारा कौन..?-जांच में जुटी बैहर पुलिस

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कलेगांव अपने मायके में दो माह से रह रही महिला श्रीमती रितिका पति रिवेश ठाकरे 38 वर्ष ने स्वयं को आग के हवाले कर आत्महत्या नहीं की थी।उसकी गला घोटकर हत्या करने के बाद शरीर पर कपड़ा बांधकर आग लगाई गई थी। यह सनसनीखेज वारदात 7 मार्च की रात्रि करीब 1:00 बजे हुई ।जिसका खुलासा हाल ही में आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने किया।मर्ग जांच उपरांत बैहर पुलिस ने इस मामले में इस महिला की हत्या और हत्या के साथ छुपाने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।कि आखिर इस महिला का उसके मायके में हत्यारा कौन हो सकता है।बैहर पुलिस ने सभी बिंदुओं को लेकर जांच पड़ताल शुरू की है।

दो माह पहले अपने मायके कलेगांव आई थी रितिका

प्राप्त जानकारी के अनुसार रितिका ठाकरे का ससुराल ग्राम भटलई थाना मलाजखंड का है। सन 2005 में रितिका का विवाह रिवेश ठाकरे के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई थी। दोनों पति-पत्नी खेती किसानी के अलावा मजदूरी करते थे। जिनके दो बच्चे हैं जिनमे बड़ा लड़का सतीश ठाकरे 19 वर्ष और छोटा लड़का अभेश ठाकरे 17 वर्ष का है। पिछले 5 साल से रितिका ठाकरे के कान में दर्द रहता था। जिसके कारण उसके पूरे शरीर में ऐंठन होने लगती थी ।दर्द के कारण वह किसी को पहचानती नहीं थी। जिसका इलाज उसके पति रिवेश ठाकरे ने रायपुर गोंदिया नागपुर तथा बालाघाट के डॉक्टर से करवाया था। किंतु कान का दर्द ठीक नहीं हुआ ।घटना के दो माह पहले माह जनवरी में ही रितिका ठाकरे अपने पिता की बरसी में अपने मायके कलेगांव आई थी और तब से वह अपने मायके में ही रह रही थी।

अपने चाचा की बाड़ी में आग से जलते हुए देखी गई रितिका ठाकरे

7 मार्च की रात्रि में खाना खाकर रितिका ठाकरे अपनी मां तुरसन बाई बघेले के साथ सोई थी।रात्रि 1:00 बजे करीब रितिका ठाकरे अपने चाचा मेखराम बघेल की बाड़ी में जलते हुए पाई गई और उसकी आग से जलने से मौके पर ही मौत हो चुकी थी। इस घटना की सूचना रात्रि में ही पेखन बघेल ने अपने जीजा रिवेश ठाकरे को दी थी। जो अपने परिवार के साथ अपने ससुराल कलेगांव पहुंचा।रितिका ठाकरे के शरीर पेट मे रस्सी से कपड़ा बंधा हुआ था। गले से कमर तक कपड़े के साथ रस्सी बंधी हुई थी। प्रथम दृष्टि में रितिका ठाकरे द्वारा अपने शरीर पर रस्सी से कपड़े बांधकर स्वयं को आग लगाकर आत्महत्या करना सामने आया था। रिवेश ठाकरे ने भी अपनी पत्नी रितिका ठाकरे की मृत्यु में कोई संदेह व्यक्त न करते हुए बैहर पुलिस थाना में रिपोर्ट की थी। सूचना मिलते ही बैहर थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील उइके सहायक उप निरीक्षक कैलाश पटेल सहित अन्य पुलिस अधिकारी ग्राम कलेगांव पहुंचे और मौके का निरीक्षण किये। जिला मुख्यालय से वैज्ञानिक अधिकारी गौतमा मेश्राम ने भी कलेगांव पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण किया गया था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने किया खुलासा

परिस्थितिजन्य साक्ष्य एवं हाल ही में आई पीएम रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि रितिका ठाकरे की गला घोटकर हत्या की गई और उसके दाहिने तरफ की दो पसली टूटना भी पाया गया ।रितिका के माथे में बाई तरफ चोट के निशान भी पाए गए। रितिका ठाकरे की गला घोटकर हत्या करने के बाद उसके शरीर पर कपड़ा लपेटकर आग लगाया गया। इस सनसनीखेज वारदात को 7 मार्च की रात्रि 1 बजे अज्ञात आरोपी द्वारा अंजाम दिया गया।बैहर पुलिस ने मर्ग जांच उपरांत रितिका ठाकरे की गला घोटकर हत्या और आग लगाकर हत्या की अपराध को छुपाने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 103(1) 238(क) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज किया गया। जिसकी जांच थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील उइके द्वारा की जा रही है।

पशुपालन विभाग द्वारा 4, 5 व 7 जून को आयोजित किये जाएंगे पशुपालन केसीसी शिविर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पशुपालको को केसीसी योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के उद्देश्य से विकासखण्ड परसवाड़ा, किरनापुर एवं खैरलांजी में पशुपालन केसीसी शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशो के परिपालन में पशुपालन एवं डेयरी विभाग उपसंचालक डॉ एन. डी. पूरी द्वारा जिले के विकासखण्ड परसवाडा, किरनापुर एवं खैरलांजी के पशु चिकित्सा अधिकारी को ब्लॉक लेवल पर पशुपालन केसीसी शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए है। शिविर में विभाग अंतर्गत प्रचलित समस्त योजनाओ जैसे डॉ. भीम राव आंबेडकर कामधेनु योजना, 10+1 बकरी पालन योजना, आचार्य विद्या सागर योजना की जानकारी का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा। शिविर खैरलांजी के ग्राम सावरी में 4 जून तथा किरनापुर के ग्राम नेवरगांव कला में 5 जून को आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही जिला स्तरीय शिविर परसवाड़ा के ग्राम पंचायत कुमादेही में 7 जून को आयोजित किया जाएगा। जिसमे दुधारू पशु पुरस्कार योजना का पुरुस्कार भी वितरित किया जाएगा।

एक क्वार्टर शराब खरीदने दो सौ रुपये नही देने पर एक युवक ने की बालक से मारपीट

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। नगर की नूरी चौक में एक क्वार्टर दारू पीने के लिए 200 रुपये नहीं देने पर एक 14 वर्षीय बालक को एक युवक ने हाथ बुक्के से मारपीट कर उसके गले में लोहे की कोई वस्तु से मार दिया। मारपीट में घायल बालक अरहान अली पिता आहिद अली 14 वर्ष वार्ड नंबर 3 ताज नगर बालाघाट द्वारा की गई रिपोर्ट शोएब खान वार्ड नंबर 3 ताज नगर के निवासी के विरुद्ध मारपीट कर अवैध वसूली करने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 3 ताज नगर बालाघाट निवासी अरहान अली कक्षा आठवीं का छात्र है। 1 जून की रात्रि करीब 8:00 बजे अरहान अली अपने घर से कोल्ड ड्रिंक खरीदने के लिए ओवेश भाई की दुकान जा रहा था। तभी रास्ते में नूरी चौक में उसे शोएब खान मिला और बोला कि कहां जा रहा है ।तब अरहान अली ने उसे बताएं कि वह कोल्ड ड्रिंक खरीदने के लिए जा रहा है। तब शोएब खान ने उसे बोला कि मुझे एक क्वार्टर दारू पीना है और शोएब खान ने अरहान अली से एक क्वार्टर शराब खरीदने के लिए 200 की मांग किया। अरहान अली ने बोला कि मेरे पास रुपए नहीं है। तभी शोएब खान अचानक भड़क गया और फरहान अली द्वारा रुपए नहीं देने पर उसे अश्लील गालियां देने लगा। अरहान अली ने उसे गाली देने से मना किया तो तभी शोएब खान ने उसे हाथ झापड़ से मारपीट करने लगा जिसका विरोध करने पर शोएब खान ने अरहान अली के गले में लोहे की कोई वस्तु से मार दिया जिससे अरहान अली के गले में चोट आई। अरहान अली को मारपीट करने के बाद शोएब खान वहा से फरार हो गया ।इसके बाद अरहान अली अपने घर पहुंचा और घटना के संबंध में अपने परिवार वालों को बताया। इसके बाद अरहान अली अपने परिवार वालों के साथ रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली पहुंचा। कोतवाली पुलिस ने आगे अरहान अली का जिला अस्पताल में इलाज और मुलाहिजा करवाये। अरहान अली द्वारा द्वारा की गई रिपोर्ट पर शोएब खान वार्ड नंबर 3 ताज नगर बालाघाट निवासी के विरूद्ध मारपीट कर अवैध वसूली करने के आरोप में धारा 119(1) 296 115(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। इस मामले की विवेचना प्रधान आरक्षक रामकिशोर पटले द्वारा की जा रही है।

प्राकृतिक आपदा के 02 प्रकरणों में मृतक के परिवारों को आर्थिक सहायता स्वीकृत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एसडीएम कटंगी मधुवंत राव धुर्वे ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत प्राकृतिक आपदा अंतर्गत आकस्मिक रूप से हुई मृत्यु पर आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। 20 अप्रैल 25 को ग्राम महकेपार तहसील तिरोड़ी निवासी वर्णित गेंदलाल की तिरोड़ी के कुएँ के पानी में डूबने से मृत्यु हो गयी थी। जिसके उपरांत मृतक के वारिस पत्नि पारबता को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी तरह 2 मई 25 को ग्राम सादाबोड़ी के नाले के पानी में डूबने से अश्विन चचाने की मृत्यु उपरांत मृतक के पिता अशोक चचाने को 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर जगह-जगह से हुई क्षतिग्रस्त, जिम्मेदार मौन

नहर में पानी बहने पर पार फुटने से व्यर्थ में बहेगा पानी, फसल होगी खराब, किसानों को होगा नुकसान, किसानों ने नहर व पारों की सफाई कर अमोली गाडर एवं अन्य स्थानों पर क्षतिग्रस्त हुई नहर का मरम्मत कार्य करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जिला सिवनी की सीमा से निकली ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर का पानी खैरलांजी तक नहर के माध्यम से किसानों के खेतों तक पहुंचता है। जिससे किसान अपनी फसलों की सिंचाई करते है और यह नहर पूर्व में मिट्टी की बनी हुई थी। जिसके कारण टेल क्षेत्र में पानी नही पहुंच पाता था और पानी के अभाव में किसानों की फसल प्रभावित हो जाती थी, ऐसी स्थिति में फसल उत्पादन कम होता था। किसानों के खेतों तक सरलता से पानी पहुंचाने के लिए विगत वर्ष पूर्व जल संसाधन विभाग के द्वारा करोड़ों रूपयों की लागत से ढूटीवीयर से लेकर खैरलांजी तक वैनगंगा बड़ी नहर का सीमेन्टीकरण का कार्य करवाया गया है ताकि मिट्टी का कटाव रूक सके और पानी का बहाव तेज हो सके परन्तु नहर के सीमेन्टीकरण का कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण निर्माण के कुछ ही सालों में सीमेन्टीकरण नहर में जगह-जगह से दरारे आने लगी है एवं कुछ स्थानों से क्षतिग्रस्त भी हो चुकी है। जिसमें अमोली गाडर के पास, बबरिया, मिरेगांव सहित अन्य स्थानों पर सीमेन्ट की परत क्षतिग्रस्त हो चुकी है एवं मिट्टी धसक रही है। बरसात के पूर्व ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर में पानी छोड़ने के पहले जिस स्थानों से नहर क्षतिग्रस्त हो चुकी है उसका मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो बारिश के दिनों में नहरों में पानी छोड़ने पर पानी के तेज बहाव के कारण नहर की पार फुट भी सकती है। जिससे लाखों लीटर पानी व्यर्थ में बहने के साथ ही खेतों में लगी फसल भी खराब हो सकती है। वहीं लंबे समय से किसानों के द्वारा जिम्मेदारों से क्षतिग्रस्त नहर का मरम्मत कार्य एवं साफ-सफाई करवाये जाने की मांग कर रहे है परन्तु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिसके कारण किसानों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

निर्माण के कुछ सालों बाद ही सीमेन्टीकरण नहर में आने लगी है दरारे

आपकों बता दें कि वैनगंगा नदी के ढूटीवीयर में अंग्रेजों के जमाने में स्टाप डैम कर निर्माण किया गया था ताकि वैनगंगा नदी का पानी एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जा सके और मिट्टी से ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर का निर्माण खैरलांजी क्षेत्र तक किया गया था। जिससे नहर के माध्यम से खैरलांजी तक पानी पहुंचता है। साथ ही किसानों को उनकी खेती के लिए पानी उपलब्ध होता है और बारिश नही होने पर किसान को फसल में सिंचाई के लिए पानी मिल जाने से किसान फसल का उत्पादन अधिक ले लेते है परन्तु मिट्टी की नहर होने के कारण टेल क्षेत्र तक पानी नही पहुंच पाता था जिससे किसानों की फसल खराब हो जाती थी। टेल क्षेत्र तक पानी पहुंचाने के लिए विगत वर्ष पूर्व जल संसाधन विभाग के द्वारा ढूटीवीयर से लेकर खैरलांजी तक वैनगंगा बड़ी नहर का सीमेंटीकरण निर्माण कार्य करोड़ों रूपयों की लागत से करवाया गया है परन्तु निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण निर्माण के कुछ साल बाद ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता की पोल खुलने लगी है। साथ ही नहर का सीमेन्टीकरण परत जगह-जगह से उखड़ने लगे है एवं कुछ स्थानों से मिट्टी का कटाव भी हो चुका है। साथ ही नहर के नीचे कुड़ा-करकट एवं पारों में झाड़िया (खरपतवार) भी उग चुके है, जिसकी साफ-सफाई भी नही की जा रही है। ऐसी स्थिति में नहर के पारों से जाते समय अगर अचानक मवेशी एवं किसान नीचे नहर में गिर जाते है तो बाहर नही निकल सकते। जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है इसलिए ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर किनारे निवासरत ग्रामों के किसानों ने जल संसाधन विभाग से जल्द क्षतिग्रस्त नहर का मरम्मत कार्य करवाने एवं नहर के पारों की साफ-सफाई करवाये जाने की मांग की है ताकि किसानों को बारिश नही होने पर ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर का पानी खरीफ सीजन में लगाई जाने वाली धान की फसल में सिंचाई के लिए मिल सके।

नहर जगह-जगह से क्षतिग्रस्त होने लगी है - दादुराम

किसान दादुराम पंचेश्वर ने बताया कि ढूटीवीयर डेम से वैनगंगा बड़ी नहर निकली है जो खैरलांजी तक जाती है और ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर से किसानों के खेतों तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचता है। साथ ही पूर्व में मिट्टी से बना हुआ नहर था परन्तु खैरलांजी तक पानी नही पहुंच पाता था इसलिए विगत वर्ष पूर्व करोड़ों रूपयों की लागत से नहर का सीमेंटीकरण किया गया है किन्तु ठेकेदार के द्वारा निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही किया गया है। जिसके कारण निर्माण के कुछ सालों बाद ही नहर में जगह-जगह से दरारे आने एवं कुछ स्थानों से सीमेंट उखड़ने के साथ ही क्षतिग्रस्त होने लगी है और बरसात के दिनों में पानी का तेज बहाव होने पर पार फुट जाने से लाखों लीटर पानी व्यर्थ में बहने से किसानों की फसल खराब हो सकती है।

श्री पंचेश्वर ने बताया कि सीमेंटीकरण नहर जिस स्थानों से क्षतिग्रस्त हो चुकी है उसका मरम्मत कार्य एवं पारों में खरपतवार उग चुके है उसकी सफाई नहर में पानी छोड़ने के पहले जल संसाधन विभाग करवाये।

क्षतिग्रस्त नहर का जल्द मरम्मत करवाये प्रशासन - अरविंद

बेलगांव सरपंच, किसान अरविंद पंचेश्वर ने बताया कि ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर की लाइनिंग का कार्य विगत वर्ष पूर्व किया गया है लेकिन गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण अमोली गाडर सहित अन्य स्थानों से सीमेटीकरण क्षतिग्रस्त हो चुकी है एवं मिट्टी धसक रही है, नगर में पानी छोड़ने के पहले मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो पानी के तेज बहाव में जिस स्थान से नहर क्षतिग्रस्त हो चुकी है उस स्थान से नहर फुट सकती है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि नहर के पारों से भी किसान एवं राहगीर आना-जाना करते है लेकिन पारों में खरपतवार होने एवं कुछ स्थानों से नहर की पार भी खराब हो चुकी है। ऐसी स्थिति में आने-जाने वालों को भी परेशानी होती है इसलिए प्रशासन से मांग है कि क्षतिग्रस्त नहर एवं पारों का भी मरम्मत कार्य जल्द करवाये।

इनका कहना है-

आपके माध्यम से संज्ञान में आया है कि ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर के अमोली गाडर, बबरिया सहित अन्य स्थानों से नहर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जल्द ही स्थल का निरीक्षण कर नहर में पानी छोड़ने के पहले मरम्मत कार्य करवा दिया जायेगा।

दिलीप परते
एसडीओं
जल संसाधन विभाग बालाघाट।

मानपुर गायत्री प्रज्ञापीठ में तहसील स्तरीय कार्यकर्ता विचार-गोष्ठी कार्यक्रम आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित गायत्री प्रज्ञापीठ में 3 जून को दोपहर 3 बजे से अखिल विश्व गायत्री परिवार उपजोन समन्वयक दिनेश देशमुख के आगमन पर तहसील स्तरीय कार्यकर्ता विचार-गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में तहसील समन्वयक वीरेन्द्र बिसेन ने बताया कि अखिल विश्व गायत्री परिवार उपजोन छिंदवाड़ा समन्वयक दिनेश देशमुख जी 1 जून से 3 जून तक बालाघाट जिले की तहसील स्तरीय कार्यकर्ता कार्यशाला में संगठनात्मक गतिविधि के व्यवस्थित संचालन हेतु मार्गदर्शन करने पधारे है। इसी क्रम में तहसील लालबर्रा की कार्यशाला 3 जून को गायत्री प्रज्ञापीठ मानपुर में दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगी। श्री बिसेन ने बताया कि अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशन में अति महत्वपूर्ण एवं आवश्यक कार्यशाला है। जिसमें तहसील के कार्यकर्ता एवं भावनाशील, धर्मप्रेमी उपस्थित होकर शांतिकुंज के वर्तमान के दिशा-निर्देश, संगठन की आगामी रूपरेखा से अवगत होंगे। इस अवसर पर तहसील अंतर्गत उपजोन समन्वयकगण, तहसील रिपोर्टिंग प्रभारी, तहसील समन्वय समिति, प्रज्ञापीठ सदस्य, प्रज्ञा मंडल, महिला मंडल, युवा मंडल सदस्य, ट्रस्ट मण्डल सदस्य, सभी प्रकोष्ठ प्रभारी एवं अग्रणी कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील श्री बिसेन ने की है।

कक्षा 5 वीं एवं 8 वीं बोर्ड की पुनः परीक्षा हुई शुरू

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार कक्षा 5 वीं, 8 वीं बोर्ड की पुनः परीक्षा 2 जून से प्रारंभ हो चुकी है। इसी कड़ी में लालबर्रा विकासखण्ड में कक्षा 5 वीं, 8 वीं की पुनः परीक्षा के लिए बनाये गये 7 परीक्षा केन्द्रों में हिन्दी एवं अंग्रेजी विषय के प्रश्नपत्र के साथ परीक्षा प्रारंभ हो चुकी है और प्रथम दिन हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के कक्षा 5 वीं, 8 वीं के 48 बच्चों ने अपने-अपने विषय का पर्चा प्रातः 10 बजे से लेकर 12 बजे तक शांतिपूर्वक तरीके से हल किये एवं किसी भी केन्द्र में किसी प्रकार का नकल प्रकरण नही बना है और यह परीक्षा 9 जून को संपन्न होगी। साथ ही प्रथम दिन कक्षा 5 वीं एवं 8 वीं में कुल 114 में से 48 बच्चें उपस्थित एवं 66 बच्चें अनुपस्थित रहे। चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के द्वारा विगत दिवस कक्षा 5 वीं, 8 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया था। जिसमें जो बच्चें अनुत्तीर्ण हो चुके थे या फिर अनुपस्थित रहे है ऐसे बच्चों को उत्तीर्ण करने के लिए दोबारा अवसर प्रदान किया गया है। जिनकी पुनः परीक्षा 2 जून से प्रारंभ हो चुकी है और लालबर्रा विकासखण्ड में कक्षा 5 वीं, 8 वीं की पुनः परीक्षा संपन्न करवाने के लिए 7 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। जिसमें शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल खमरिया, सांदीपनी स्कूल लालबर्रा, शासकीय कन्या उमावि. अमोली, शास. उमावि. कनकी, शास. उमावि. बिरसोला, शास. उमावि. नेवरगांव ला. एवं शास. उमावि. जाम शामिल है जहां 2 जून को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक हिन्दी मीडियम के बच्चों ने हिन्दी एवं अंग्रेजी मीडियम के बच्चों ने अंग्रेजी विषय का प्रथम प्रश्नपत्र का पर्चा हल किये है। जिसमें कक्षा 5 वीं एवं 8 वीं में दर्ज 114 में से 48 बच्चें उपस्थित, 66 अनुपस्थित रहे एवं किसी भी केन्द्र में नकल प्रकरण नही बना है एवं प्रथम दिन शांतिपूर्वक परीक्षा संपन्न हुई। श्री तुरकर ने बताया कि कक्षा 5 वीं, 8 वीं की पुनः परीक्षा 9 जून को संपन हो जायेगी एवं 3 जून को कक्षा 5 वीं का गणित, 4 जून को पर्यावरण, 5 जून को अंग्रेजी/हिन्दी का पेपर है। इसी तरह कक्षा 8 वीं का 3 जून को गणित, 4 जून को विज्ञान, 5 जून को सामाजिक विज्ञान, 6 जून को अंग्रेजी/हिन्दी, 9 जून को संस्कृत विषय के पेपर के साथ पुनः परीक्षा संपन्न हो जायेगी। जिसके बाद उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर परीक्षा परिणाम घोषित किया जायेगा।

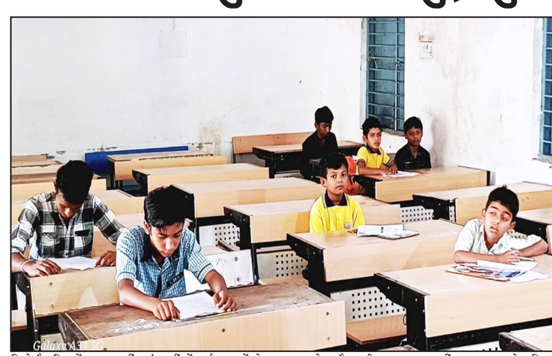

अंतिम दिन कम तपा नौतपा, उमस भरी गर्मी से आमजन परेशान

15 जून के पहले प्री-मानसून दे सकता है दस्तक, अब लोगों को बारिश का है इंतजार

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नौतपा का अंतिम दिन सोमवार को कम तपा है। लेकिन नौतपा के 8 दिनों में एक दो दिनों तक बदलीनुमा मौसम रहा है, जिसके बाद दिन में चिलचिलाती धुप से लोग हलाकान होते नजर आये। साथ ही नौतपा के अंतिम दिन लग रहा था कि जमकर तपेगा परन्तु ऐसा नही हुआ और मौसम में परिवर्तन होने के साथ ही कभी बदलीनुमा मौसम बना रहा तो कभी तेज धुप लगने से लोगों को उमस भरी गर्मी से परेशान होना पड़ा है। 25 मई से प्रारंभ हुए नौतपा का अंतिम दिन सोमवार था और नौतपा के 5 से 6 दिनों तक दन में तेज धूप का एहसास हुआ है एवं इस दौरान चुभती गर्मी से सभी हलाकान होते रहे। वहीं 2 जून को नौतपा का अंतिम दिन था एवं अंतिम दिन मौसम परिवर्तन होने के साथ ही कभी बदलीनुमा मौसम बना रहा तो अचानक तेज धुप लगने से उमस भरी गर्मी का एहसास हुआ है और लोग लू के थपेड़ों एवं गर्मी से बचने के लिए बाहर निकलते समय गमछा बांधकर बाहर निकले। सोमवार को नौतपा की विदाई हो चुकी है और अब यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मौसम कभी भी मेहरबान हो सकता है और कुछ दिनों के अंदर मानसून के दस्तक देने के साथ ही लोगों को इस चुभती गर्मी से राहत भी मिल सकती है। आपकों बता दे कि नौतपा प्रारंभ होने के साथ ही तेज धूप व उमस भरी गर्मी से लोग हलाकान रहे और इन आठ दिनों में से एक दो दिनों तक बदलीनुमा मौसम एवं दोपहर में समय बारिश हुई है उसके बाद अन्य 5 से 6 दिनों तक सुबह से लेकर शाम तक तेज धूप से लोग परेशान होते रहे। इस दौरान लोग गमछा बांधकर सड़कों पर निकले और धूप से बचने का प्रयास किया है परन्तु सूर्य की आग उगलती किरणों की वजह से कूलर और पंखे भी राहत नही दे पा रहे है। गर्मी से राहत पाने के लिए लोगों के द्वारा गन्ना जूस, आम जूस, नींबू पानी व शरबत सहित अन्य ठंडे पेय पदार्थों का सेवन किया जा रहा है। आपकों बता दें कि मौसम विभाग के अनुसार 15 जून के पहले प्री मानसून दस्तक दे सकता है और खरीफ सीजन में धान की फसल लगाने वाले किसान बीज बोने सहित अन्य कार्य के लिए खेती को तैयार करने में जुट चुके है। जिनके द्वारा बारिश का इंतेजार किया जा रहा है। बारिश होने के बाद युध्द स्तर पर किसान बीज बोने, पार लगाने सहित अन्य कृषि कार्य में जुट जायेगें। वहीं चिकित्सकों का कहना है कि वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी से बचने के लिए धूप में घरों से बाहर निकलते समय सफेद गमछा या कपड़े का उपयोग करने एवं नीबू, शरबत, आम का पना, गन्ना जूस सहित ठंडे पेय पदार्थों व साफ पानी का उपयोग करने एवं स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

आम आदमी पार्टी की विधानसभा स्तरीय हुई बैठक

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी निवासी आम आदमी पार्टी के विधानसभा सहप्रभारी फिरोज नियाजी के निवास में 2 जून को आम आदमी पार्टी की विधानसभा स्तरीय बैठक संपन्न हुई। यह बैठक आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में संगठन विस्तार प्रदेश में प्रकोष्ठ, जिला, ब्लॉक संगठन के दायित्व निर्धारण एवं सदस्यता अभियान के संबध में विस्तार से चर्चा कर सभी को संगठित होकर पार्टी हित में काम करने दिशा-निर्देश दिया गया। वहीं उपस्थित पदाधिकारियों को पार्टी की नीति-रीति से अवगत करवाकर सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की सदस्य बनाने कहा गया। वहीं बैठक के दौरान आम आदमी पार्टी के बालाघाट विधानसभा नवनियुक्त सहप्रभारी फिरोज नियाजी का उपस्थित पदाधिकारियों ने सम्मान भी किया। साथ ही बैठक में विविध बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की गई है। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल, जिला सचिव रजनीश नायडू, जिला कार्यालय प्रमुख अनिल ब्रम्हे, विधानसभा सहप्रभारी फिरोज नियाजी, वरिष्ठ पदाधिकारी रामचंद्र सिहोरे, मो. आरिफ अली, भोलाराम सराटे, महिला जिला उपाध्यक्ष प्रीति ब्रम्हे, छतरलाल हल्लूमारे सहित अनय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अविश्वास प्रस्ताव को 9 मत, सरपंच को 1 मत, प्रस्ताव विफल

रमरमा अविश्वास प्रस्ताव चर्चा सम्मिलन संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत रमरमा में २ जून को विहित प्राधिकारी न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी के आदेश अनुसार चर्चा एवं सम्मेलन की कार्यवाही आयोजित की गई। यह कार्यवाही नायब तहसीलदार पीठासीन अधिकारी श्रीमती मंजुला महोबिया की अध्यक्षता, खंड पंचायत अधिकारी पीठासीन अधिकारी सहयोगी इरफान खान की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें चर्चा उपरांत मतदान प्रक्रिया के माध्यम से अविश्वास प्रस्ताव का निर्णय किया गया। इस दौरान समस्त पंचायत बॉडी के द्वारा प्रक्रिया में भाग ना लेकर केवल ९ पंच और सरपंच यानि १० लोगो लिया गया। उक्त प्रक्रिया शांतिपूर्वक संपन्न की गई जिसमें बहुमत के आभाव में अविश्वास प्रस्ताव पास नहीं हुआ। इसी के साथ सरपंच यथावत हैं।

इस प्रकार पास नहीं हुआ अविश्वास प्रस्ताव

ग्राम पंचायत रमरमा में २ जून को ग्राम पंचायत भवन में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा व सम्मेलन हेतु एसडीएम के द्वारा आदेश दिया गया था। जिसके पालन में पीठासीन अधिकारी श्रीमती मंजुला महोबिया, सहायक पीठासीन अधिकारी इरफान खान के समक्ष ग्राम पंचायत रमरमा के १४ पंच एवं सरपंच कुल १५ सदस्यों में ९ पंच सरपंच कुल १० सदस्य सुबह ११ बजे उपस्थित हुए। जहां उनके द्वारा सभी से चर्चा करने के उपरांत अपनी बाते रखने का समय दिया गया। तत्पश्चात मतदान प्रक्रिया गोपनीयता का ध्यान रखते हुए प्रारंभ की गई। इस दौरान ९ पंच ,१ सरपंच कुल १० लोगों के मतदान किया गया। जिसमें मतगणना में अविश्वास प्रस्ताव को ९ मत प्राप्त हुए। वहीं अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ१ मत किया गया। इस प्रकार बहुमत के आभाव में अविश्वास प्रस्ताव ग्राम पंचायत में पास नहीं हुआ। जिसमें बताया जा रहा है कि पंचायत में पंच और सरपंच कुल १५ सदस्य है जिसका दो तिहाई से अधिक यानी ११ मत अविश्वास को प्राप्त होते तब वह पास होता।

यह आदेश पर की गई कार्यवाही

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी विहित् प्राधिकारी वारासिवनी के द्वारा २२ मई को आदेश जारी किया गया था की ग्राम पंचायत रमरमा की सरपंच श्रीमती इमलाबाई बिसेन के विरूद्ध ग्राम पंचायत रमरमा के ६ पंचगणों के द्वारा हस्ताक्षरित अविश्वास का प्रस्ताव निर्धारित प्रारूप में नियमानुसार प्रस्तुत किया। जिसके संबंध में पंचगणों को सूचना पत्र जारी कर समक्ष में सुना गया एवं शपथ पत्र पेश किये गये जो समाधान कारक होने से ग्राह्य किया गया। प्रस्तुत अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा व सम्मिलन हेतु २ जून की सुबह ११ बजे की तिथि नियत कर ग्राम पंचायत भवन रमरमा में म.प्र.पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम १९९३ की धारा २१/२ के साथ पठित नियम म.प्र.ग्राम पंचायत के सरपंच के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव नियम १९९४ के नियम ४ में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये ग्राम पंचायत रमरमा सरपंच के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा सम्मिलन की अध्यक्षता करने हेतु श्रीमती मंजुला महोबिया नायब तहसीलदार वारासिवनी को पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया। पीठासीन अधिकारी के सहयोग हेतु इरफान खान खण्ड पंचायत अधिकारी जनपद पंचायत वारासिवनी को नियुक्त किया गया।

इन कारणों से लाया गया अविश्वास

ग्राम पंचायत रमरमा के पंचों के द्वारा सरपंच श्रीमती इमलाबाई बिसेन के द्वारा पंचायत संचालन पर गंभीर आरोप लगाते हुए अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। जिसमें पंचों के द्वारा लिखित में शपथ पत्र एवं प्रारूप पत्र देकर आरोप लगाए गए हैं कि सरपंच के द्वारा ग्राम विकास की शासकीय राशि की अफरा तफरी कर शासकीय राशि का दुरुपयोग किया जाता है। ग्राम पंचायत में मीटिंग करने के बाद एक तरफ कार्यवाही की जाती है। पंचों को विश्वास में नहीं लिया जाता है और ना ही हमारे द्वारा बताए गए कार्यों को करवाया जाता है। ग्राम पंचायत सरपंच के द्वारा अपने विवेक का उपयोग नहीं करते हुए अपने पुत्र के इशारों पर पंचायत का संचालन कर मनमानी करते हुए पंचों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते हैं तथा पंचों को धमकी देते रहते हैं। जिससे आक्रोशित पंचों के द्वारा १९ मई को पंचों के दिए हुए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा व सम्मेलन पंचायत भवन में आयोजित किया गया।

इन पंचो की रही उपस्थिति

पंचायत भवन में चर्चा व सम्मेलन कार्यक्रम के अवसर पर ग्राम पंचायत रमरमा सरपंच इमलाबाई बिसेन ,उपसरपंच देव सिंह धुर्वे ,पंचो में संतोष कुमरे ,हसीन खान ,मीना राउत ,सरिता उइके ,योगेश्वरी मात्रे ,पुष्पा धुर्वे, रविन्द्र मड़ावी ,नरेन्द्र कुमरे मौजूद रहे जिन्होंने मतदान किया।

सरपंच पुत्र के द्वारा बाकी पंचों को गायब करवा दिया इसलिये अविश्वास पास नहीं हुआ-देवसिंह धुर्वे

उपसरपंच देवसिंह धुर्वे ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव हमारे द्वारा डाला गया था जिसमें अविश्वास प्रस्ताव के लिए पंचायत भवन में कार्यक्रम आयोजित हुआ था। जहां पर पूरे पंच उपस्थित नहीं थे मात्र १० व्यक्ति थे जिसमें ९ पंच और एक सरपंच जिसमें सभी ९ पंचों के द्वारा

अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया गया। सरपंच पुत्र के द्वारा बाकी पंचों को गायब करवा दिया गया था यह अविश्वास पास नहीं हुआ सभी व्यक्ति उपस्थित होना था यह गलत हुआ है।

सरपंच पुत्र के द्वारा ग्राम में अपनी मनमानी की जाती है-हसीन खान

हसीन खान ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग हुई ९ पंच एक सरपंच था। जबकि ग्राम पंचायत में १४ पंच है चार पंचों को सरपंच ने गायब किया एक पंच ने इस्तीफा दिया है। चुनाव खत्म होते ही उनको वापस पंचायत में ला लिया गया था हमारे पक्ष में निर्णय नहीं दिया गया है। हम मानते हैं कि

अविश्वास प्रस्ताव पर ९ मत गिरे उपस्थित १० लोग थे तो उपस्थित पर निर्णय होना चाहिए। सरपंच पुत्र के द्वारा ग्राम में अपनी मनमानी की जाती है ढाई वर्ष हो गए हैं आज तक कोई मीटिंग नहीं हुई पंचायत में वह कहते हैं पंचों की जरूरत नहीं है। तो हम यहां क्या कर रहे हैं हमें अपना सरपंच हटाना है इसके लिए हम प्रक्रिया के बाद एसडीएम के पास आए हुए हैं। कलेक्टर के भी पास जायेंगे और जरूरत पड़ी तो हाई कोर्ट में केश भी लड़ेंगे।

हारे हुए लोगों के द्वारा यह

षड्यंत्र किया है सत्य की जीत हुई है-इमलाबाई बिसेन

सरपंच इमलाबाई बिसेन ने दूरभाष पर चर्चा में बताया की गलत प्रकार के आरोप हमारे ऊपर लगाए गए हैं। हारे हुए लोगों के द्वारा यह षड्यंत्र किया गया है सत्य की जीत हुई है। हमारे द्वारा सदैव ग्राम विकास के लिए कार्य किए जाते रहे हैं, इस ग्राम विकास में ग्रामीणों के भी जीवन उत्थान के

लिए प्रयास किया गया है। लगातार पंचायत के विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं शासन की योजनाओं का संचालन भी हो रहा है। हर पात्र हितग्राही को योजना का लाभ देने का प्रयास है। यही कारण रहा की अविश्वास प्रस्ताव फेल हो गया और हमारी जीत हुई है।

नियम अनुसार समस्त कार्यवाहियां की गई-मंजुला महोबिया

नायाब तहसीलदार श्रीमती मंजुला महोबिया ने बताया कि रमरमा ग्राम पंचायत भवन में अविश्वास प्रस्ताव के लिए चर्चा एवं सम्मेलन कार्यवाही आयोजित की गई थी। जहां पर पंचायत के १५ सदस्य जिसमें १४ पंच एक सरपंच है परंतु १० लोग ९ पंच १ सरपंच उपस्थित हुए। जहां सभी को अपनी अपनी बातें रखने का अवसर दिया गया। जिसके बाद गुप्त मतदान

करवाया गया जिसमें अविश्वास प्रस्ताव को ९ मत प्राप्त हुए। जबकि कोरम के हिसाब से दो तिहाई मतलब १५ सदस्य में १० होता है उससे अधिक यानी ११ मत प्राप्त होने पर यह विश्वास प्राप्त हो सकता था। परंतु ९ मत मिले है अविश्वास प्रस्ताव पास नहीं हुआ है नियम अनुसार समस्त कार्यवाहियों की गई है।

सराफा एशोसियेशन की वार्षिक सभा की कामकाजी बैठक संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सराफा एशोसियेशन वारासिवनी की सराफा बाजार हनुमान मंदिर में संपन्न

कामकाजी बैठक में सराफा व्यापार एवं सुरक्षा संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। जिसमें मुख्य रूप से प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित होने जा रही वार्षिक कांफ्रेंस और प्रदेश के व्यापारियों के लिए सभी जिलों में व्यापार के मार्ग खोलने वाली एक्सीबीशन को लेकर भी चर्चा की गई । एसोसियेशन प्रदेश महासचिव संतोष सराफा ने वारासिवनी सराफा एशोसियेशन के सचिव संजय अग्रवाल से चर्चा कर यह जानकारी दी की २१ और २२ जून को प्रदेश के व्यापारियों का प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसमें वारासिवनी के साथ साथ प्रदेश के सभी जिलों से व्यापारियों को आमंत्रित किया जा रहा है। अबकी बार की बैठक का मुख्य उद्देश्य पिछली बार से ज्यादा लगभग १००० व्यापारियों को एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया है एवं इस बार मुख्य विषय जो हर वर्ष की तरह एजेंडा में शामिल किए जाते हैं। उसमें मुख्य रूप से इस बार प्रदेश में पहली बार ज्वैलरी एग्जिबिशन का आयोजन किया जा रहा है एवं परंपरागत आभूषणों का फैशन शो भी किया जा रहा है। २२ जून की मुख्य बैठक में प्रदेश में ज्वेलरी उद्योग के आयात निर्यात की संभावनाओं को यथार्थ में उतरना और प्रदेश के लगभग सभी जिले से चुनिंदा व्यापारियों का चयन कर उन्हें आयात निर्यात का लाइसेंस प्रक्रिया कस्टम का परमिशन एवं इसके तौर तरीके से अवगत कराना होगा। बैठक में नगर एवं जिले में व्यापारियों को सुरक्षित रहकर कार्य करने के लिए भी अतिरिक्त सावधानी के साथ सभी व्यापारियों के प्रतिष्ठान हाईटेक टेक्नोलॉजी युक्त सुरक्षा उपकरणों से लैस करने एवं विगत वर्ष पहले दिए गए प्रशासन को आवेदन पत्र के लिए भी चर्चा की गई है। बैठक में वारासिवनी सराफा एशोसियेशन के सभी पंजीकृत व्यापारी उपस्थित रहे एवं अपने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में जिला अध्यक्ष राकेश सोनी, सराफा एशोसियेशन के अध्यक्ष संजय रूसिया, सचिव संजय अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जंगली सूअर के हमले में महिला ज्योति बिसेन घायल

खेत में जामुन खाने के दौरान हुई घटना

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया रामपायली निवासी ३५ वर्षीय महिला जंगली सूअर के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना उस समय हुई जब ज्योति बिसेन अपने खेत के जामुन के पेड़ के नीचे जामुन चुनकर खा रही थी। घटना के बाद महिला को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार जारी है। इस घटना में महिला को शरीर के विभिन्न स्थानों पर गंभीर चोटें आई है। इस दौरान उपस्थित जनों के द्वारा क्षेत्र में जंगली सूअर की बढ़ती आबादी पर चिंता जताते हुए आक्रोश व्यक्त किया गया।

आये दिन किसानों के उपर जंगली सूअर का आतंक मचा हुआ है

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरीश बिसेन ग्राम पंचायत पिपरिया रामपायली के निवासी है जो पेशे से किसान है। जिनके द्वारा रबी की खेती लगाई गई थी जहां पर गहानी का कार्य प्रारंभ है। इस दौरान हरीश बिसेन अपनी पत्नी ज्योति बिसेन के साथ सोमवार की दोपहर करीब २ बजे खेत में चल रहे कार्य को देखने के लिए गए हुए थे। जहां पर वह अपने खेत में पहुंचे हुए थे तभी जामुन का पेड़ दिखने पर ज्योति बिसेन पेड़ के नीचे जामुन चुन रही थी तो वहीं हरीश बिसेन थोड़ी दूरी पर चले गए थे। इस दौरान अचानक जंगली सूअर ने ज्योति बिसेन के ऊपर हमला कर दिया जहां वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसकी चीख सुनकर उनके पति और आसपास के कार्य कर रहे किसानों के द्वारा जंगली सूअर को भगाने का कार्य किया गया। इसके बाद तत्काल ज्योति बिसेन को सिविल अस्पताल वारासिवनी में लाकर भर्ती किया है जहां पर उनका उपचार जारी है। मामले में अस्पताल तहरीर पुलिस थाना वारासिवनी को भेज दी गई है। जिनके द्वारा मामले में घायल महिला के बयान ले लिए गए हैं वहीं आगे कार्यवाही की जा रही है। विदित हो की रामपायली क्षेत्र के पिपरिया ग्राम के आसपास बड़ी संख्या में जंगली सूअर की उपस्थिति बनी हुई है। जहां पर वह आसानी से लोगों को खेतों में भ्रमण करते हुए नजर आती है जिसके द्वारा लोगों पर हमला किया जाता है। तो वहीं खेतों में फसल को खोदने और खेत में गड्ढा करने का भी कार्य किया जा रहा है जिससे किसानों को काफी नुकसान हो रहा है। पिपरिया के लोगों पर जंगली सूअर का हमला हो रहा है इसके पहले भी कई बार ऐसे हादसे हो चुके हैं। जिनके द्वारा वन विभाग को व्यवस्था बनाने की मांग भी की गई थी। परंतु आज तक कोई व्यवस्था वन विभाग के द्वारा नहीं की गई है जंगली सूअर की दहशत बनी हुई है।

जामुन खा रही थी तभी अचानक जंगली सूअर आई और हमला किया-ज्योति बिसेन

घायल ज्योति बिसेन ने बताया कि मैं अपने पति के साथ खेत में गई हुई थी जहां पर गहानी कार्य चल रहा था। जहां मेरे द्वारा जामुन का पेड़ देखकर जामुन खाने का कार्य किया जा रहा था और बैठी हुई थी तभी अचानक जंगली सूअर आई। जिसने पहली टक्कर मेरे सर पर मारी उसके बाद मेरे पेट पर मारी और मेरे ऊपर लगातार हमला करने लगी। मुझे गंभीर रूप से घायल कर दिया। मुझे सर पेट पैर और कमर के नीचे गंभीर चोटे आई है बहुत ज्यादा जंगली सूअर हो गई है जिनका आतंक बना हुआ है। इसके पहले मेरे जेठ को भी जंगली सूअर ने हमला कर घायल किया था और हमारे यहां लगातार हादसे से हो रहे हैं।

वन विभाग जंगली सूअर को जंगल में ले जाकर छोड़ना चाहियें-हरीश बिसेन

हरीश बिसेन ने बताया कि गांव में बहुत ज्यादा जंगली सूअर हो गई है लगातार वह इधर उधर घूमते रहते हैं । संख्या इतनी ज्यादा हो गई है कि आसानी से देखा जा सकता है। गांव के अंदर तक यह जंगली सूअर आ जाती हैं मेरा खेत गांव से लगा हुआ है जहां पर यह घटना हुई है। दोपहर २ बजे की घटना है हम खेत में पति पत्नी काम देखने जा रहे थे। लोगों में डर लगा हुआ है और यह पहली घटना नहीं है इसके पहले भी कई बार लोग घायल हुए हैं। लगातार यह चलता आ रहा है वन विभाग इधर कोई ध्यान नहीं देता है। यदि किसी दिन किसान के द्वारा जंगली सूअर पर हमला कर दिया गया तो यह सभी फॉरेस्ट वाले जाकर उसे पकड़ लेंगे । किंतु जंगली सूअर हम आदमियों के ऊपर हमला कर रही है प्राण घातक यह हमले होते हैं विभाग को इधर भी गया गंभीरता दिखानी चाहिए।

सेवानिवृत होने पर बाबूलाल मसखरे को दी गई स्नेहिल बिदाई

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। एकीकृत शासकीय माध्यमिक कन्या शाला खैरलांजी में पदस्थ उच्च श्रेणी शिक्षक बाबूलाल मसखरे के द्वारा अपनी अधिवार्षिकी सेवा सफलता पूर्वक पूर्ण कर सेवा निवृत्त हुए जिन्होंने २८/०२/१९८४ से दिनाँक ३१ मई २०२५ तक कुल ४१ वर्ष ०३ माह ०४ दिन शिक्षा विभाग में रहते हुए अपनी सेवाएं प्रदान की। जिन्हें शाला परिवार एवं विकासखण्ड खैरलाँजी तथा तहसील स्तरीय म.प्र. शि.संघ के साथ साथ सेवा निवृत्त साथी और जिला स्तरीय शिक्षक संघ के पदाधिकारियों के द्वारा भावभीनी बिदाई शाला परिसर में दी गई । तथा उनके स्वस्थ समृद्ध एवं दीर्घायु जीवन की मंगल कामना की गई। इस अवसर पर ओ पी नगपुरे, के बी गोस्वामी, अविनाश कापरे, जे एल मुंजारे, पी एल पटले, वाय एल डोहरे, डी आर पूसामे , एस एल भैरम,श्री हाडगे,श्री चित्रीव,श्री चौधरी, श्री नगपुरे बी आर सोनवाने, जी एस मसकरे, संजय मेश्राम, लक्ष्मीकांत उके, दामेन्द्र मंदरेले, लोकचंद पटले, सत्यप्रकाश गेडाम, एम एल कुकवासे, श्रावण उपवंशी, जितेंद्र नगपुरे, जितेंद्र चौरागडे,रश्मि तुरकर, तेजन कृपगये,नीता चौरागडे,भूमेश्वरी पटले अमीता गेडाम, उषा बोरकर सहित अन्य लोग मौजूद रहे। एवं शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा श्री मसखरे की कार्यशैली एवं व्यवहारिक पहलूओं पर प्रकाश डाला गया। सेवा निवृत्त शिक्षक श्री मसखरे ने भी अपने उद्बोधन में अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन दामेन्द्र मंदरेले के द्वारा और कार्यक्रम का अंत शाला के प्रधानपाठक बी एल वरकडे के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

आम आदमी की सवारी है साइकिल

साइकिल मानव ऊर्जा को गतिशीलता में बदलने के लिए अब तक का सबसे कुशल साधन है। साइकिल का व्यापक रूप से परिवहन, मनोरंजन और खेल के लिए उपयोग किया जाता है साइकिलें उन क्षेत्रों में लोगों और सामान को ले जाने के लिए आवश्यक हैं जहां कम वाहन उपलब्ध हैं। साइकिल से वायु प्रदूषण को कम करने के साथ पूरे शरीर का व्यायाम हो जाता है। ऐसे में विश्व साइकिल दिवस का महत्व समाज के सभी लोगों के बीच साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा देना और शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य कल्याण को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर साइकिल सवारी को प्रोत्साहित करना है। 3 जून 2018 को पहला विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। तब से दुनिया में प्रतिवर्ष साइकिल दिवस मनाया जाने लगा है। इस बार हम सातवां विश्व साइकिल दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने परिवहन के सामान्य, सस्ते, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में इसे बढ़ावा देने के लिए विश्व साइकिल दिवस को मनाने की घोषणा की थी। 12 जून 1817 को जर्मनी के मैनहेम में बैरन कार्ल वॉन ड्रैस ने दुनिया की पहली साइकिल पेश की थी। यह लकड़ी से बना था और इसमें पैडल, गियर या जंजीर नहीं थी। उसने खुद को पहले एक पैर से और फिर दूसरे पैर से धकेला। उन्होंने इसे लॉफमाशाइन (जर्मन में चलने वाली मशीन) कहा। अब तो जापान के फुकुओआ शहर में छात्रों ने एक ऐसी साइकिल बनाई है जो हवा से चलती है।

भारत की आर्थिक तरक्की में साइकिल ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। आजादी के बाद से ही साइकिल देश में यातायात व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा रही है। खासतौर पर 1960 से लेकर 1990 तक भारत में ज्यादातर परिवारों के पास साइकिल थी। यह व्यक्तिगत यातायात का सबसे ताकतवर और किफायती साधन था। गांवों में किसान साप्ताहिक मंडियों तक सब्जी और दूसरी फसलों को साइकिल से ही ले जाते थे। दूध की सप्लाई गांवों से पास से कस्बाई बाजारों तक साइकिल के जरिये ही होती थी। डाक विभाग का तो पूरा तंत्र ही साइकिल के बूते चलता था। आज भी पोस्टमैन साइकिल से चिट्ठियां बांटते हैं। चीन के बाद आज भी भारत दुनिया में सबसे ज्यादा साइकिल बनाने वाला देश है। भारत में भी विकसित की जा रही ज्यादातर आधारभूत आधुनिक संरचनाएं मोटर-वाहनों को ही सुविधा प्रदान करने के लिए बन रही हैं। साइकिल जैसे पर्यावरण-हितैषी वाहन को नजर अंदाज किया जा रहा है। जबकि शहरी व ग्रामीण परिवहन में भी साइकिल का महत्वपूर्ण स्थान है। खासतौर से कम आय-वर्ग के लोगों के लिए साइकिल उनके जीविकोपार्जन का एक सस्ता, सुलभ और जरूरी साधन है। यह इसलिए भी कि भारत का कम आय-वर्ग के लोग अपनी कमाई से प्रतिदिन सौ-पचास रुपये परिवहन पर खर्च करने में सक्षम नहीं हैं। बच्चे सबसे पहले साइकिल चलाना ही सीखते है। इसलिये बचपन में हम सभी ने साइकिल चलाई है। पहले के जमाने में जिसके पास साइकिल होती थी वह बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति माना जाता था। गांव के लोग जब कभी शहरों में जाते थे। तब लोगों को साइकिल चलाते हुए देखते थे और फिर वे खुद भी धीरे-धीरे साइकिल चलाना सीख जाते थे। पहले शहरों में किराए पर भी साइकिले मिलती थी। देश की युवा पीढ़ी को अब साइकिल के बजाय मोटरसाइकिल ज्यादा अच्छी लगने लगी है। शहरों में मोटरसाइकिल का शौक बढ़ रहा था। गांवों में भी इस मामले में बदलाव की शुरुआत हो चुकी थी। इसके बावजूद भारत में साइकिल की अहमियत खत्म नहीं हुई है। 1990 के बाद से साइकिलों की बिक्री में बढ़ोतरी आई है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में इसकी बिक्री में गिरावट आई है। दरअसल 1990 से पहले जो भूमिका साइकिल की थी। उसकी जगह गांवों में मोटरसाइकिल ने ले ली है। इसके उपरांत भी साइकिल आज भी हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं। देश में लॉकडाउन के दौरान दूसरे प्रदेशों में कमाने गए लाखों लोग साइकिल पर 1000-1500 किलोमीटर की दूरी तय कर अपने घर पहुंचे थे। संकट के समय साइकिल ही उनके घर पहुंचने का एकमात्र साधन बनी थी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की सप्लाई चेन मैनेजमेंट में परिवर्तनकारी भूमिका

सप्लाई चेन मैनेजमेंट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की परिवर्तनकारी भूमिका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग (ML) आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में क्रांति ला रहे हैं, जिससे कंपनियों के लॉजिस्टिक्स, पूर्वानुमान और ग्राहक सेवा को संभालने के तरीके में बदलाव आया है।

ये तकनीकें निर्णय लेने, जटिल प्रक्रियाओं को स्वचालित करने और संचालन को अनुकूलित करने के लिए विशाल डेटा संसाधनों का लाभ उठाकर दक्षता, चपलता और इनोवेशन के लिए अभूतपूर्व अवसरों को अनलॉक करती हैं। जैसे-जैसे ग्लोबल मोर्केट में तेजी से गतिशील होते जा रहे हैं, AI और ML न केवल संवर्द्धन बल्कि प्रतिस्पर्धी लाभ के लिए आवश्यक टूल्स हैं। डिमांड फोरकॉस्टिंग और इन्वेंट्री अनुकूलन सप्लाई चेन मैनेजमेंट में ढ्ढ के महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों में से एक मांग पूर्वानुमान है।

AI-संचालित मॉडल ऐतिहासिक सेल्स पैटर्न, मौसमी और मौसम और आर्थिक रुझानों जैसे बाहरी फैक्टर्स का विश्लेषण करते हैं ताकि उल्लेखनीय सटीकता के साथ ग्राहक मांग का अनुमान लगाया जा सके। उदाहरण के लिए- वॉलमार्ट इन्वेंट्री मैनेजमेंट को ऑप्टमाइज करने, ओवरस्टॉक या स्टॉकआउट की घटनाओं को कम करने और पुनःपूर्ति चक्रों को ठीक करने के लिए रूरू एल्गोरिदम का उपयोग करता है। इस दृष्टिकोण ने न केवल इन्वेंट्री कॉस्ट में कटौती की है बल्कि प्रोडक्ट की उपलब्धता सुनिश्चित करके ग्राहक संतुष्टि को भी बढ़ाया है।

सप्लाई चेन रिस्क मैनेजमेंट

सप्लाई चेन अक्सर भू-राजनीतिक घटनाओं, मौसम संबंधी विसंगतियों या आपूर्तिकर्ता मुद्दों के कारण होने वाले व्यवधानों के प्रति संवेदनशील होती हैं। ढ्ढ एल्गोरिदम जटिल डेटासेट का विश्लेषण करके और वास्तविक समय अलर्ट प्रदान करके व्यवसायों को इन व्यवधानों का पता लगाने और पूर्वानुमान लगाने में मदद करते हैं।

उदाहरण- आईबीएम की सप्लाई चेन अंतर्दृष्टि जोखिमों की निगरानी और आकलन करने के लिए वॉटसन ढ्ढ का लाभ उठाती है, जो संचालन को प्रभावित करने से पहले संभावित व्यवधानों को कम करने के लिए कार्रवाई योग्य इनसाइट्स प्रदान करती है।

लॉजिस्टिक्स और रूट ऑप्टिमाइज़ेशन

परिचालन कॉस्ट को कम करने और ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए कुशल परिवहन और डिलीवरी रूट महत्वपूर्ण हैं। रूरू एल्गोरिदम ट्रैफ़िक, मौसम, ईंधन की कीमतों और डिलीवरी शेड्यूल जैसे फैक्टर्स का विश्लेषण करके ऑप्टिमल रूट सुझाते हैं।

उदाहरण-डीएचएल डायनामिक रूट ऑप्टिमाइज़ेशन, ईंधन की खपत को कम करने और डिलीवरी की गति में सुधार के लिए ढ्ढ-संचालित सिस्टम का उपयोग करता है। ये प्रगति पर्यावरणीय स्थिरता और परिचालन दक्षता दोनों को बढ़ाती है।

आपूर्तिकर्ता संबंध प्रबंधन

आपूर्तिकर्ताओं के साथ मजबूत संबंध बनाए रखना एक निर्बाध आपूर्ति श्रृंखला की कुंजी है। ढ्ढ उपकरण डिलीवरी समयबद्धता, मटेरियल क्वालिटी और अनुबंध शर्तों के पालन जैसे मेट्रिक्स का मूल्यांकन करके आपूर्तिकर्ता के प्रदर्शन का आकलन करते हैं।

उदाहरण- यूनिलीवर आपूर्तिकर्ता के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने और सोर्सिंग निर्णयों में सुधार करने के लिए एमएल का उपयोग करता है, जिससे लागत-प्रभावी दरों पर उच्च-गुणवत्ता वाले मटेरियल सुनिश्चित होते हैं।

वेयरहाउस ऑटोमेशन

AI और रोबोटिक्स पिकिंग, पैकिंग और सॉर्टिंग जैसे कार्यों को स्वचालित करके वेयरहाउस संचालन को बदल रहे हैं। ये प्रगति श्रम लागत को कम करती है, सटीकता में सुधार करती है और ऑर्डर पूर्ति को गति देती है।

उदाहरण- Amazon (अमेजन) अपने वेयरहाउसेस में इन्वेंट्री हैंडलिंग को सुव्यवस्थित करने और ऑर्डर प्रोसेसिंग में दक्षता बढ़ाने के लिए AI-संचालित रोबोट को एकीकृत करता है।

क्वालिटी कंट्रोल

ML मॉडल प्रोडक्शनंस को शिप किए जाने से पहले संभावित दोषों की पहचान करने के लिए उत्पादन डेटा का विश्लेषण करते हैं, जिससे उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित होती है और कचरा कम होता है।

उदाहरण- सीमेंस अपनी मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रियाओं में दोषों का शीघ्र पता लगाने, व्यवधानों को कम करने और उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए AI का उपयोग करता है।

पूर्वानुमानित रखरखाव

AI सिस्टम मशीनरी की निगरानी करते हैं और रखरखाव की ज़रूरतों का पूर्वानुमान लगाते हैं, जिससे कंपनियों को अनियोजित डाउनटाइम और महंगी मरम्मत से बचने में मदद मिलती है।

उदाहरण- कैटरपिलर उपकरण विफलताओं का पूर्वानुमान लगाने, निरंतर संचालन सुनिश्चित करने और प्रोडक्टिविटी में सुधार करने के लिए AI का लाभ उठाता है।

कस्टमर सर्विस में वृद्धि

AI-संचालित चैटबॉट और वैयक्तिकृत अनुशंसा प्रणाली तत्काल सहायता और उसके अनुसार प्रोडकशन का सुझाव प्रदान करके ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाती हैं।

उदाहरण- ज़ारा वास्तविक समय में इन्वेंट्री अपडेट देने और ग्राहकों की प्राथमिकताओं के आधार पर प्रोडक्ट्स की अनुशंसा करने के लिए AI का उपयोग करता है, जिससे खरीदारी का अनुभव बेहतर होता है।

रियल-वर्ल्ड के व्यावसायिक उपयोग के मामले

1. टेस्ला- सुचारू इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन को बनाए रखने के लिए इन्वेंट्री मैनेजमेंट, पूर्वानुमानित रखरखाव और मांग पूर्वानुमान के लिए AI पर निर्भर करता है।

2. फेडेक्स- AIटूल्स फेडेक्स को डिलीवरी के समय का पूर्वानुमान लगाने, मार्गों को अनुकूलित करने और पैकेज डिलीवरी के लिए पूर्वानुमान सटीकता में सुधार करने में मदद करते हैं।

3. प्रॉक्टर एंड गैंबल (P&G)- प्रोडक्शन प्लानिंग को सुव्यवस्थित करने, इन्वेंट्री मैनेजमेंट को बढ़ाने और आपूर्ति को बाजार की मांग के साथ संरेखित करने के लिए रूरू का उपयोग करता है।

4. अलीबाबा- कंपनी की स्मार्ट लॉजिस्टिक्स प्रणाली वेयरहाउस ऑपरेशन को अनुकूलित करने, डिलीवरी के समय की भविष्यवाणी करने और सप्लाई चेन पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए AI का लाभ उठाती है।

5. नाइकी- मांग पूर्वानुमान और इन्वेंट्री मैनेजमेंट के लिए AI को एकीकृत करता है, जिससे ग्राहक की प्राथमिकताओं के लिए त्वरित अनुकूलन संभव होता है और साथ ही अपशिष्ट को कम किया जा सकता है।

सप्लाई चेन मैनेजमेंट में ढ्ढ और रूरू के लाभ

1. लागत में कमी- मार्गों, इन्वेंट्री स्तरों और संसाधन आवंटन को अनुकूलित करने से परिचालन लागत में उल्लेखनीय कमी आती है।

2. बढ़ी हुई दक्षता- ऑर्डर पिकिंग, मांग नियोजन और शिपमेंट ट्रैकिंग जैसे दोहराए जाने वाले कार्यों को स्वचालित करने से उत्पादकता बढ़ती है।

3. बढ़ी हुई दृश्यता- वास्तविक समय के डेटा और पूर्वानुमानित अंतर्दृष्टि व्यापक आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शिता प्रदान करती है।

4. ग्राहक संतुष्टि- तेज़ डिलीवरी और व्यक्तिगत अनुभव ग्राहक वफ़ादारी में सुधार करते हैं।

5. लचीलापन- AI-संचालित अनुकूलनशीलता व्यवसायों को आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों और उतार-चढ़ाव वाली मांग का तेज़ी से जवाब देने में सक्षम बनाती है।

चुनौतियाँ और विचार

1. डेटा गुणवत्ता और एकीकरण- ढ्ढ-संचालित अंतर्दृष्टि के लिए सटीक डेटा महत्वपूर्ण है, जिसके लिए मज़बूत डेटा संग्रह और एकीकरण प्रक्रियाओं की आवश्यकता होती है।

2. प्रारंभिक निवेश- AI और ML समाधानों को लागू करने के लिए अक्सर प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढाँचे में महत्वपूर्ण अग्रिम निवेश की आवश्यकता होती है।

3. कौशल अंतराल- AI और ML सिस्टम को विकसित करने, प्रबंधित करने और व्याख्या करने के लिए कुशल पेशेवरों की बढ़ती आवश्यकता है।

सप्लाई चेन मैनेजमेंट में AI और रूरू का एकीकरण अधिक स्मार्ट, अधिक उत्तरदायी और अधिक कुशल संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। जबकि चुनौतियाँ बनी हुई हैं, संभावित लाभ बाधाओं से कहीं अधिक हैं। जैसे-जैसे तकनीक आगे बढ़ती जा रही है, AI-संचालित आपूर्ति श्रृंखला रणनीतियों को अपनाने वाले व्यवसाय तेजी से जटिल और प्रतिस्पर्धी बाजार में पनपने के लिए बेहतर स्थिति में होंगे।

- प्रो. मनोज कुमार तिवारी

कोरोना की फिर बढ़ी रफ्तार, हो जाएं होशियार

कोरोना की रफ्तार फिर पहले सरीखे गति पकड़ रही है। देश-दुनिया में चिंता है। भारत में हर दिन नई-नई आती सूचनाएं डरा रही हैं। उंगलियों पर गिने जाने वाले आंकड़े हफ्ते भर में ही हजारों में पहुंच गए। मरने वालों की संख्या में भी हो रही वृध्दि अलग डराती है। कहां 19 मई तक आधिकारिक तौर पर 257 मामले थे। इस रविवार सुबह तक यह आंकड़े 3395 पार गए हैं। मरने वालों की संख्या भी हर रोज बढ़ रही है। सबसे ज्यादा केरल में 1336 सक्रिय मामले हैं। वहीं इससे होने वाली मौतों की शुरुआत भी हो चुकी है जो अभी बहुत ही कम है। लेकिन एक दिन में 685 मामले दर्ज होना, बड़ा इशारा है। महाराष्ट्र में 467 दिल्ली में 375 गुजरात में 265, कर्नाटक में 234, पश्चिम बंगाल में 205, तमिलनाडु में 185 मामले आए हैं। हांगकांग और सिंगापुर में यह बहुत तेजी से फैलते कोरोना ने भारत में जिस तरह पैर पसारा वो चिंतनीय है। इसके नए वैरिएंट जेएन-1 का प्रकोप जारी है जो पहली बार अगस्त 2023 में मिला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे दिसंबर 2023 में ही 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर साफ किया था कि यह ओमीक्रॉन बी.ए.2.86 का वंशज है। इसमें 30 के लगभग म्यूटेशन पाए गए जिनमें एल.एफ.7 और एन.बी.1.8 की संख्या ज्यादा थी। कोरोना की यह नई लहर साउथ-ईस्ट एशिया में कुछ ज्यादा ही असर दिखा रही है। सिंगापुर, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में कोविड के मामले बहुत ही तेजी से बढ़ने के बाद अब भारत में रफ्तार पकड़ रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसका कारण लोगों के शरीर में एंटीबॉडी का कम हो जाना भी है। भारत में भी ऐसी संभावनाओं से इंकार नहीं है।

इतना तो लगने लगा है कि सप्ताह भर में ही बढ़े संक्रमण के मामलों में जो उछाल आया है वो चिंताजनक है। चीन से भी छन-छन कर जो निकल रहा है उससे इतना तो पता चल गया कि वहां भी बीते एक महीने में कोरोना के मामलों में काफी तेजी आई है। लेकिन दुनिया को कोरोना देकर भी छुपाने और तबाही की कगार पर पहुंचाने के बाद चीन से जितने सच सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा।

इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वो ज्यादा हैं जो या तो कोमर्बिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियाँ होती हैं जिसके कई कारण हो सकते हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोर्बिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं। लेकिन प्रभावित हर आयु वर्ग के लोग हो रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वालों बुजुर्गों, कोमोर्बिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है।

केरल के बाद महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में भी कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ना चिंताजनक है। उधर अब हॉन्गकॉन्ग के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ का वो बयान सामने है जिसमें उन्होंने माना कि कोरोना वायरस के मामले वहां तेजी से बढ़ रहे हैं। सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने की संख्या अभी साल के महज पाँचवें महीने में ही उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। जबकि चीन में श्वांस संबंधी बीमारियों की जांच करवाने वाले मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दो गुने होना चिंताजनक है। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। साथ ही चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर जल्द ही तेज भी हो सकती है। चीन, थाईलैंड और हांगकांग में वहां की सरकारें अलर्ट पर हैं।

साउथ-ईस्ट एशिया के हालात देखते हुए भारत भी सतर्क है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक यानी डीजीएचएस ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण, आपदा प्रबंधन सेल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञों के साथ बैठकें कर चुके हैं। देश की बड़ी आबादी के दृष्टिगत बढ़ती संख्या कहीं न कहीं चिंता बढ़ाने वाली है। अस्पतालों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों और श्वसन संक्रमण के गंभीर मामलों की निगरानी करने के लिए कहा गया है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से निगरानी रख सतर्क और सक्रिय होकर सुनिश्चित कर रहा है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए जाएं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरीके से तैयार है। स्वास्थ्य मंत्रालय पूरी तरीके से सतर्कता के साथ हर परिस्थिति पर नजर रख रहा है। हां, देश भर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि सतर्क रहें, सतर्क करें। ऑक्सीजन और वैक्सीन के इंतजाम पर्याप्त रखे जाएं। ईश्वर करे कि वो स्थिति न आए जिसे हमने देखा, भोगा है। लेकिन पुराने कड़ने अनुभव, काली यादें और कोरोना के कुछ साल का दौर कितना भयावह था, याद कर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। याद कीजिए कैसे उंगलियों पर गिनने लायक कोरोना के मामले पहले दर्जन से सैकड़ा, फिर हजार और उसके बाद लाखों में पहुंचे। अच्छा हो इस बार इससे शुरू में ही निपट लिया जाए जिसका तरीका हमें अब पता है। यकीनन एक बार फिर वो दौर आ गया है जब 2019-20 जैसे अहतियात और मास्क की जरूरत आन पड़ी है। अच्छा हो कि अभी से सचेत हो जाएं। इस बार ज्यादा चिंता की जरूरत वैसी नहीं है जैसी पिछले बार थी। चूंकि हमने कोरोना से बचना, लड़ना और निपटना सीख लिया है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि हम लापरवाह हो जाएं। इस बार भी इस वायरस को चुनौती देने के लिए फिर पुरानी और एक तरह से अब परंपरागत कही गतिविधियों यानी मास्क, दो गज की दूरी, हाथ धोने जैसे तरीकों को अपनाना होगा। इस सच्चाई को मानकर चलना होगा कि अब हमें अगले कुछ वर्षों तक कोरोना के साथ ही जीना होगा इसलिए इससे निपटना भी उनता ही जरूरी होगा। बस तो जरूरत है कि सतर्क रहें। जरा से संदेह पर चिकित्सकीय परामर्श में कोताही न करें और फिर पनप रहे कोरोना के बहुरूपिया वायरस को चुनौती दें।

- ऋतुपर्ण दवे

ग्लोबल साउथ का लीडर बनने की फिराक में चीन -संयुक्त राष्ट्र व अमेरिका को चुनौती देने के मूड में चीन

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के हर देश का हर बड़े से छोटा संगठन, पार्टी, मंच, समिति,मंडल,फाउंडेशन सहित संसद से लेकर पंचायत समिति तक व छोटे से लेकर बड़ी सामाजिक राजनीतिक धार्मिक कमेटी से लेकर व एकल व्यक्ति से लेकर समूह में शामिल हर व्यक्ति, अपने ग्रुप का लीडर या मुखिया बनना चाहता है, उसकी चाहना होती है कि मैं अपनें ग्रुप का नेतृत्व करूँ! यह मैं का भाव बहुत विघटनकारी होता है, जो असल में मजबूर हो जाता है,वह तिकड़मबाजी कर किसी न किसी रूप में अपने को मुखिया बनाने की कोशिश करता रहता है। बड़े बुजुर्गों का कहना बिल्कुल सटीक है कि गुलाब की खुशबू छुपाए नहीं छुपती,यानें जिसमें ज्ञान क्षमता व काबिलियत है वह निखरती हुई अपने आप पंख लगाकर उस व्यक्ति को सामने लाती है, जैसे हमने देखा है कि कई राज्यों में ऐसे व्यक्तियों को मुख्यमंत्री बनाया गया है जिनका दूर-दूर तक कोई नाम नहीं था। आज हम इस नेतृत्व विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 30 मई 2025 को देर शाम पूरे अर्धरात्रि तक मीडिया जगत में चर्चा छाई रहीकि चीन ने एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता संगठन बनाया है जिसमें करीब 85 देश व 20 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों सहित 400 प्रतिनिधि शामिल हुए, जिसके चार्ट में 33 देशों ने एट द टाइम साइन भी किया, जिसमें बेलारूस पाकिस्तान व इंडोनेशिया सहित अनेक देश शामिल हैं।चूँकि चीन लंबे समय से ग्लोबल साउथ का लीडर बनकर संयुक्त राष्ट्र व अमेरिका को चुनौती देने के मूड में है, वअंतर्राष्ट्रीय विवाद सुलझाने के लिए यूएन,अमेरिका व अंतरराष्ट्रीय कोर्ट के समकक्ष्ट बनने की चाहना रखता है, हालांकि वह खुद सीमा विवाद में भारत फिलिपींस वियतनाम सहित अनेक देशों से उलझा हुआ है,व सुलझा नहीं पा रहा है और इधर चला मुरारी हीरो बनने! इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वैश्विक जगत का मुखिया बनने की चीन की चाहत, अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता संगठन की स्थापना, 85 देश के साथ 20 अंतरराष्ट्रीय संगठनों सहित 400 प्रतिनिधि शामिल।

साथियों बात अगर हम चीन द्वारा अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता संगठन के स्थापना को समझने की करेंतो,चीन ग्लोबल साउथ का लीडर बनने की चाह रखता है। लिहाजा उसने खुद इस नये संगठन को बनाया है। ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।चीनी विदेश मंत्री ने एक समारोह में कहा कि चीन लंबे समय से आपसी समझ की भावना से मतभेदों को निपटाने और बातचीत के माध्यम से आम सहमति बनाने की वकालत करता रहा है, साथ ही उसका लक्ष्य राष्ट्रों के बीच संघर्षों को सुलझाने के लिएचीनी प्रज्ञता प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि हांगकांग में मुख्यालय वाले इस निकाय का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान को बढ़ावा देना तथा अधिक सामंजस्यपूर्ण वैश्विक संबंध बनाना है। चीन ने 30 से ज्यादा देशों के साथ मिलकर नया वैश्विक मध्यस्थता समूह बनाया है। इस समूह में पाकिस्तान, इंडोनेशिया, बेलारूस और क्यूबा समेत कई देश शामिल हुए हैं। माना जा रहा है कि चीन ने संयुक्त राष्ट्र को सीधी टक्कर देने के लिए यह वैश्विक मंच बनाया है। चीनी विदेश मंत्रालय के मुताबिक हांगकांग में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता संगठन (आईओएमईडी) की स्थापना पर एक सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के 85 देशों के साथ लगभग 20 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के लगभग 400 उच्च-स्तरीय प्रतिनिधियों ने शिरकत की।

साथियों बात अगर हम चीनद्वारा संयुक्त राष्ट्र अमेरिका को चुनौती देकर मुखिया बनने की चाहत की करें तो.. दुनियाँ की अलग-अलग विचारधारा में चल रही जंग के बीच संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को लेकर गहराई से कुछ ठोस सवाल उठ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के कई मोर्चे असफल रहे हैं और विशेषज्ञ लंबे समय से अपने स्नातक और कार्यशैली में बदलाव की मांग भी कर रहे हैं। इस बीच चीन ने संयुक्त राष्ट्र को अप्रत्यक्ष चुनौती देते

हुए एक नया मंच तैयार किया है। हाल ही में चीन ने दुनियाँ के कई बड़े देशों के साथ मिलकर नया ग्लोबल वॉल ग्रुप बनाया है।बीजिंग ने इस संगठन को मध्यस्थता के माध्यम से विवादों को सुलझाने वाला दुनियाँ का पहला अंतर-सरकारी कानूनी संगठन बताया है, और कहा है कि यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों की सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण तंत्र होगा। इसने हांगकांग को एशिया में एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी और विवाद समाधान सेवा केंद्र के रूप में भी स्थापित किया। हांगकांग के नेता ने कहा कि संगठन इस साल के अंत तक अपना काम शुरू कर सकता है। समारोह में संयुक्त राष्ट्र सहित लगभग 85 अन्य देशों और लगभग 20 संगठ नों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।अमेरिका को टक्कर देने के इरादे से चीन ने एक नया संगठन बनाया है। चीन की इस कवायद में शुक्रवार को 30 से अधिक देश ऑन द स्पॉट शामिल हुए। चीन के विदेश मंत्री के बाद, पाक और इंडोनेशिया से लेकर बेलारूस और क्यूबा तक के 30 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने हांगकांग में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता संगठन की स्थापना संधि पर हस्ताक्षर किए, जिससे वे इस वैश्विक संगठन के संस्थापक सदस्य बन गए। विकासशील देशों का यह समर्थन उस वक्त 'ग्लोबल साउथ' में चीन के बढ़ते प्रभाव का संकेत देता है, जब भू-राजनीतिक तनाव अपने चरम परहैं और इनमें आंशिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापार शुल्कने भी अहम भूमिका निभाईहै।अमेरिका को टक्कर देने के इरादे से चीन ने एक नया संगठन बनाया है। विकासशील देशों का यह समर्थन उस वक्त 'ग्लोबल साउथ' में चीन के बढ़ते प्रभाव का संकेत देता है, जब भू-राजनीतिक तनाव अपने चरम पर हैं — और इनमें आंशिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापार शुल्क ने भी सबसे अहम भूमिका निभाई है।

साथियों बात अगर हम चीन के दाँव व उसे काउंटर करने की करें तो, बीजिंग ने इस संगठन को मध्यस्थता के माध्यम से विवादों को सुलझाने वाला दुनियाँ का पहला अंतर-सरकारी कानूनी संगठन बताया है और कहा है कि यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों की सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण तंत्र होगा। इसने हांगकांग को एशिया में एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी और विवाद समाधान सेवा केंद्र के रूप में भी स्थापित किया। हांगकांग के नेता ने कहा कि संगठन इस साल के अंत तक अपना काम शुरू कर सकता है। समारोह में संयुक्त राष्ट्र सहित लगभग 50 अन्य देशों और लगभग 20 संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।इस दौरान चीन के विदेश मंत्री ने कहा कि चीन लंबे समय से सैद्धांतिक समझ की भावनाओं से विश्वासों को जोड़ने और बातचीत के माध्यम से आम सहमति बनाने की मंशा रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन के लक्ष्य राष्ट्रों के बीच संघर्षों को रोकने के लिए चीनी प्रजाता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा है कि इस निकाय का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों के साथ पूर्ण समाधान को बढ़ावा देना और अधिक मात्रा में वैश्विक संबंध बनाना है।बीजिंग ने इस संगठन को और नामांकितों के माध्यम से संगीत वाला दुनियाँ का पहला अंतर-सरकारी कानूनी संगठन बताया है जिसमें कहा गया है कि यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों की सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण तंत्र होगा। वहीं हांगकांग के नेता ने कहा है कि ऑर्गनाइजेशन इस साल के अंत तक अपना काम शुरू कर सकता है। चीन के इस नए संगठन और दुनिया के झगड़ों में मध्यस्थता की उसकी चाहत में सबसे बड़ा रोड़ा उसके अपने फसाद हैं. भारत ही नहीं फिलिपींस, वियतनाम समेत कई पड़ोसियों के साथ उसके सीमा विवाद हैं, इतना ही नहीं रूस और यूक्रेन के युद्ध में चीन की मध्यस्थता के प्रस्ताव को कोई तवज्जो नहीं मिली थी. साथ ही विवादों को सुलझाने का इतिहास बताता है कि जब मामला चीन का हो तो बीजिंग में बैठी सत्ता अदालत से ही मुंह मोड़ लेती है. फिलिपींस के साथ दक्षिण चीन सागर में हदों के मुद्दे पर चीन ने अंतरराष्ट्रीय कोर्ट के फैसले को मानने से इनकार कर दिया जो फिलिपींस के हक में आया था।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि... वैश्विक जगत का मुखिया बनने की चीन की चाहत-अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता संगठन की स्थापना-50 देशों के साथ 20 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से 400 प्रतिनिधि शामिल ग्लोबल साउथ का लीडर बनने की फिराक में चीन-संयुक्त राष्ट्र व अमेरिका को चुनौती देने के मूड में चीन,चीन अंतरराष्ट्रीय विवादों को सुलझाने के बजाय पहले भारत फिलिपींस वियतनाम सहित अनेको पड़ोसियों से सीमा विवाद सुलझाए तो बेहतर होगा।

- संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)
- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। माँग के अभाव में सोमवार को अनाज मंडी में चना व मसूर बाजार टूट गये। अन्य दलहनों में भी गिरावट रही। खाद्य तेलों में कारोबार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन नरमी पर रही। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य देखा गया। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने व मसूर में लेवाली के अभाव में बाजार घटाकर बोले गये। आज के कारोबार में चने व मसूर में बाजार 50-150 रू. क्विंटल तक टूट गये। मूंग व उड़द में भी मंदी रही। खाद्य तेलों में कारोबार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार नरमी पर रहे। उधर, किराना बाजार में कामकाज सामान्य ही रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना - शक्कर 4120-4180, खोपरा गोला 245-280, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 180-220, सांगली 250-270, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 95-120, बेस्ट 280-315, एस्ट्रा बेस्ट 320-350, सौंफ बारि?क 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1450-1825, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500-2550, (160) 2800-2850, (200) 3100-3150, (250) 3200-3250

तेल- सींगदाना 1350-1370, मुम्बई 1390, राजकोट तेलिया 2170, सोया साल्वेंट 1140-1150, सोया रिफाइंड 1205-1210, कपास्या 1235, धूलिया 1240, कड़ी 1240,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1325, मुम्बई पाम 1190, मुम्बई सोया 1250,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2200, देवास-उज्जैन 2200, खंडवा-बुरहानपुर 2175, अकोला 2990 (प्रति क्विटल)

तिलहन- सरसो 6400-6500, रायडा 5600, सोयाबीन 4150, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5000-5100, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 6700-6800, पाला 6800-6900, चमकी 7000-7100, नायलोन 7100-7200, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6900-7000, उड़द बेस्ट 7500-7600, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। सोयाबीन के विदेशी बाजारों की अगुवाई में स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 98200, चाँदी (99) 98100, टंच 97500, सिक्का 1100, सोना 10 ग्राम 97500,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.40 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी मुद्रा के कमजोर होने से रुपया को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे मजबूत होकर 85.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की आगामी मौद्रिक नीति में प्रमुख ब्याज दर में और कटौती की उम्मीदों से भी घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि अस्थिर शेयर बाजार, विदेशी पूंजी की निकासी तथा वैश्विक व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से भारतीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.55 प्रति डॉलर पर खुला।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आप संतान को किसी काम के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे उन्हें अपने करियर में अच्छा मुकाम हासिल होगा। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। परिवार में किसी सदस्य की ओर से कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है। आप अपने व्यवसाय की योजनाओं को लेकर उसमें अच्छा खासा धन लगाएंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सुख-समृद्धि बढ़ाने वाला रहेगा। भौतिक साधनों में वृद्धि होगी। शौक और मौज की चीजों की खरीदारी करेंगे। जीवनसाथी से यदि रिश्तों में खटास चल रही थी, तो वह भी दूर होगी, लेकिन आपको परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में गिरावट आने से भागदौड़ अधिक रहेगी। आपका काफी काम एक साथ हाथ लग सकते हैं। कोई पुराना मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है। संतान के मनमाने व्यवहार के कारण आपको टेंशन बनी रहेगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको गलत तरीके से धन कमाने से बचना होगा। आप अपने घर के कामों को किसी दूसरे पर ना डालें। प्रॉपर्टी को लेकर भाई बहनों में खटपट हो सकती है, लेकिन आप अपनी वाणी की सभ्यता बनाए रखें। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो उसके आपको मिलने की संभावना है। आप अपनी एक्स्ट्रा एनर्जी को इधर-उधर के कामों में ना लगाएं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है। कारोबार में आपकी अच्छी छाप रहेगी। धर्म-कर्म के कार्य में आपका काफी रुचि रहेगी। भाई व बहन आपके कामों में पूरा साथ देंगे। विद्यार्थियों को यदि पढ़ाई-लिखाई में कुछ समस्याएं आ रही थी, तो वह भी दूर होंगी। आपको कुछ अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखने की आवश्यकता है। आप शीध्रता व भावुकता में कोई निर्णय न लें। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी।

सिंह- आज आपके ऊपर काम का दवाब अधिक रहने से आपके स्वभाव में चिड़चिड़ापन बना रहेगा, जिससे परिवार के सदस्य भी आपसे नाराज रहेंगे। धन को लेकर आपको योजना बनाकर चलने की आवश्यकता है, क्योंकि आपके खर्चे आपकी आर्थिक स्थिति को कमजोर बना सकते हैं। आप दिखावे के चक्कर में ना आएं। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण किसी से कोई वादा करेंगे, जिसे आपको पूरा करने में समस्या आएगी। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप अपने कामों को लेकर काफी मेहनत करेंगे, तभी आपके काम आसानी से पूरे होंगे। आप माताजी को लेकर किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आपकी जीवनसाथी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। आप अपने मन में किसी के प्रति ईर्ष्या की भावना ना रखें।

तुला- आज आपको यदि कोई टेंशन चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपकी सेहत में भी पहले से सुधार आएगा। आप मौज-मस्ती भरे पलों का आनंद लेंगे। संतान को आप किसी नए कोर्स में दाखिला दिलवा सकते हैं। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से कोई सरप्राइज गिफ्ट लेकर आएंगे, लेकिन आपके कुछ प्रतिद्वंदी आपके कामों को बिगाड़ने की कोशिश करेंगे। आप अपने चतुर बुद्धि का प्रयोग करके उन्हें आसानी से मात दे सकेंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। आप किसी नए काम को लेकर योजना बना सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। आपको किसी कानूनी मामले में अच्छा खासा धन खर्च करने के बाद ही सफलता हासिल होती दिख रही है। आपको किसी बचत की योजना में धन लगाने के बारे में सोच विचार करना होगा। संतान के करियर को लेकर आपको थोड़ा टेंशन रहेगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने साथी की भावनाओं का सम्मान करना होगा। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर कोई झूठा आरोप लगा सकता है। आपको कोई पुराना डूबा हुआ धन आपको मिलने की संभावना है। आपका कोई काम समय से पूरा होने में समस्या आएगी।

मकर- आज आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहने वाला है। परिवार में छोटे बच्चों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपके परिवार में किसी सदस्य को रिटायरमेंट मिलने से किसी सरप्राइज पार्टी का आयोजन हो सकता है। आप अपने बिजनेस की योजना को लेकर किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशवरा करेंगे। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई अप्रिय समाचार सुनने को मिल सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको अपने व्यावसायिक मामलों पर पूरा ध्यान देना होगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। अध्यात्म के कार्यों के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी। आप किसी यात्रा पर जाएं, तो उसमें वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करें। आपका डूबा हुआ धन आपको मिलने की संभावना है। संतान की फरमाइश पर आप कोई नई चीज अपने घर लेकर आ सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपके गुप्त शत्रु आपके कामों को बिगाड़ने की कोशिश में लगे रहेंगे। किसी कानूनी मामले में आपको अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ेगा, जिसके लिए आपको ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से धन उधार लेना पड़ सकता है। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके मिलने में भी समस्या आएगी।

शब्दजाल - 7918

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'मान' लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्र	अ	मे	रि	का	स	मा	न	न	प	क
न	का	क	वि	इं	डो	ने	ग	ति	मा	न
अ	दा	श	ल	मा	ग	स	द	ह	प	का
जी	ग	ल	मा	ब	न	स	पा	ह	लि	ल
त	अ	अ	सौ	न	जा	मे	ह	मा	न	दे
अ	भि	नु	मो	व	प	वा	स्ता	ह	यु	बां
ग	मा	ल	मा	व	प	ला	य	मा	न	ग
र	न	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	या	बा	तें	व	न	ई	मा	न	जू	दे
र	प्र	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	अ	प	श
बां	स	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	क	र

अनुमान, प्रकाशमान, ईमान, मेहमान, प्रतिमान, विमान, पलायमान, समान, गतिमान, अभिमान

शब्दजाल - 7917 का हल

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	व
रा	वि	ली	प्रे	व	जी	स	द	ज	कां	ड़
चु	म	ल	बा	दी	छ	स	आ	ब	ख	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	ध	ल	श	क
डि	आ	ति	ल	ल	चा	न	क्रो	धी	झ	च
या	ल	द	र	रा	झ	ली	ती	ण	घ	र
द	ब	र्निं	ग	ट्रे	न	बै	स	बा	व	स
क	एं	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क
रा	म	ब	ल	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	त	ऐ	म	प	द
क	ड	ल	प	या	क	र्त	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6862

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम?-२

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका?-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 6861

बा	बु	ल	■	आ	का	श	■	यु	द्ध
रि	■	गा	य	ब	■	मीं	■	गां	■
श	गु	न	■	रू	दा	ली	■	ध	र्म
■	स	■	फू	■	ग	■	डो	र	■
गु	■	दि	ल	से	■	मि	ली	■	भा
म	शा	ल	■	ह	म	■	■	जं	ग
श	■	ज	य	श	ज	■	माँ	■	म
ह	म	ला	■	■	बू	म	■	र	भा
■	ह	■	स	फ	र	■	दे	■	ग
य	ल	गा	र	■	■	बे	व	फा	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.05 बजे से
चंद्र	सिंह में	कर्क	08.19 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.35 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.47 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.58 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	17.12 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.28 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.33 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.20 बजे से
राहुकाल		मीन	00.53 बजे से
3.00 से 4.30		मेष	02.23 बजे से
बजे तक		वृष	04.03 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 154 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 21.57 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 00.59 बजे रात्र को समाप्त। **योग** हर्षण 08.08 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 09.11 बजे तदनन्तर बव 21.57 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 06.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 19' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872364 **जूलियन दिन** 2460829.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 06 **विशेष** मासिक दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: धर्म का अर्थ

एक बार किसी ने भगवान श्रीकृष्ण से पूछा, 'युधिष्ठिर तो आपके ही बताए हुए रास्ते पर चलते हैं फिर आप उन्हें धर्मराज क्यों कहते है? धर्मराज कहलाने लायक उनमें ऐसी कोई खूबी तो दिखती नहीं।' श्रीकृष्ण ने कहा, 'युधिष्ठिर अपना काम दो तरह से करते हैं। एक प्रत्यक्ष रूप से और दूसरा अप्रत्यक्ष रूप से। प्रत्यक्ष रूप से वह जो काम करते हैं, उसे हम आप देखते हैं। आप कह सकते हैं कि मेरे बताए रास्ते पर चलने वाला कर्म प्रत्यक्ष है। लेकिन कुछ काम वह अप्रत्यक्ष रूप से अपने मन से भी करते हैं। उनके अप्रत्यक्ष कार्यों के कारण ही उन्हें धर्मराज का पद मिला हुआ है।' उस व्यक्ति ने कहा, 'मैं कुछ समझा नहीं प्रभु।' श्रीकृष्ण ने बताया, 'महाभारत का युद्ध हो रहा था। चारों तरफ त्राहि-त्राहि मची हुई थी। युद्ध के बाद जब सभी योद्धा अपने-अपने शिविरों में आराम करने चले जाते थे, युधिष्ठिर सायंकाल वेश बदल कर एक सेवक के रूप में चुपचाप रणभूमि में चले जाते थे। उनके भाई इस रहस्य का पता करने के लिए एक दिन उनके पीछे-पीछे चले गए। वहां जाने पर पांडव पुत्रों ने देखा कि उनके बड़े भाई घायलों की मरहमपट्टी कर रहे हैं। यह देख कर भाइयों को आश्चर्य हुआ और दुख भी। सहदेव ने पूछा कि वह चोरी-चोरी अपना वेश बदल कर ऐसा तुच्छ काम क्यों करते हैं। इस पर युधिष्ठिर ने कहा कि वेश मैं इसलिए बदलता हूं कि घायलों में कई कौरव पक्ष के भी हैं। यदि मैं प्रकट रूप से जाता तो संकोच में वे अपना कष्ट हमें नहीं बताते। इस प्रकार मैं सच्ची सेवा के अधिकार से वंचित रह जाता। सेवा ही असली धर्म है सहदेव।' यह कथा सुनाकर कृष्ण बोले, 'ऐसा काम युधिष्ठिर के सिवाय दूसरा कोई नहीं कर सकता था। इस घटना को सुनने के बाद से ही मैं उन्हें धर्मराज कहने लगा। धर्म और परमार्थ अन्योन्याश्रित है। उनका यह काम सभी धर्मों से ऊपर है।'

सूडोकु नवताल- 7171

मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7				4	
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7170 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 8386

बाएँ से दाएँ

1. आस्तिक, अनुगामी, पूजक-2
2. रख-रखाव-2,3
6. देह, बदन-2
7. कारण-3
8. तपस्या-2
9. बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11. पति की बहन-3
12. प्रतिज्ञा, वचन-3
14. पिता, डैडी-2
16. मन मोहने वाला-5
18. आनंदित-2
19. लवण, खार-3
21. बख्तरबंद, आवरण-3
23. पासों से भविष्य जानना-3
25. आमिर व काजोल की फिल्म-2
27. मुलायम, कोमल-3
28. उस समय-2
29. भ्रमण, घूमना-3,
30. कोलाहल-2

ऊपर से नीचे

1. खतरनाक-4
2. सनम, बालम-3
3. रहने का तरीका-3,3
4. चावल-2
5. बिजली का कौंधना-5
6. कौवा, काग-2
10. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13. मन को भाने वाला-5
15. सहयात्री-5
17. कटि-3
20. निम्न, न्यूनतम-4
22. उत्कर्ष-3
24. अधर, होठ-2
26. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8385 का हल

■	क	वि	ता	■	क	या	स	■
भ	ला	■	क	■	री	■	ही	न
र	■	म	त	ल	ब	■	■	ह
म	द	द	■	क्ष	■	फि	तू	र
■	■	भ	क्त	■	शी	त	■	■
से	हा	रा	■	यं	■	र	ज	त
ह	■	■	ज	हा	ल	त	■	मी
त	ल	■	मा	■	की	■	आ	ज
■	ब	हा	व	■	र	वा	ना	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई और दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 77 अंकों की गिरावट के साथ 81,373.75 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.14 फीसदी टूटकर 24,716.60 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर अडाणी पोर्ट्स, एमएंडएम, इटरनल (जोमेटो), पावर ग्रिड कॉर्प, एसबीआई के शेयर उछले जबकि टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन कंपनी, एचडीएफसी बैंक टॉप के शेयर गिरे। आज रियल्टी इंडेक्स में 2 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, आईटी, मेटल में 0.5 फीसदी की गिरावट आई। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में तेजी है। बैंकिंग, ऑटो और आई शेयर में गिरावट रही। वहीं एफएमसीजी और उर्जा शेयर्स में बढ़त रही। बाजार जानकारों के अनुसार मेटल पर अमेरिकी टैरिफ से भारतीय निर्यातकों को खतरा पैदा हुआ है जिससे भी बाजार में गिरावट आई। इसके अलावा कमजोर वैश्विक संकेत और व्यापार तनाव की आशंका से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। अमेरिकी फेड की टिप्पणी और नौकरियों के आंकड़ों से पहले सावधानी बरतने से भी निवेशक बाजार से दूर रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुले।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के स्टील आयात पर टैरिफ को 25 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी करने के ऐलान से मेटल स्टॉक्स में गिरावट आई। इसके सीधा सार बाजार पर भी बढ़ा। सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक गिरकर 81,214 पर खुला। हालांकि खुलते ही बाजार में बिकवाली हावी हो गई। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 675.09 अंक की गिरावट लेकर 80,775.92 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,669.70 अंक पर खुला। खुलते ही इंडेक्स में गिरावट गहरी हो गई। जिसके बाद यह 198.45 अंक फीसदी की गिरावट के साथ 24,568 पर कारोबार कर रहा था। इससे पहले भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट में बंद हुए। ट्रम्प की तरफ से स्टील आयात पर टैरिफ में भारी वृद्धि की घोषणा के बाद एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख देखने को मिला।

मई में जीएसटी संग्रह में 16.4 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। मई माह में भारत में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) की राशि में 16.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। अप्रैल माह की तुलना में इसमें 17 फीसदी की गिरावट आई है। सीमा शुल्क संबंधित राजस्व में तेज बढ़ोतरी और रिफंड में कमी के कारण जीएसटी संग्रह में वृद्धि हुई है। वित्त मंत्रालय के अनुसार अप्रैल में शुद्ध जीएसटी संग्रह 2.4 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंच गया था। बाजार के जानकारों ने बताया कि इस वृद्धि का उत्साह उत्पन्न कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह संकेत भारतीय अर्थव्यवस्था की तेजी को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2025 तक हर महीने का औसत जीएसटी संग्रह 1.84 लाख करोड़ रुपये था, लेकिन इस मई महीने एक बार फिर 2 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय के अनुसार ईवे-बिल जेनरेट की गतिविधियों में वृद्धि से यह संकेत मिलता है कि मई माह में जीएसटी संग्रह में अच्छी वृद्धि हो सकती है। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर विश्लेषकों के अनुमान से बेहतर 7.4 फीसदी रही। अप्रैल की तुलना में सकल जीएसटी संग्रह में 21 फीसदी की गिरावट ग्राहकों के कम खर्च को दर्शाती है। अप्रैल के उच्च संग्रह में संभवत: वित्त वर्ष के अंत में बिज़नेस-टू-बिज़नेस बिक्री में वृद्धि की बदौलत तेजी आई थी लेकिन मई में कमी वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण उपभोक्ता खर्च में कुछ बदलाव की ओर इशारा करती है।

रूसी तेल पर अमेरिकी सीनेटर का प्रतिबंध, भारत के आयात पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। अमेरिका के सबसे शक्तिशाली सीनेटरों में से एक ने रूस के कच्चे तेल के कारोबार पर प्रतिबंध बढ़ाने के लिए एक विधेयक का प्रस्ताव रखा है, जिससे भारत के रूसी तेल के आयात पर हो सकता है नकारात्मक प्रभाव। इस प्रस्ताव के तहत देशों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने की संभावना है, जिसमें भारत और चीन भी शामिल हैं। यह कदम रोजाना लगभग 20 लाख बैरल रूसी कच्चे तेल की आपूर्ति पर खतरा उत्पन्न कर सकता है। साथ ही इस प्रस्ताव से आने वाले कठोर उपायों से भारत का कच्चे तेल आयात को पंगु बनाने का खतरा है। यह फरवरी महीने में लगभग 15.4 करोड़ डॉलर की मूल्यवर्धित आपूर्ति पर प्रभाव डाल सकता है। स्थिति में अब तक 80 से अधिक सीनेटरों ने इस विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के सहयोगी सीनेटर लिंडसे ग्राहम भी शामिल हैं। इसे देशों जैसे जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन के साथ योगदान के माध्यम से तैयार किया गया है, जिन्होंने हाल ही में रूसी जहाजों पर कुछ सख्त नए प्रतिबंध लगाए हैं। भारत ने इन प्रतिबंधों को अब तक मान्यता नहीं दी है, लेकिन आधिकारिक तौर पर अमेरिकी प्रतिबंधों का सावधानी से पालन कर रहा है। यह हाल फरवरी में रूस की सबसे सस्ती क्रूड तेल कीमतों पर भारत के आयात पर भारी प्रभाव डालने की संभावना बना सकता है। भारतीय अधिकारियों ने कहा कि आधिकारिक तौर पर अमेरिकी प्रतिबंधों को भी भारत नहीं मानता, लेकिन भारतीय बैंक और रिफाइनर अमेरिका से सावधान रहते हैं। यूरोपीय बेंचमार्क क्रूड ब्रेंट की तुलना में रूसी तेल 2 से 5 डॉलर प्रति बैरल की छूट पर सुरक्षित किया गया था। फरवरी मे इराक के बाद रूस का कच्चा तेल सबसे सस्ता था, जो 77 डॉलर प्रति बैरल पर मिल रहा था। सीमा शुल्क के आंकड़ों के आधार पर गणना से पता चलता है कि सऊदी अरब और अमेरिका के तेल की तुलना में रूस का तेल 5 डॉलर प्रति बैरल सस्ता था।

शासकीय भूमि पर शासकीय कर्मचारी द्वारा जबरन अतिक्रमण कर किया जा रहा निर्माण कार्य

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के वनांचल ग्रामो में अमूमन यह जानकारी प्राप्त होती है कि राजस्व या वन क्षेत्रो मे लोगो के द्वारा कब्जा अतिक्रमण कर अपने निवास या अन्य निर्माण कार्य किये जाते है। शासकीय भूमि पर जबरन अतिक्रमण कर निर्माण कार्य करना है शासन विरूद्ध है जिस पर कार्यवाही मांग की जाती है। ऐसा ही एक मामला जनपद पंचायत लांजी अन्तर्गत वनांचल ग्राम पंचायत कंसुली मे देखने मे आया है जहां पर शासकीय कर्मचारियों के द्वारा जबरन अतिक्रमण कब्जा कर निवास निर्माण कार्य किया जा रहा है जिसके विरोध स्वरूप ग्राम कंसुली की ग्रामीण महिलाओं के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय पंहुचकर एसडीएम के नाम तहसीलदार लांजी को ज्ञापन सौंपा गया है।

ग्रामीणो ने जानकारी में बताया कि ग्राम के टीकाराम मतारे व राजेश्वर मतारे निवासी कंसुली दोनो ही शासकीय कर्मचारी है जो कि इन दोनो के द्वारा दंबगाई कर आबादी आवासीय भूमि में अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। टीकाराम मतारे जो कि प्राथमिक शाला देवलगांव शिक्षक के पद पर कार्यरत है एवं राजेश्वर मतारे ग्राम पंचायत खाण्डाफरी में सचिव के पद पर आसीन है। यह दोनो शासकीय कर्मचारी है एवं इन दोनो की ग्राम कंसुली में ही भूमि स्वामी की जमीन है। बतादे कि ग्राम पंचायत कंसुली की जिस भूमि पर अतिक्रमण कब्जा किया जा रहा है वह खसरा नंबर 8 है। इस शासकीय भूमि पर ग्रामीणों के द्वारा पंचायत की सहायता से बाबा साहेब आंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले तथा सावित्री बाई फुले की प्रतिमा तथा सामुदायिक भवन निर्माण कार्य करना चाहती है। लेकिन उक्त दोनो शासकीय कर्मचारियों के द्वारा ग्राम की इस शासकीय भूमि पर दबंगाई कर अवैध कब्जा करके निर्माण कार्य किया जा रहा है तथा उक्त भूमि पर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दीवार भी खडी कर दी गई। ग्राम वासियों के द्वारा इस कार्य को रोकने को कहा गया तो उनके द्वारा शासकीय पद का दुरूपयोग कर अपनी मनमानी करते हुये कार्य को रोका नही जा हरहा है निर्माण कार्य वर्तमान समय में प्रारंभ है। ग्रामीण महिलाओं ने कहा कि उक्त मामले की जांच कर निर्माण कार्य को अतिशिघ्र बंद करवाया जाकर न्याय संगत कार्यवाही की जाये। यदि कार्य रोका नही गया तो ग्राम वासियों के द्वारा हड़ताल एवं विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। इस दौरान ग्राम के सरपंच लीलाराम मानकर, सहित बड़ी संख्या में ग्राम की महिलाऐं उपस्थित रही।

महापुरूषों की प्रतिमाऐं लगाई जायेगी-लीलाराम मानकर

उक्त संबध मे सरपंच लीलाराम मानकर ने कहा कि उक्त शासकीय कर्मचारियों के द्वारा ग्राम कंसुली अन्तर्गत खसरा नंबर 8 की लगभग 20 डिसमिल भूमि पर अतिक्रमण कब्जा किया

जा रहा है। जिस संबंध में जांच भी करवाई गई है पटवारी के द्वारा जांच कर पंचनामा कार्यवाही उपरांत प्रतिवेदन एसडीएम लांजी को दिया गया है। उक्त भूमि से अतिक्रमण कब्जा हटाया जाये ता कि उस भूमि पर महापुरूषो की प्रतिमाऐं एवं सामुदायिक भवन स्थापित किया जा सके।

ग्राम में शादी विवाह के लिये नही है भवन- ग्रामीण महिलाऐं

उक्त संबध में तहसील कार्यालय पंहुची ग्राम की महिलाओं ने कहा कि ग्राम कंसुली की लगभग 20 डिसमिल भूमि पर उक्त शासकीय कर्मचारियों के द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा है जिसे अतिशिघ्र रिक्त किया जाये ता कि उस स्थान पर एक सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य किया जा सके क्यों कि हमारे ग्राम में शादी विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्यक्रमो के लिये कोई भवन नही है हमे कभी वृक्ष के नीचे तो कभी किसी खुले मैदान में जनवासा या अन्य कार्य करना पड़ता है यदि ग्राम में सामुदायिक भवन होगा तो निश्चित रूप से ग्रामीणो का लाभ मिलेगा। ग्रामो में अन्य कोई आपदा आती है तो भी शाासकीय भवन का लाभ लिया जा सकता है अत- उक्त भूमि पर से अतिशिघ्र अतिक्रमण हटाया जाये और शासकीय कर्मचारियों के विरोध न्याय संगत कार्यवाही की जाये।

नगर परिषद ने आवारा पशुओं को पकड़ कर किया कांजी हाऊस में बंद

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर क्षेत्र में विगत कई दिनों से आवारा पशुओं के विचरण को लेकर शिकायतें प्राप्त हो रही थी। जहां आवारा पशु दिन में नगर के अन्तर्गत अनेकों खेतों में विचरण कर फसलें खराब कर देते है तो वही दिन एवं रात्रि में ये आवारा पशु सड़कों पर दिखाई देते है जिसके चलते अनेकों बार दुर्घटनाऐं घटित हो चुकी है। नगर परिषद के द्वारा हांका गैंग बनाकर अनेकों बार आवारा पशुओं पर कार्यवाही करते हुये पशुओं कों कांजी हाऊस ले जाया भी गया है और जुर्माना लेकर मवेशी को छोड़ा भी गया है, उसके बाद भी पशु मालिकों में कोई सुधार नहीं हुआ एवं अपने अपने पशुओं को आवारा छोड़ देते है,

जिसके चलते नगर में परेशानी जस की तस बनी हुई है। जिला कलेक्टर के निर्देशन में मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी एल लिल्हारे के द्वारा विगत दिवस आदेश जारी कर कहा गया है नगर परिषद लांजी अंतर्गत मवेशी मालिकों को सूचित किया जाता है कि संबंधित पशु मालिक अपने मवेशियों को आवारा विचरण ना करने देवें, आवारा विचरण करने वाले मवेशियों द्वारा कृषकों की फसलों को नुकसान पहुंचाया जा सकता है एवं सड़कों में विचरण करने की स्थिति में अप्रिय दुर्घटना होने की संभावना बन रही है संबंधित पशु मालिक अपने मवेशियों को आवारा ना छोड़े अन्यथा उक्त मवेशियों को नगर परिषद के हांका गेंग द्वारा पकड़कर गौशाला में भिजवा दिया जावेंगा। उपरांत किसी प्रकार की सुनवाई मान्य नहीं की जावेंगी। इसके बावजूद नगर में आवारा पशुओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। जिसके चलते 2 जून को नगर परिषद लांजी की हांका गैंग द्वारा हाऊबाग बालाघाट मार्ग पर बैठे मवेशियों को पकड़ कर कांजी हाऊस में बंद किया गया।

आलोक संघ लांजी का हुआ निर्वाचनः शिक्षक राजेश मस्करे बने अध्यक्ष

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी ब्लॉक में 1 जून को आलोक संघ, अखिल भारतीय लोधा लोधी संघ जो कि समाज में शिक्षा जागृति का कार्य कर रही है। इस संगठन का निर्वाचन 1 जून को राजभारती प्रोमेनेन्सी कान्वेंट स्कूल लांजी के सभागृह में संघ के पदाधिकारियों समक्ष आयोजित हुआ जिसमें निर्विरोध रूप से सर्वसम्मति से शिक्षक राजेश मस्करे को अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया तथा संघ के विभिन्न पदो के भी निर्वाचन किये गये। बतादे कि उक्त निर्वाचन कार्यक्रम में प्रमुख रूप आलोक पथप्रदर्शक लोकेश लिल्हारे जीएसटी कमिश्नर जबलपुर, आर एस लोधी प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशन मे आलोक संघ के जिला एवं ब्लाक का निर्वाचन किया जा रहा इसी तारतम्य में भुवन लिल्हारे वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सोहन उरोडे प्रदेश महासचिव, प्रभु पिछोडे अध्यक्ष बालाघाट, गंगासागर नगपुरे वरिष्ठ उपाध्यक्ष, लक्ष्मण रनगिरे कोषाध्यक्ष, कन्हैया मस्करे अध्यक्ष ब्लाक बालाघाट की उपस्थित में लांजी (बालाघाट) का निर्वाचन संपन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मत से निर्विरोध शिक्षक राजेश मस्करे को अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया। इसी कड़ी दुष्यंत उमरे उपाध्यक्ष, राजकुमार कुशले कोषाध्यक्ष, तोषन मस्करे,सी एल दमाहे,भवन दशरिया, प्रवीण दशरिये, श्रीमती गीता लिल्हारे, घनश्याम बसेने, लंकेश नगपुरे, दशरथ उपराडे, भुवन कबीरे, ममता पगरवारे यह भी सदस्य पद पर सुशोभित हुये। तथा आलोक संघ के संरक्षक के रूप में ग्राम पंचायत वारी के सरपंच ऋषि दशरिये को सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। इस निर्वाचन प्रणाली को अशोक महिश्वरे, प्रमोद धामने आदि के द्वारा सफलता पूर्ण कराया गया। वहीं अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के पश्चात राजेश मस्करे ने कहा कि आलोक संघ पूर्ण रूप से शिक्षा जागृति अभियान के तहत कार्य करता है। हमारे द्वारा समाज के होनहार बच्चो के बेहतर भविष्य के लिये अनेको शिक्षा अभियान चलाया जा रहा है जिसमें नवोदय जागृति अभियान, प्रतियोगी परीक्षाओ के लिये बच्चो को तैयार करना सहित अन्य परीक्षाओं के लिये मार्गदर्शित करना। संघ के द्वारा इन्दौर और भोपाल होस्टल भी संचालित किये जा रहे है जिनमें हमारे क्षेत्र बच्चे उक्त होस्टल का उपयोग बडे शहरो में शिक्षा ग्रहण कर रहे। मै सभी पदाधिकारी सदस्य गण का धन्यवाद एवं आभार प्रकट करता है, मुझे अध्यक्ष पद पर आसीन करने के लिये मै पूर्ण कोशिश करूंगा की संघ के नियमो के अनुरूप कार्य करू जिसमें मेरी नवनिर्वाचित टीम और संरक्षक मण्डल सहायतार्थ होंगे।

शिक्षक सुखचंद लिल्हारे को सेवानिवृत्ति पर दी बिदाई

लांजी (पद्मेश न्यूज)। एकीकृत माध्यमिक शाला मिरिया में पदस्थ सुखचंद लिल्हारे अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर 31 मई को सेवा निवृत्त हो गये। इनकी सेवा निवृत्ति पर शाला परिवार और सहयोगी शाला के सहयोग से जनशिक्षा केन्द्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला एवं संकुल केन्द्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कारंजा अंतर्गत शासकीय माध्यमिक विद्यालय मिरिया में बिदाई समारोह आयोजित किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुखचंद लिल्हारे, विशिष्ट अतिथि जनशिक्षा केन्द्र प्रभारी गणेश फरदे, संकुल प्राचार्य राजेंद्र घोरमारे, ग्राम पंचायत मिरिया के सरपंच श्रीमती द्वारका बोम्बरडे, श्रीमती मीरा लिल्हारे जनपद सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य की उपस्थिति रही। शाला के प्रभारी प्रधानाध्यापक तिलकचंद बनोठे ने लिल्हारे सर के संपूर्ण सेवाकाल के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुखचंद लिल्हारे जी ने 40 वर्ष 5 माह 24 दिन की सेवा देकर सेवानिवृत्त हो रहे हैं। तत्पश्चात जनशिक्षा केन्द्र प्रभारी गणेश फरदे प्राचार्य ने बताया कि सुखचंद लिल्हारे एक कुशल शिक्षक के साथ-साथ कम्प्यूटर आपरेटर, मृदुभाषी, मिलनसार व्यक्तित्व के धनी हैं। इसी क्रम में संकुल प्राचार्य राजेंद्र घोरमारे एवं अन्य शिक्षकों, अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किये। बिदाई समारोह में शासकीय माध्यमिक शाला मिरिया के कामेश्वर लिल्हारे, राजेश हजारे, भगवती बनोठे, के अलावा श्रीमती शशि गिरिया, किरणदेवी दमाहे, नंदकिशोर लिल्हारे, अभिषेक ढोक, लाभचंद जाभुरकर, हरीश फुलमारे, ठवन नागफासे, शैलेन्द बैस, सुनिल कावडे, भागीरथ लिल्हारे, लोकचंद मछिरके, सुखदेव राहागडाले, चंन्दकुमार सोनी एवं समस्त स्टाफ एवं छात्र छात्राओं तथा जनशिक्षा केन्द्र बहेला एवं कारंजा संकुल के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम पश्चात सुखचंद लिल्हारे को रथ तथा डीजे के साथ उनके गृह ग्राम घंसा तक पहुंचाया गया।

रितेश सोनवाने का असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हुआ चयन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड क्रमांक 15 निमटोला लांजी निवासी रितेश योगराज सोनवाने का असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी विषय के पद पर चयन हुआ है। रितेश सोनवाने सेवा निवृत्त शिक्षक योगराज सोनवाने के छोटे सुपुत्र है। इनके बड़े भाई सुधीर सोनवाने मेकेनिकल से इंजीनियरिंग किए हैं व अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। रितेश ने प्राथमिक शिक्षा लांजी इंग्लिश स्कूल लांजी से की एवं कक्षा 7 वी से बारहवीं तक की शिक्षा भिलाई से की। उच्च शिक्षा दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीए अंग्रेजी, इतिहास विषय के साथ किया। इसके पश्चात (राजा शंकर साह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा से संबद्ध शासकीय महाविद्यालय लांजी से अंग्रेजी विषय में एमए किया व युनिवर्सिटी में टॉप कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। आपने वर्ष 2022 में नेट पास किया। साथ ही पाली एकेडमिक बिसोनी से बीएड किया। वर्तमान में 3 अक्टूबर 2024 से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टेमनी में उच्च माध्यमिक शिक्षक के पद पर सेवाएं दे रहे हैं। गत दिवस मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा जारी असिस्टेंट प्रोफेसर के परीक्षा

परिणाम में रितेश सोनवाने ने अंग्रेजी विषय में सफलता प्राप्त कर असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन हुआ है। इस चयन पर सामाजिक बंधुओं, शिक्षकगणों, इष्टमित्रों ने बधाई प्रेषित की है।

सतोना में परामात्मा एक सेवक मंडल की चर्चा बैठक में शामिल हुये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। ग्राम सतोना में परामात्मा एक सेवक मंडल संस्था द्वारा नौवा मासिक हवन कार्यक्रम एवं चर्चा बैठक आयोजित की गई। जिसमें पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल शामिल हुये। कार्यक्रम के प्रारंभ महान त्यागी बाबा जुमदेव संस्थापक के नमन कर कार्यक्रम की शुरूवात की गई। पश्चात संस्था के द्वारा पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल का स्वागत किया गया। साथ ही पूर्व के पलो में संस्था को एक निवेदन पर आर्थिक सहयोग के लिये धन्यवाद भी ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये प्रदीप जायसवाल ने कहा की परमात्मा एक सेवक मंडल संस्था हनुमान व बाबा जुमदेव के आदर्शो को लेकर कार्य कर रही है। यह हमारी आस्था का केन्द्र भी है। यह संस्था जीवन क्या है और जीवन जीने के तरीके क्या होना चाहिये इस विषय में कार्य कर लोगो को अच्छा इंसान बनाने की दिशा में लंबे समय से कार्य कर रही है। विशेषकर सामाजिक बुराईयो में तम्बाकू, सिगरेट और शराब से दूर रहने की प्रेरणा भी यह संस्था देकर परिवारो को तबाह होने से बचाने का कार्य कर रही है। इस दौरान लालदास बारेकर, देवा मात्रे, महेन्द्र कावडे, राजेन्द्र कोहरे, भीवराम मात्रे, मिलिंद नगपुरे, मनोज दांदरे, श्रीमती मीरा मात्रे, रमेश पालेवार, राजेन्द्र कोहरे,सुधे चौधरी, भारतलाल चौधरी, दिलीप चौधरी,नंद्रेश मरठे, प्रकाश मंहत,विनोद खरोले, महेन्द्र कावडे, सुंदरलाल पंचेश्वर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

आज भोपाल आएंगे राहुल गांधी

कांग्रेस संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी, भीतरघातियों पर होगी कार्रवाई

भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को मप्र दौरे पर आ रहे हैं। यह दौरा 'संगठन सृजन अभियान' के तहत किया जा रहा है, जिसका मकसद राज्य में पार्टी के संगठन को जमीनी स्तर से मजबूत करना है। गुजरात में इस अभियान की शुरुआत के बाद अब इसे मध्य प्रदेश में लागू किया जा रहा है, हालांकि राज्य में फिलहाल कोई चुनाव नहीं है। फिर भी राहुल गांधी की सीधी भागीदारी इस बात का संकेत है कि कांग्रेस अब संगठनात्मक मजबूती को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

संगठन सृजन अभियान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे की ओर से 2025 को संगठनात्मक सुधारों का वर्ष घोषित करने की दिशा में एक अहम कदम है। इसके तहत जिला कांग्रेस कमेटियों को सशक्त किया जाएगा और जवाबदेही की एक नई प्रणाली लागू होगी। गुजरात के बाद अब यह अभियान मध्य प्रदेश में शुरू किया जा रहा है। दिल्ली से कुल 61 एआईसीसी पर्यवेक्षक भेजे गए हैं और प्रत्येक जिले के लिए चार सह-पर्यवेक्षक नियुक्त होंगे। ये पांच सदस्यीय टीमें संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगी। हर पर्यवेक्षक को राहुल गांधी खुद जिले आवंटित करेंगे और उन्हें अभियान के तहत विशेष दिशा-निर्देश देंगे। ये पर्यवेक्षक अपने-अपने जिलों में जाकर मजबूत और समर्पित कार्यकर्ताओं को चिन्हित करेंगे, जिनका नाम जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए अनुशंसा सूची में शामिल किया जाएगा। यह सूची दिल्ली भेजी जाएगी और उस पर अंतिम निर्णय शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिया जाएगा।

राहुल गांधी का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम

राहुल गांधी सुबह 10:20 बजे भोपाल पहुंचेंगे, जहां कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता उनका भव्य स्वागत करेंगे। सुबह 11:00 बजे वे पीसीसी मुख्यालय पहुंचेंगे और 11:00 से 12:00 बजे तक राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक लेंगे। इसके बाद 12:00 से 12:30 बजे तक सांसदों और विधायकों के साथ संवाद होगा। 12:30 से 1:30 बजे तक एआईसीसी पर्यवेक्षकों और पीसीसी प्रभारियों के साथ बैठक होगी। 1:30 से 2:30 बजे तक विशेष रणनीतिक विचार-विमर्श और फिर 2:30 से 4:00 बजे तक एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

भीतरघातियों पर होगी कार्रवाई

कांग्रेस विधायक दल के नेता उमंग सिंघार ने कहा कि पार्टी ऐसे लोगों की पहचान कर रही है जो कांग्रेस में रहते हुए भी भाजपा की मदद कर रहे हैं। ऐसे लोगों को पार्टी से बाहर किया जाएगा। दूसरी ओर, समर्पित कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाया जाएगा। कांग्रेस अब संगठनात्मक प्रतिबद्धता, कार्यशैली और नेतृत्व के साथ समन्वय के आधार पर जिला अध्यक्षों का चयन करेगी। साथ ही पार्टी उन लोगों की सूची भी तैयार कर रही है जो अंदरूनी तौर पर भाजपा को लाभ पहुंचा रहे हैं।

ई-ऑफिस रैंकिंग में पिछड़ा भोपाल... टॉप-10 में भी शामिल नहीं

7 माह में सिर्फ 113 ई-फाइलें ही बनाईं, अदने से जिले बैतूल और हरदा ने मारी बाजी, संभाग के कई जिले निकले फिसड्डी

भोपाल। ई-ऑफिस सिस्टम भोपाल सहित प्रदेश के सभी जिलों में मुख्य सचिव ने शुरू करवाया है। पिछले दिनों प्रशासन ने भी दावा किया कि कलेक्टर कार्यालय से लेकर सभी सरकारी विभागों में ई-ऑफिस सिस्टम लागू कर दिया गया है। मगर अभी शासन ने ई-ऑफिस रैंकिंग तैयार की, उसमें भोपाल-इंदौर टॉप-10 जिलों में भी स्थान नहीं पा सका है और बैतूल, हरदा जैसे जिले इस मामले में बाजी मार गए। हालांकि अफसरों का कहना है कि छोटे जिलों में फाइलों की मूवमेंट कम भी रहता है और भोपाल-इंदौर जैसे सबसे बड़े जिलों में फाइलों के साथ-साथ कामकाज भी अधिक है।

पिछले साल नवम्बर माह से ई-ऑफिस सिस्टम सभी विभागों में लागू किया गया। नवम्बर से लेकर अभी मई के 7 माह में किन जिलों में ई-ऑफिस सिस्टम को कितना अपनाया इसको लेकर जो शासन स्तर पर रैंकिंग तैयार हुई उसमें बैतूल, हरदा नर्मदापुरम ने सबसे अच्छा काम किया। इसमें बैतूल तो नम्बर वन स्थिति में पाया गया, जहां पर लगभग साढ़े 3 हजार फाइलें बनीं, वहीं दूसरे नम्बर पर हरदा जिला रहा, जहां 1755 फाइलें बनी है। इंदौर जिलें में 113 ई-फाइलें ही बनीं। राजधानी भोपाल तो इंदौर से भी पीछे रहा, जहां मात्र 41 ई-फाइलें तैयार हुई। यानी टॉप-10 जिलों में इंदौर के साथ-साथ भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर जैसे चारों प्रमुख शहर स्थान नहीं पा सके हैं। टॉप-10 में बैतूल, हरदा, नर्मदापुरम, शिवपुरी, अनूपपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा कटनी जैसे जिले शामिल रहे, तो संभागों में इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, भोपाल सहित अन्य संभाग इनसे पीछे रहे।

एडीजी डीसी सागर बनाए गए स्पेशल डीजी

भोपाल। भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी डी सी सागर को पदोन्नत किया गया है। उन्हें विशेष पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है। गृह विभाग की ओर से इसे लेकर आदेश जारी कर दिया है। डी सी सागर 1992 बैच के आईपीएस अफसर हैं। वह शिकायत तथा मानव अधिकार में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक थे। इसके बाद उन्हें स्पेशल डीजी बना दिया गया है। गृह विभाग के अवर सचिव अन्नू भलावी ने पदोन्नति का आदेश जारी किया है।

नगर निगम कमिश्नर को भेजा नोटिस

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव को नोटिस जारी हुआ है। केंद्रीय कार्मिक विभाग ने नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। भोपाल से बीजेपी के सांसद आलोक शर्मा ने उनके खिलाफ केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय में शिकायत की थी।

दरअसल जिला पंचायत में हुई डिस्टिक डेवलपमेंट कोऑर्डिनेशन एवं मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव नहीं पहुंचे थे। बैठक में सांसद समेत महापौर समिति सदस्य विधायक भगवानदास सबनानी पहुंचे थे। हरेंद्र नारायण ने जनप्रतिनिधियों का फोन नहीं उठाया था। सांसद समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने जमकर नाराजगी जाहिर की थी। जनप्रतिनिधि और अधिकारी में विवाद के चलते भोपाल कलेक्टर को बैठक में पहुंचना पड़ा था। आगे की जांच हरेंद्र नारायण यादव के जवाब पर निर्भर करेगी।

पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक आज

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 3 जून को नर्मदापुरम जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल पचमढ़ी का दौरा करेंगे। इस अवसर पर वे राज्य कैबिनेट की विशेष बैठक के साथ-साथ पर्यटन और अन्य विभागों से जुड़े कुल 33.88 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। पचमढ़ी में प्रस्तावित कैबिनेट बैठक में राज्य सरकार कई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकती है। इस बैठक में पचमढ़ी के पूर्व जागीरदार राजा भभूत सिंह की स्मृति में उनकी प्रतिमा स्थापित करने का प्रस्ताव विचाराधीन है। इसके साथ ही नर्मदांचल क्षेत्र में किसी संस्थान का नाम राजा भभूत सिंह के नाम पर रखने की संभावना भी जताई जा रही है।

सरकार का उद्देश्य है कि राजा भभूत सिंह की वीरता और योगदान को आने वाली पीढियों तक पहुंचाया जाए। उनके सम्मान में लिया जाने वाला यह निर्णय न केवल स्थानीय गौरव को बढ़ावा देगा, बल्कि क्षेत्रीय इतिहास को भी सहेजने का कार्य करेगा। बता दें इससे पहले मार्च 2022 में भी पचमढ़ी में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित की गई थी। अब एक बार फिर इसी स्थल पर कैबिनेट बैठक होने जा रही है।

सीएम देंगे इनकी सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जटाशंकर और पांडव गुफाओं पर पिंक टॉयलेट लाउंज - लागत 19 लाख रुपए, जयस्तंभ क्षेत्र में पाथवे निर्माण - लागत 10 करोड़ रुपए, घूपगढ़ जल आपूर्ति योजना - लागत 60 लाख रुपए, पचमढ़ी प्रवेश द्वार - लागत 35 लाख रुपए, सतपुड़ा रिट्रीट में किचन, रेस्टोरेंट और स्विमिंग पूल - लागत 1.35 करोड़ रुपए का लोकार्पण करेंगे।

21.39 करोड़ के विकास कार्यों का करेंगे भूमिपूजन

वहीं, 21.39 करोड़ रुपए की 6 नई परियोजनाओं का भूमिपूजन करेंगे। इसमें हांडी खो में पर्यटक सुविधाएं - लागत 1.98 करोड़ रुपए, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में आधारभूत ढांचे का विकास - लागत 2.13 करोड़ रुपए, हिलटॉप बंगले का होमस्टे में रूपांतरण - लागत 6.70 करोड़ रुपए, रूद्धष्टश्च कम्युनिटी सेंटर का निर्माण - लागत 9.90 करोड़ रुपए, केन्द्रीय नर्सरी का निर्माण - लागत 34 लाख रुपए शामिल है।

सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों की मौजूदगी के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। 900 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। डीएसपी संतोष मिश्रा के अनुसार, साडिया से पचमढ़ी तक पूरे मार्ग पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सख्ती से लागू की जाएगी। मंत्रियों की आवाजाही के लिए निर्धारित रूट्स पर विशेष सतर्कता बरती जाएगी।

मिशन एक लाख नौकरी की रफ्तार धीमी

विभागों की सुस्ती बनी चिंता का विषय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक साल में एक लाख सरकारी नौकरी देने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री से मिले निर्देश के बाद जीएडी ने सभी विभागों को अपने यहां खाली पदों पर आवश्यकता के अनुसार भर्तियां निकालने का आदेश दिया है। इसके बाद कुछ विभागों ने तो अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। वहीं कुछ विभागों की सुस्ती चिंता बढ़ा रही है। जानकारों का कहना है कि अगर यही रफ्तार रही तो शायद ही टारगेट पूरा हो सके। उच्च शिक्षा विभाग ने 2197 प्राध्यापक पदों के लिए जून और जुलाई माह में परीक्षा आयोजित करने का कार्यक्रम तय कर लिया है। यह प्रक्रिया लंबे समय से खाली पड़े शिक्षण पदों को भरने की दिशा में बड़ी पहल मानी जा रही है। वहीं, दूसरी ओर, लोक स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं आयुष विभागों में कुल 718 पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन अब तक परीक्षा की तारीखें घोषित नहीं हो सकी हैं। सूत्रों के अनुसार, लोक सेवा आयोग इन पर जल्द निर्णय ले सकता है, पर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है।

गौरतलब है कि प्रदेश के विभागों में एक लाख के करीब पद खाली पड़े हैं। कई विभागों में वर्षों से भर्तियां तक नहीं हुई हैं। अब मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद विभागों में भर्तियां शुरू हो रही है। गौरतलब है कि लोक सेवा आयोग ने वर्ष 2025 की प्रारंभिक परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न कर ली है, लेकिन मुख्य परीक्षा, जो जून में प्रस्तावित थी, उसे स्थगित कर दिया गया है। ऐसे में उन पदों पर भर्तियों की अंतिम घोषणा वर्ष के उत्तरार्ध तक खिंच सकती है। सरकारी आंकड़ों और दावों के बीच अंतर भी उजागर हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिसंबर 2024 में एक लाख पदों पर भर्ती का ऐलान किया था। इसके तहत सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों से रिक्तियां मंगवा कर पीएससी और चयन मंडल को भेजीं, लेकिन पीएससी, इंदौर ने अब तक केवल 64 विज्ञापन जारी किए हैं, जिनमें कुल 3151 पद शामिल हैं। इस अनुपात में रिक्त पदों की पूर्ति की रफ्तार धीमी मानी जा रही है। वहीं युवाओं ने इस भर्ती प्रक्रिया का बेसब्री से इंतजार किया था। कई युवाओं ने परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग संस्थानों में दाखिला लिया और पढ़ाई में समय और धन निवेश किया। अब भर्ती प्रक्रिया के ठप हो जाने से उनमें निराशा और नाराजगी बढ़ रही है।

अभ्यर्थियों का तारीख का इंतजार

प्रदेश में सबसे अधिक पद स्वास्थ्य विभाग में खाली हैं। स्वास्थ्य विभाग में 579 पदों पर भर्ती होनी है, लेकिन अभी तक इनकी परीक्षा की तिथि घोषित नहीं की गई है। इसमें सबसे अधिक 385 पद डेंटल सर्जनों के लिए हैं। इसके अलावा हड्डी रोग, नेत्र रोग, नाक-कान-गला, मानसिक रोग, फिजियोथेरेपी और क्षय रोग विशेषज्ञ जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में भी विशेषज्ञों की जरूरत है। इससे साफ है कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए व्यापक स्तर पर विशेषज्ञों की भर्ती करने जा रही है, लेकिन तारीख न तय होने से अभ्यर्थियों में असमंजस बना हुआ है।

कई विभागों में 194 पदों पर भर्ती प्रस्तावित, आयुष में 19 पदों के लिए होनी है परीक्षा वहीं स्वास्थ्य और शिक्षा के अलावा अन्य विभागों में भी भर्तियां प्रस्तावित हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी के 120 पद सबसे अधिक हैं, इसके अलावा श्रम विभाग में 55 पद, पंचायत, जनसंपर्क, जल संसाधन, औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन विभाग जैसे क्षेत्रों में भी भर्तियां की जानी हैं। इधर, आयुष विभाग में 19 पदों के लिए उम्मीदवार पहले ही आवेदन कर चुके हैं, लेकिन अब तक परीक्षा की तारीख तय नहीं हुई है। इसमें होम्योपैथी, आयुर्वेद, यूनानी और संबंधित विषयों के विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी। वहीं प्रदेश में पहले से ही कुछ महत्वपूर्ण पदों के लिए परीक्षाएं पूरी हो चुकी हैं। डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी, वाणिज्यिक कर अधिकारी, वित्त अधिकारी, नगर विकास, महिला एवं बाल विकास, पंचायत विकास और सहकारिता विभाग के पदों पर प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित की जा चुकी हैं। इनमें सबसे अधिक पद बाल विकास परियोजना अधिकारी (65) और महिला सशक्तिकरण अधिकारी (6) के लिए हैं। यह दर्शाता है कि महिला और बाल कल्याण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

आरक्षण नियमों में उलझी 8,500 पुलिस पदों पर भर्ती

प्रदेश में 8,500 पदों पर पुलिस भर्ती प्रक्रिया पिछले कई महीनों से आरक्षण नीति को लेकर अस्पष्टता और पीएचक्यू और कर्मचारी चयन बोर्ड के बीच समन्वय की कमी के कारण अटकी हुई है। इन पदों में 7,500 आरक्षक (सिपाही) और 1,000 उपनिरीक्षक व लिपिकीय पद (स्टेनोग्राफर, सहायक आदि) शामिल हैं। यह भर्ती राज्य की कानून-व्यवस्था को सशक्त बनाने और युवाओं को रोजगार देने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही थी। जानकारी के अनुसार पुलिस मुख्यालय को भर्ती में आरक्षण की स्थिति को लेकर कुछ बिंदुओं पर स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। साथ ही, उम्मीदवारों को राज्य सरकार के रोजगार पोर्टल पर पंजीकृत होना अनिवार्य किया गया है, लेकिन इस नियम को लेकर भी विभागों के बीच मतभेद सामने आए हैं। यही कारण है कि प्रक्रिया को आगे बढ़ाने से पहले मामला राज्य सरकार को भेजा गया है, ताकि वह इस पर अंतिम निर्णय ले सके।

रघुवंशी कपल में से 11 दिन पर पति राजा का शव हुआ बरामद, पत्नी सोनम की तलाश जारी

इंदौर,। मेघालय के शिलांग में 11 दिन से लापता इंदौर के कपल में से पति राजा रघुवंशी का शव बरामद हुआ है। बता दें कि इंदौर के दंपती राजा और सोनम रघुवंशी हनीमून मनाने मेघालय गए थे। यहां दोनों ओसरा हिल्स से 23 मई की शाम के बाद से लापता हो गए थे। तब से अलग-अलग 6 टीमें उनकी सर्चिंग में जुटी है। 11 दिन बाद राजा का शव खाई से बरामद किया है। वहीं राजा के भाई सचिन ने शव मिलने की पुष्टि की है। हाथ पर राजा नाम लिखा है। राजा के दूसरे भाई विपिन ने भी शव की पहचान की है कि जहां स्कूटर मिली थी, वहीं से करीब 20 से 25 किलोमीटर दूर शव मिला है। वहीं पत्नी सोनम की अभी तलाश जारी है। हालांकि अभी इसका खुलासा नहीं हुआ है कि राजा की मौत कैसे हुई और वह यहां तक कैसे पहुंचा। मेघालय पुलिस इस बारे में जानकारी देगी। बता दें कि राजा के भाई विपिन और सोनम के भाई गोविंद सर्चिंग टीम के साथ ही मौजूद हैं। बता दें कि जहां से दोनों लापता हुए थे, वह गहरी खाई और ऊंची पहाड़ी वाला इलाका है। इसकारण पुलिस और दूसरी एजेंसियों को सर्च ऑपरेशन में दिक्कतें आ रही हैं। विपिन ने इंदौर में अपने भाई सचिन रघुवंशी को बताया कि वहां के हालात काफी खराब हैं। मौसम पल-पल बदल रहा है। बारिश बहुत कम रुकती है। फिसलन ज्यादा है। ड्रोन की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। कई बार कोहरे में ड्रोन नहीं उड़ पाता है। मौके पर डॉग भी मौजूद हैं। दूसरी ओर, मेघालय के मंत्री पॉल लिंग्दोह के बयान को लेकर परिजन नाराज हैं। उनका कहना है कि उनकी बातों ने हमें दुखी किया है।

जेईई एडवांस्ड 2025 में बुरहानपुर के माजिद की ऑल इंडिया रैंक-3 रैंकिंग मप्र के टॉपर रहे

जबलपुर के देव के कैमिस्ट्री में 100 में से 100 नंबर

भोपाल। जेईई एडवांस्ड 2025 में बुरहानपुर के माजिद मुजाहिद हुसैन ने ऑल इंडिया रैंक- 3 हासिल की है। वे मध्यप्रदेश के टॉपर रहे हैं। पहले स्थान पर राजित गुप्ता और दूसरे स्थान पर सक्षम जिंदल हैं। दोनों कैंडिडेट कोटा (राजस्थान) से हैं। माजिद ने कहा कि सफल होना है तो खुद पर भरोसा जरूरी है। ऐसा होने पर आप ज्यादा बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं। साथ ही, मानसिक तनाव से दूर रहते हैं। वहीं, जबलपुर के देव कौरव ने ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 159 हासिल की है। देव ने कैमिस्ट्री में 100 में से 100 नंबर पाए हैं।

कानपुर जोन में इंदौर की हर्षिता गोयल लड़कियों में टॉपर रही हैं। हर्षिता की 434वीं रैंक आई है। हर्षिता ने कहा- मैंने 11वीं क्लास से ही जेईई की तैयारी शुरू कर दी थी। पता था कि रिजल्ट अच्छा आएगा लेकिन यह नहीं पता था कि एमपी में फर्स्ट रैंक मिलेगी। हर्षिता जेईई मेन-2025 के पहले चरण में 99.90 परसेंटाइल के साथ लड़कियों में सिटी और स्टेट में टॉपर रही हैं। वे‌ड्ढ या कम्प्यूटर साइंस की फील्ड में ही आगे जाना चाहती हैं। उन्हें रीडिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट और ट्रेवलिंग का शौक है।

आरुष ने भोपाल टॉप किया

जेईई एडवांस्ड में भोपाल के आरुष नावकर की एआईआर 427 रैंक है। उन्होंने भोपाल टॉप किया है। जेईई मेन्स के रिजल्ट में भोपाल की टॉपर लिस्ट में शामिल मोहम्मद हमजा की जेईई एडवांस्ड में ऑल इंडिया रैंकिंग 1595 है। हमजा ने बताया कि यह लगातार दूसरा साल है, जब उन्होंने जेईई मेन क्लियर किया। पिछली बार उनकी रैंक 4 हजार के करीब थी। बीते साल जेईई मेन के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और वे जेईई एडवांस्ड की तैयारी नहीं कर सके। जिसके चलते जेईई एडवांस्ड में उनकी रैंक 17 हजार पहुंच गई थी। इस बार इसमें सुधार हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खंडवा जिले को जल संरक्षण और पुनर्भंडारण कार्य में देशभर में प्रथम स्थान मिलने पर दी बधाई

प्रधानमंत्री मोदी की मंशा के अनुरूप बारिश की बूंद-बूंद सहेजने के लिए राज्य सरकार संकल्पित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देशभर में जल संरक्षण और जल के पुनर्भंडारण कार्य में खंडवा जिले को प्रथम स्थान मिलने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी राज्य सरकारों से वर्षा जल के संरक्षण और भूगर्भ जल भंडारण के लिए अभियान चलाने का आह्वान किया था। मध्य प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री मोदी की भावना के अनुरूप जल ही जीवन है के नारे को चरितार्थ करने के लिए बारिश की बूंद-बूंद सहेजने के लिए संकल्पित है। प्रदेश सरकार ने इस वर्ष गुड़ी पड़वा से 90 दिनों तक चलने वाले जल गंगा संरक्षण अभियान की शुरुआत की, यह अभियान 30 जून तक जारी रहेगा। अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में जल संरचनाओं को संरक्षित करने के कार्य प्रगति पर हैं। गत वर्ष भी जल संरक्षण के लिए एक माह का अभियान चलाया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को मीडिया को जारी संदेश में यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश का इंदौर शहर स्वच्छता में नंबर-1 है, राजधानियों में भोपाल शीर्ष पर है, धार्मिक नगरी में उज्जैन नंबर-1 पर आ रही है। ऐसे में खंडवा को जल संरक्षण में प्रथम स्थान मिलना, निश्चितरूप से प्रदेशवासियों के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इसके लिए स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी और बूंद-बूंद बचाने के प्रयास में जुटे सभी प्रदेशवासी बधाई के पात्र हैं। जल संरक्षण के लिए जारी विकास कार्यों में मध्य प्रदेश की स्थिति अन्य राज्यों से बेहतर है। अभी कई जिलों के आंकड़े आना शेष हैं। जल संरक्षण अभियान में प्रदेश की नदियों, तालाब, बाबड़ी, पोखर और कुओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। प्रदेशभर में नए खेत तालाबों का भी निर्माण जारी है। इन सभी प्रयासों से शीघ्र ही प्रदेश नए दौर में प्रवेश करेगा।

फायर एंड इमरजेंसी सर्विस एक्ट को मिलेगी मंजूरी

-9 मीटर से ऊंची बिल्डिंगों में फायर एनओसी होगी अनिवार्य

भोपाल। पचमढ़ी में मंगलवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में फायर एंड इमरजेंसी सर्विस एक्ट को लागू करने की मंजूरी मिल सकती है। हालांकि इसका बिल विधानसभा में रख मंजूर करवाना पड़ेगा। बीते 6 सालों से यह एक्ट तैयार किया जा रहा है और पिछले दिनों नगरीय प्रशासन और विकास मंत्रालय ने इसे अंतिम रूप देकर कैबिनेट को सौंपा है। अब 9 मीटर से ऊंची बिल्डिंगों में भी फायर एनओसी अनिवार्य रहेगी, तो राजनीतिक-सामाजिक सहित शादियों के पांडाल की भी अनुमति लेना पड़ेगी और आवश्यक आगजनी से निपटने के बंदोबस्त करना होंगे। फायर स्टेशनों की सीमाएं भी अब पुलिस थानों की तरह तय की जाएंगी, ताकि जिस क्षेत्र में आगजनी की घटना होती है उससे जुड़े फायर स्टेशन को जवाबदेय बनाया जा सके।

बीते कुछ वर्षों में इंदौर सहित प्रदेशभर में आगजनी की बड़ी घटनाएं हो चुकी है। सबसे भीषण घटना तो पटाखा फैक्ट्री में हुई, जिसमें अनेकों मौत भी हो गई, तो कुछ अस्पतालों में भी आग लगी और नवजात बच्चों के साथ-साथ अन्य मरीज भी इसकी चपेट में आए। वहीं दूसरी तरफ केन्द्र सरकार ने भी 6 साल पहले सभी राज्यों को फायर सेफ्टी एक्ट की सिफारिशों के साथ ड्राफ्ट भी भेजा। मगर मध्यप्रदेश में ही इसे अमल में नहीं लाया जा सका। कुछ समय पूर्व नगरीय विकास और आवास मंत्रालय ने ड्राफ्ट को अंतिम रूप दिया और उसे अब कैबिनेट में रख मंजूर किया जाएगा।

अब फायर टैक्स भी वसूला जाएगा

5 हजार स्क्वेयर फीट और उससे अधिक की शैक्षणिक, व्यवसायिक, औद्योगिक, स्वास्थ्य सहित अन्य गतिविधियों के लिए एनओसी लेना होगी और अब फायर टैक्स भी वसूल किया जा सकेगा। जिस तरह नगर निगम सम्पत्ति कर लेता है उसी तरह अग्निशमन शुल्क भी वसूल करेगा। यह भी उल्लेखनीय है कि फायर ब्रिगेड की सेवाएं नगरीय निकायों को सौंप दी गई है। वहीं अब 9 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली बिल्डिंगों की एनओसी लेना होगी। पहले यह 15 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाली बिल्डिंगों के लिए जरूरी था। इसके अलावा हर बिल्डिंग में फायर सेफ्टी सिस्टम, ऑटोमैटिक स्प्रिंगल सिस्टम, फायर अलार्म और सेफ्टी सहित उपकरण भी लगाना होंगे और उसके बिना यूटिलिटी सर्टिफिकेट नहीं मिलेगा, जो सालभर के लिए ही जारी होगा और उसे फिर से निरीक्षण के बाद पुनः मंजूर किया जाएगा। बड़े कारखानों, हाईराइज बिल्डिंगों और अन्य बड़े प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी ऑफिसरों की नियुक्ति भी करना पड़ेगी। सभी तरह के प्रमुख आयोजनों जिनमें भोजन-भंडारे, कथा, सभा से लेकर अन्य के लिए भी अनुमति लेना होगी अन्यथा 10 हजार का जुर्माना और तीन माह की सजा के प्रावधान भी रहेंगे। पचमढ़ी में होने वाली कैबिनेट बैठक में फायर एक्ट को मंजूरी मिल सकती है और उसके बाद विधानसभा के जरिए बिल पास कराया जाएगा।

आज आरसीबी और पंजाब किंग्स में होगा मुकाबला

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला पंजाब किंग्स से होगा। दोनो ही टीमें इस मुकाबले को जीतकर खिताब अपने नाम करना चाहेंगी। दोनो ही टीमों ने अब तक ये खिताब नहीं जीता है जिससे दोनो के ही प्रशंसकों को उम्मीद है कि उनकी टीमें जीतेंगी। इससे भी टीमों पर दबाव होगा। आसीबी जहां चौथी बार फाइनल में पहुंची है, वहीं पंजाब की टीम दूसरी बार फाइनल में पहुंची है। ऐसे में दोनो ही टीमों का लक्ष्य इसे जीतकर 18 साल के खिताब के इंतजार को समाप्त करना होगा। सभी की नजरें इस मैच में आरसीबी के अनभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर टिकी रहेंगी जो शुरुआत से ही टीम से जुड़े होने के बाद भी एक बार टीम को जीत नहीं दिला पाये। वह लंबे समय तक टीम के कप्तान भी रहे हैं। वहीं अब आरबीबी की कप्तानी युवा रजत पाटीदार कर रहे हैं और ऐसे में टीम की किस्मत बदल सकती है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल मुकाबले में कोहली का समर्थन उनका उत्साह बढ़ाने के लिए 18 नंबर की जर्सी पहने नजर आ सकते हैं। आरसीबी ने इस सत्र में शुरुआत से ही अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने पहले क्वालीफायर में पंजाब किंग्स को 8 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया और अब टीम अपने इसी प्रदर्शन को दोहराने के लिए उतरेगी। कोहली ने इस सत्र मे 614 रन बनाये हैं। वह इस साल आसीबी की बल्लेबाजी के मुख्य स्तंभ रहे हैं।। इस बार उन्हें अन्य खिलाड़ियों का भी अच्छा साथ मिला जिससे भी अंतर पैदा हुआ है। इस सत्र में कोहली के अलावा फिल साल्ट ने भी आरसीबी की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं मयंक अग्रवाल, कप्तान रजत पाटीदार और जितेश शर्मा ने भी अच्छी बल्लेबाजी की है। टिम डेविड चोटिल होने के कारण पिछले दो मैचों में नहीं खेल

पाए, अब देखना बाकी है कि वह इस मुकाबले के लिए फिट हैं या नहीं। उन्होंने रोमारियो शेफर्ड के साथ मिलकर डेथ ओवरों में अहम भूमिका निभाई है। वहीं जोश हेजलवुड की वापसी से भी टीम की गेंदबाजी मजबूत हुई है। हेजलवुड ने अब तक 21 विकेट लिए हैं। वह आईपीएल के वर्तमान सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में अभी चौथे स्थान पर है।

वहीं दूसरी ओर मुल्लांपुर में अपने घरेलू मैदान पर पहले क्वालीफायर में आरसीबी से मिली करारी हार के बावजूद श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स की टीम जीत की प्रबल दावेदार है। उसने दूसरे क्वालीफायर में मुंबई इंडियंस के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया। उसने पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस को हराकर एक दशक बाद पहली बार फाइनल में प्रवेश किया है। 10 टीमों की अंक तालिका के दूसरे हाफ में लगातार शीर्ष पर रहने वाली पंजाब किंग्स ने कप्तान अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग की देखरेख में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

अय्यर ने अब तक 603 रन बनाये हैं। उनकी कप्तानी में पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स खिताब जीती थी और अब वह पंजाब को खिताब जिताना चाहेंगे। इस तरह से लगातार दूसरी बार आईपीएल फाइनल में पहुंचना एक ऐसे नेतृत्वकर्ता के रूप में उनकी क्षमताओं को बताता है। इससे अंदाजा होता है वह अपने खिलाड़ियों को अच्छी तरह से प्रबंधित करते हैं। अय्यर टूर्नामेंट के 18 साल के इतिहास में एकमात्र क्रिकेटर हैं, जिन्होंने आईपीएल फाइनल में तीन अलग-अलग टीमों का नेतृत्व करते हुए उन्हें फाइनल में पहुंचाया है।

टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी संतुलित है। प्रभसिमरन सिंह, जोश इंगलिस, प्रियांश आर्य और शशांक सिंह जैसे अच्छे बल्लेबाज पंजाब किंग्स के पास हैं, जिससे वह अपनी स्थिति को मजबूती से बनाए रख सकते हैं और विरोधी खेमे पर आक्रामक खेल से दबाव बना सकते हैं हालांकि मार्को यानसन के बिना पंजाब की गेंदबाजी कुछ कमजोर हुई है पर टीम के पास अर्शदीप सिंह जैसा अच्छा गेंदबाज है। मुंबई इंडियंस पर उसके गेंदबाजों ने अच्छा अंकुश लगाया था। है। उसके स्पिनर युजवेंद्र चहल दूसरे क्वालीफायर में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे पर इस मैच में वह टीम को जीत दिलाने पूरा प्रयास करेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु -

रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, फिल साल्ट (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक छिकारा, लियाम लिविंगस्टोन, क्रुणाल पंड्या, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, मनोज भंडागे, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, सुयश शर्मा, भुवनेश्वर कुमार, नुवान तुषारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह, मोहित राठी, यश दयाल।

पंजाब किंग्स - श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहल वढेरा, विष्णु विनोद (विकेटकीपर), जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), हरनूर पन्नू, पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बराड़, अजमतुल्लाह उमरजई, प्रियांश आर्य, आरोन हार्डी, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाल विजयकुमार, यश ठाकुर, कुलदीप सेन, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे, काइल जैमीसन।

आईपीएल फाइनल आज

क्लोजिंग सेरेमनी की थीम होगी ऑपरेशन सिंदूर

अहमदाबाद। आईपीएल का फाइनल मंगलवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। फाइनल की क्लोजिंग सेरेमनी की थीम ऑपरेशन सिंदूर होगी। पूरे स्टेडियम को तिरंगे रंग की लाइट से सजाया जाएगा और इस दौरान सिंगर शंकर महादेवन का लाइव कॉन्सर्ट होगा।

बीसीसीआई सेक्रेटरी सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए हमने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह के साथ-साथ अन्य सेना प्रमुखों, अधिकारियों और जवानों को अहमदाबाद में आईपीएल फाइनल मैच देखने के लिए आमंत्रित किया है।

समापन समारोह हमारे सैनिकों को समर्पित

बीसीसीआई देश के सशस्त्र बलों की बहादुरी, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम करता है। सेना के प्रति आभार के प्रतीक के रूप में हमने समापन समारोह सशस्त्र बलों को समर्पित करने और हमारे नायकों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। भले ही क्रिकेट एक राष्ट्रीय जुनून रहा है, लेकिन हमारे राष्ट्र की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा से बढक़र कुछ भी नहीं है।

आईपीएल को मिलेगा नया चैम्पियन

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के खिताबी मुकाबले में मंगलवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाब किंग्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। दोनो ही टीमें अपने पहले खिताब के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। आरसीबी 10वीं बार आईपीएल प्लेऑफ में पहुंची है पर उसे अब तक एक बार भी जीत नहीं मिली है। यह चौथी बार है जब आरसीबी की टीम आईपीएल फाइनल में उरतेगी। इससे पहले 2009, 2011 और 2016 में उसे फाइनल में डेक्कन चार्जर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद ने हराया था। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने आईपीएल करियर की शुरुआत से ही आरसीबी के साथ जुड़े हैं और उन्हें पहले खिताब का इंतजार है। आरसीबी ने पहले क्वालीफायर में जीत के साथ ही फाइनल में जगह बनायी थी।

वहीं दूसरी क्वालीफायर से पंजाब की टीम एक दशक के बाद फाइनल में पहुंची है। पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने सिर्फ पांच सालों में अपनी कप्तानी में तीन अलग-अलग फ्रैंचाइजी को आईपीएल के फाइनल तक पहुंचाया है। उन्होंने 2020 में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया, 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को अपने नेतृत्व में खिताबी जीत दिलाई और अब पंजाब किंग्स को उसके दूसरे आईपीएल फाइनल में ले गए हैं अब देखना है कि वे टीम को पहली बार खिताबी जीत दिला पाते हैं या नहीं।

वहीं अहमदाबाद में मुंबई इंडियंस की यह लगातार छठी हार है। यहां उसे एकमात्र जीत 2014 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली थी। आईपीएल के प्लेऑफ मुकाबलों में लक्ष्य का पीछा करते हुए हासिल किया जाने वाला यह अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। पंजाब किंग्स से पहले कोई भी टीम आईपीएल प्लेऑफ में 203 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाई है। आईपीएल में मुंबई को पहली बार 200 से अधिक रन बनाने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर पंजाब किंग्स ने 8वीं बार 200 से अधिक रनों के लक्ष्य का सफलता पूर्व पीछा किया है।

दोनो टीम के पास 17 साल में ट्रॉफी ना जीत पाने का खत्म करने का मौका है। 3 साल के बाद फिर से एक नया चैंपियन आईपीएल में देखने को मिलेगा, क्योंकि इस बार दो ऐसी टीमें फाइनल में हैं, जिन्होंने एक बार भी ट्रॉफी नहीं जीती। आईपीएल को आखिरी नया चैंपियन साल 2022 में मिला था, जब गुजरात टाइटन्स ने राजस्थान रॉयल्स को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। अब तक मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद, डेक्कन चार्जर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स ने ही आईपीएल की ट्रॉफी जीती है। 5-5 ट्रॉफी एमआई और सीएसके के कैबिनेट में हैं, जबकि 3 बार की चैंपियन केकेआर है। एक-एक बार बाकी चार टीमों ने खिताब जीता है। इस सूची में आरसीबी और पंजाब किंग्स में से किसी एक टीम का नाम जुड़ने वाला है।

क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। क्लासेन ने कहा है कि अब वह अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। क्लासेन ने पहले ही टेस्ट प्रारुप से भी संन्यास ले लिया था। उन्होंने केवल चार टेस्ट मैच खेले थे। । क्लासेन ने दक्षिण अफ्रीका के लिए अ प न ा अंतिम एकदिवसीय मैच इसी साल मार्च में खेला था। क्लासेन ने संन्यास की घोषणा करते हुए सोशल मीडिया में पोस्ट किया , 卐यह मेरे लिए कठिन दिन है। मैं इसी दिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहने के फैसला की घोषणा करता हूं। मुझे यह तय करने में

काफी समय लगा कि भविष्य में मेरे और मेरे परिवार के लिए क्या सबसे अच्छा रहेगा। यह सच में एक बहुत ही दुखी करने वाला फैसला था पर मैं इसी सही मानता हूं। पहले दिन से ही, अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। यह वह सब कुछ था, जिसके लिए मैंने एक युवा लड़के के रूप में काम किया था और जिसके बारे में सपना देखा था। देश की ओर से खेलना मेरे करियर का सबसे बड़ा सम्मान था और हमेशा रहेगा। क्लासेन ने कहा कि मैं अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के लिए उत्सुक हूं, क्योंकि यह फैसला मुझे ऐसा करने की अनुमति देगा। मैं हमेशाअपनी टीम का समर्थक रहूंगा। मैं करियर के दौरान मुझे और मेरे साथियों का समर्थन करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहूंगा।

33 साल के क्लासेन ने साल 2018 में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। क्लासेन ने 4 टेस्ट मुकाबलों में 104 रन बनाये ज ब कि 60 एकदिवसीय मुकाबलों में उन्होंने 4 शतक और 11 अर्धशतक की मदद से 2,141 रन बनाये। इस खिलाड़ी ने 58 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 1,000 रन बनाए हैं। क्लासेन को मध्य क्रम के रूप में उनके आक्रामक छक्कों के लिए जाना जाता है। क्लासेन टी20 विश्व कप-2024 में उपविजेता रही दक्षिण अफ्रीकी टीम के सदस्य भी थे।

श्रेयस की आक्रामक पारी से एक दशक बाद आईपीएल फाइनल में पहुंची पंजाब

अहमदाबाद । कप्तान श्रेयस अय्यर की आक्रामक पारी से पंजाब किंग्स ने दूसरे क्वालीफायर में मुम्बई इंडियंस को हराकर आईपीएल फाइनल में प्रवेश किया है। पंजाब की टीम एक दशक के बाद फाइनल में पहुंची है जिससे उसके प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। पिछली बार श्रेयस की कप्तानी में कोलकाता नाइटराइडर्स ने खिताब जीता था। इस बार उनका लक्ष्य पंजाब को खिताब जिताना रहेगा। पंजाब ने साल 2014 के बाद दूसरी बार आईपीएल फाइनल में प्रवेश किया है। दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की। मैच शुरू होने से पहले बारिश के कारण मुकाबला देर से शुरु हुआ। मुंबई ने पहले खेलते हुए बेयरस्टो के 38,

तिलक वर्मा के 44, सूर्यकुमार यादव के 44 और नमन धीर के 37 रनों की सहायता से 6 विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी पंजाब के सलामी बल्लेबाज जल्द ही पेवेलियन लौट गये पर इसके बाद जोश इंग्लिस ने 38, नेहल वडेहरा ने 48 जबकि श्रेयस अय्यर ने नाबाद 87 रन बनाकर पंजाब को 5 विकेट से जीत दिला दी।

मुंबई की ओर से जॉनी बेयरस्टो के साथ रोहित शर्मा ने पारी शुरु की। रोहित 8 रन ही बना पाये। बनाए। इसके बाद तिलक और बेयरस्टो ने पारी को आगे बढ़ाया। रखा। सूर्यकुमार ने 46 रन बनाकर इस सत्र में अपने 700 रन पूरे किये। तिलक भी 44 ही रन बनाकर पेवेलियन लौटे। कप्तान हार्दिक पंड्या ने 15 रन बनाये। नमन धीर ने भी 37 रनों की पारी खेली। इसके बाद 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

तीसरे ही ओवर में प्रभसिमरन सिंह 6 रन बनाकर आऊट हो गए पर प्रियांश आर्य और जोश इंग्लिस ने तेजी से खेला। प्रियांश 10 गेंदों पर 20 रन बनाकर आउट हुए। वहीं इंग्लिस ने 38 रन बनाये। इसके बाद कप्तान श्रेयस और नेहल वडेहरा ने स्कोर आगे बढ़ाया।

श्रेयस ने तीन छक्के लगाकर मुम्बई के गेंदबाजों की लय बिगाड़ दी। वहीं नेहल ने भी आक्रामक बल्लेबाजी की। नेहल 48 रन बनाकर आउट हुए पर श्रेयस जमे रहे। अंतिमदो ओवर में पंजाब को जीत के लिए 23 रनों की जरूरत थी। ऐसे में श्रेयस ने अश्विन के 19वें ओवर में लगातार 4 छक्के लगाकर अपनी टी को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पहुंचे आवेश खान

अजमेर। तेज गेंदबाज आवेश खान अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पहुंचे। उन्होंने अपने माता-पिता और रिश्तेदारों के साथ दरगाह में चादर और फूल चढ़ाकर जियारत की और देश, टीम और अपने करियर के लिए दुआ मांगी। दरगाह पहुंचने पर खादिम सैयद असगर अली हाशमी ने उन्हें जियारत करवाई और दस्तारबंदी कर तबरुख भेंट किया। इस दौरान आवेश ने कहा, जब भी कोई बड़ा मैच या टूर्नामेंट होता है, मैं उससे पहले और बाद में अजमेर शरीफ में हाजिरी देता हूं। इससे आत्मिक शांति मिलती है और खेल में ऊर्जा आती है।

सूर्यकुमार ऑरेंज कैप की दौड़ से बाहर, सुदर्शन का कब्जा बरकरार

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अब सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ से मुम्बई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव बाहर हो गये हैं। मुम्बई इंडियंस की दूसरे क्वालीफायर-2 में हार से ही इस सत्र में 700 रन बनाने के बाद भी सूर्या ऑरेंज कैप अब हासिल नहीं कर पायेंगे क्योंकि रनों के मामले में वह दूसरी नंबर पर हैं। वहीं पहले नंबर पर 15 मैचों में 54.21 की औसत से 759 रन बनाने वाले गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन हैं।

वहं आरसीबी के स्टार प्लेयर विराट कोहली और पंजाब के कप्तान श्रेयस के भी ऑरेंज कैप तक पहुंचने की उम्मीद नहीं है कयोंकि कोहली अभी 14 मैचों में 614 रन बनाकर पांचवें नंबर जबकि श्रेयस 16 मैचों में 603 रन जोड़कर छठे स्थान पर हैं। कोहली और श्रेयस को अब केवल फाइनल मैच में उतरना है और ऐसे में सुदर्शन को पछाड़कर ऑरेंज कैप हासिल करना इनके लिए असंभव है। कोहली को नंबर एक पर पहुंचने के लिए 146 रनों जबकि अय्यर को 157 रनों की जरुरत है।

ऑरेंज कैप सूची में शामिल खिलाड़ी

बल्लेबाज	मैच	रन	औसत
साई सुदर्शन	15	759	54.21
सूर्यकुमार यादव	16	717	65.18
शुभमन गिल	15	650	50.00
मिचेल मार्श	13	627	48.28
विराट कोहली	14	614	55.81
श्रेयस अय्यर	16	603	54.81

मैक्सवेल ने एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कहा

मेलबर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। अब वह अपना ध्यान टी20ई पर केंद्रित करेंगे, विश्व कप 2026 में होना है।

मैक्सवेल ने अंतिम बार कदिवसीय अंतराष्टीय टूर्नामेंट की बात करें तो इस साल चैंपियंस ट्रॉफी खेला था। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वह आईपीएल 2025 में उतरे लेकिन चोट के कारण कुछ ही मैचों के बाद बाहर हो गये थे।

2012 में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले मैक्सवेल दो बार विश्वकप विजेता टीम के सदस्य रहे हैं। उन्होंने अपने करियर के दौरान 149 एकदिवसीय मैचों में 4000 रन बनाए हैं। वहीं 79 विकेट लिए हैं। मैक्सवेल बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही समान रुप से प्रभावी रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 2023 विश्व में में उन्होंने कठिन हालातों में दोहरा शतक लगाया था। मैक्सवेल ने अपने संन्यास को लेकर मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली को भी पहले ही जानकारी दे दी थी। फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान मैक्सवेल ने कहा था कि वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक नहीं खेल पाएंगे ऐसे में उनके लिए आगे खेलना बेकार है। मैक्सवेल ने कहा, मैंने उसी समय उनसे कह दिया था कि मुझे नहीं लगता कि मैं 2027 एकदिवसयी विश्व कप में खेल सकूंगा।

मैक्सवेल ने कहा कि अब समय आ गया है कि वह युवाओं को अवसर दे ताकि भविष्य के लिए टीम तैयार हो सके। साथ ही कहा कि अब मेरी जगह पर उन युवाओं के लिए योजना बनाई जाए जिन्हें 2027 विश्व कप के लिए स्थान मिलेगा। मैक्सवेल ने अपने करियर के दौरान 3990 रन, 4 शतक और 23 अर्धशतकों के साथ बनाए हैं। वहीं 201 रन उनका सबसे अधिक स्कोर है।

सूर्यकुमार ने आईपीएल में डिविलियर्स का रिकार्ड तोड़ा

अहमदाबाद। मुम्बई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। सूर्या इस सत्र में ऐसे बल्लेबाज के रूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने हैं जो ओपनर के तौर के तौर पर न उतरा हो। सूर्यकुमार ने इस सत्र में 691 रन बनाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी के पूर्व स्टार एबी डिविलियर्स के साल 2016 के रिकॉर्ड 687 रन को पीछे छोड़ दिया। इस सूची में तीसरे स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स के ऋषभ पंत हैं, जिन्होंने साल 2018 में 684 रन बनाए थे, जबकि चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के केन विलियमसन 2018 में 622 रन और पांचवें स्थान पर सूर्यकुमार यादव ही हैं, जिन्होंने 2023 में 605 रन बनाए थे।

सूर्यकुमार के इस रिकार्ड से उनकी विस्फोटक और अनोखी बल्लेबाजी शैली साबित हुई है। मुंबई इंडियंस के लिए मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए, उन्होंने अपनी 360 डिग्री शॉट-खेले औ दबाव में रन बनाने बनाये हैं। ये सत्र उनके करियर का सबसे रहा जिसमें उनकी निरंतरता और बड़े स्कोर बनाने का जुनून दिखा। सूर्यकुमार ने तेज गति से रन बनाए, जिसमें कई अर्धशतक और एक शतक भी शामिल रहा, जिसने उनकी टीम को कई अहम जीत मिली।

यह रिकॉर्ड इसलिए भी खास है क्योंकि सलामी बल्लेबाजों के अलावा अन्य बल्लेबाजों को कम गेंदें खेलने को मिलती हैं।डिविलियर्स का 2016 का प्रदर्शन लंबे समय तक बना रहा। पर इस बार सूर्यकुमार ने इसे मामूली अंतर से तोड़ दिया।

अय्यर बोले फाइनल में तरोताजा होकर उतरें पंजाब के खिलाड़ी

अहमदाबाद। कप्तान श्रेयस अय्यर की तूफानी पारी से पंजाब किंग्स ने मुम्बई इंडियंस को हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बनायी है। पंजाब टीम ने एक दशक के बाद फाइनल में प्रवेश किया है। अय्यर ने फाइनल में पहुंचने के बाद अपने खिलाड़ियों से कहा है कि वह खिताबी मुकाबले के लिए तरोताजा रहें । उन्होंने कहा कि मंगलवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ होने वाले फाइनल में अच्छे मन से उतरना जरुरी है।

अय्यर ने कहा, मैं अभी सिर्फ इस पल में जी रहा हूं। मैं इस पल को संजोना चाहता हूं। अपनी टीम के साथ जश्न मनाऊंगा कि हम फाइनल में पहुंच गए हैं पर मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि अभी काम आधा हुआ है, इसलिए मैं फाइनल के बारे में ज्यादा नहीं सोचूंगा। बस इस पल का आनंद उठाउंगा। उन्होंने अपने साथियों से कहा कि फाइनल से पहले आराम करें और सकारात्मक रुख से उतरें। अय्यर से जब मुम्बई के खिलाफ दबाव के क्षणों में शांत रहने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता। मुझे ऐसे बड़े मौके पसंद हैं। मैं हमेशा खुद से और टीम में अपने साथियों से कहता हूं कि जितना बड़ा मौका होगा, आप उतने ही शांत रहेंगे, आपको बड़े परिणाम मिलेंगे। एमआई इस सत्र में पहली बार 200 से अधिक रनों का बचाव नहीं कर पायी। पंजाब ने 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करने पर कहा, मैंने मैच से ठीक पहले कहा था कि सभी खिलाड़ियों को दृढ़ निश्चयी होना चाहिए। सभी को यही संदेश था कि हमें पहली गेंद से आक्रमण के लिए जाना है। हालांकि, शुरुआत में हम फायदा नहीं उठा पाए पर मुकबाला शानदार रहा। मुझे भी कुछ समय लगा। दूसरे छोर से बल्लेबाज काफी अच्छे से स्ट्राइक कर रहे थे। मुझे पता है कि मैं जितना अधिक समय मैदान पर बिताता हूं, मैं उतना ही बेहतर होता जाता हूं।

पांड्या बोले, हम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये

अहमदाबाद। आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर-2 में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या निराश नजर आये हालंकि उन्होंने हार के लिए किसी खिलाड़ी को दोष नहीं दिया। इस मैच में हार के साथ ही मुम्बई प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। इस मैच में पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने जीत छीन ली। अय्यर ने चौथे नंबर पर उतरने के बाद 41 गेंदों में पांच चौकों और 8 छक्कों की बदौलत नाबाद 87 रन बनाकर अपने टीम को जीत दिला दी। हार के बाद पांड्या ने कहा कि अगर शायद मैंने थोड़ा बेहतर प्रबंधन किया होता तो परिणाम अलग हो सकता था।

हार्दिक ने कहा, श्रेयस ने जिस तरह से बल्लेबाजी करते हुए जोखिम उठाया और शॉट खेले, वे वास्तव में शानदार थे। मुझे लगता है कि उन्होंने वाकई बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। हमने एक पार स्कोर बनाया था मगर गेंदबाज इकाई के तौर पर हमें और बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत थी।

कोरोना फिर से फैला रहा है पैर

एक्टिव केस 4000 के करीब, दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा मामले

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस संक्रमण एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगा है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 1 जून तक भारत में कोविड-19 के कुल 3961 एक्टिव केस दर्ज किए गए हैं। इस बीच 4 लोगों की संक्रमण से मौत भी हो चुकी है।

देश में कोरोना वायरस संक्रमण बढ़ने की खबरों और एडवाइजरी के बीच एक सवाल तेजी से पूछा जा रहा है और वह यह कि क्या सरकार ने इसकी पुष्टि की है। इस पर बताया जा रहा है कि अभी तक सरकार की ओर से किसी नए वेरिएंट की पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन कुछ स्थानीय रिपोर्टों में माइल्ड लेकिन तेजी से फैलने वाले संक्रमण का जिक्र किया गया है। जिसके एक्टिव केस देश में इस समय लगभग 4000 बताए जा रहे हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 1 जून तक कुल एक्टिव केस की संख्या 3961 है, जबकि बीते 24 घंटे में नए केस, सबसे ज्यादा दिल्ली में 47 केस बताए गए हैं और कुल 4 मौत होने की बात कही जा रही है।

राज्यवार कोरोना की स्थिति

राज्य	एक्टिव केस	बीते 24 घंटे में केस	मौतें
केरल	1435	आंकड़ा नहीं दिया गया	1
दिल्ली	483	47	1
महाराष्ट्र	दर्ज नहीं	दर्ज नहीं	1
तमिलनाडु	दर्ज नहीं	दर्ज नहीं	1

यहां बताते चलें कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने कुछ राज्यों का विस्तृत डेटा सार्वजनिक नहीं किया है। इस बीच 04 लोगों की मौत होने की जो बात की गई है, उसके विवरण के अनुसार दिल्ली में 22 वर्षीय एक महिला, तमिलनाडु में 25 वर्षीय युवक और महाराष्ट्र में एक 44 वर्षीय पुरुष शामिल है। इसके अलावा केरल में एक संक्रमित व्यक्ति (उम्र का विवरण नहीं) दिया गया है।

कोरोना के बढ़ते मामलो को देखते हुए विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि संभावित जगहों पर मास्क पहने, हाथ धोने और भीड़भाड़ से बचने की पुरानी कोविड प्रोटोकॉल की फिर से जरूरत जताई है। हल्का बुखार, खांसी, गले में खराश या सांस लेने में तकलीफ हो तो तुरंत जांच करवाने की सलाह दी है। खासकर बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

चिराग पासवान बिहार की राजनीति में सक्रिय

- जन सुराज के प्रशांत किशोर ने किया ?चिराग का स्वागत

पटना । बिहार के जनसंपर्क दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की राजनीतिक करियर में नए मोड़ आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कैबिनेट मंत्री चिराग पासवान को बिहार की राजनीति में सक्रिय देखने के बाद जन सुराज के प्रशांत किशोर ने उनका स्वागत किया है। चिराग पासवान ने अपनी इच्छा जताई है कि वे बिहार के लिए कुछ महत्वपूर्ण कार्य करना चाहते हैं। चिराग पासवान ने बताया कि वे किसी सामान्य सीट से चुनाव लड़ने का विचार रख रहे हैं क्योंकि वे सिर्फ दलित नहीं बल्कि बहुजनों के नेता बनना चाहते हैं। इस प्रेरणादायक रणनीति पर प्रशांत किशोर ने कहा कि इससे बिहार के लिए कुछ अच्छा होगा। चिराग पासवान की गंभीरता को देखते हुए पार्टी के नेता अरुण भारती ने भी समर्थन दिया है और इसके लिए वे पार्टी के अन्दर प्लानिंग कर रहे हैं। चिराग पासवान के विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर पार्टी नेताओं के संकेत आने के बाद बिहार में सियासत तेज हो गई है। चिराग पासवान के बारे में प्रशांत ?किशोर ने कहा कि वे नए लड़के हैं जो जात पात नहीं करता है। वे सामान्य सीट से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी के अंदर इस बात पर मंथन चल रहा है। उन्हें सभी वर्गों का समर्थन प्राप्त है और सबके चहेते हैं। खुद चिराग पासवान ने पटना में इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पार्टी जो फैसला करेगी उसका पालन करेंगे। कुछ लोगों का मानना है कि बिहार के राजनीतिक गलियारे में चिराग पासवान को नीतीश कुमार के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। पिछले दिनों उन्होंने सीएम हाउस जाकर नीतीश कुमार से मुलाकात की जिसके बाद पटना में पोस्टर लगा कि चिराग को नीतीश कुमार का आशीर्वाद मिल गया है।

आयकर रिटर्न में बताना होगा पॉलिसी नंबर और कर्ज की डिटेल

तभी मिलेगी टैक्स की छूट

मुंबई। आयकर विभाग ने धारा 80 सी की छूट लेने के नियमों में बदलाव किया है।इस बदलाव के अनुसार अब आयकर दाता को जिस कंपनी की बीमा पॉलिसी ली है। उस पॉलिसी का नंबर और उससे संबंधित डिटेल आयकर विवरण में भरना होगी। इसी तरह से यदि मकान के लिए कर्ज लिया है। तो उसे कर्ज के संबंध में कर्जदाता का नाम कर्ज की डिटेल और ब्याज की जानकारी 80 इड के तहत देनी होगी। इसी तरह मेडिकलेम पॉलिसी की जानकारी भी स्पष्ट रूप से देनी पड़ेगी। तभी जाकर आयकर की छूट मिलेगी। यदि उक्त जानकारी निर्धारित प्रपत्र में नहीं दी गई, ऐसी स्थिति में धारा 80 की छूट आयकर दाता को नहीं मिलेगी।

तेज प्रताप ने गलत नहीं किया, दो शादियां हिंदू रीति-रिवाज में रही हैं

राजद सांसद सुधाकर ने किया समर्थन, रामविलास पासवान की दी मिसाल

पटना। बिहार में लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव आधिकारिक तौर से राजद से निकाले जाने का फरमान पार्टी के नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने सोमवार को जारी किया। इधर तेज प्रताप का राजद सांसद सुधाकर सिंह ने समर्थन किया है। उन्होंने ना सिर्फ दो शादियों पर अपनी राय रखी बल्कि इसके लिए उन्होंने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के पिता स्व. रामविलास पासवान की भी मिसाल दी।

सुधाकर सिंह ने कहा कि जो तेज प्रताप यादव ने जो किया है उसे मैं अनैतिक काम नहीं मानता हूं। दो शादियां भारतीय हिंदू रीति-रिवाज में रही हैं। तीन-तीन, चार-चार शादियों के बारे में भी हमने सुना है। आज के समय में भी कई शादियां हुई हैं। आप चिराग पासवान को ही ले लीजिए तो वो उनकी दूसरी मां से जन्मे हैं। कई लोगों की दो-दो या तीन-तीन शादियां हुई हैं मैं जानता हूं, यह सभी लोग जानते हैं। यह कोई बड़ी बात नहीं है। ये गुनाह की श्रेणी में नहीं आता है। जब सुधाकर सिंह से सवाल किया कि क्या लालू प्रसाद यादव को तेज प्रताप यादव को अपना लेना चाहिए तब इसपर सुधाकर ने कहा कि पिता के रूप में लालू यादव को स्वीकार करना चाहिए। बता दें कि अभी हाल ही में तेज प्रताप यादव के फेसबुक अकाउंट से एक पोस्ट वायरल हुई थी। इस पोस्ट में वह अनुष्का के साथ नजर आए थे। अनुष्का के साथ इश्क कर तेज प्रताप ने बताया था कि वह 12 साल से अनुष्का से रिलेशनशिप में हैं। हालांकि, बाद में तेज प्रताप के फेसबुक अकाउंट से इस पोस्ट को हटा दिया गया था। तेज प्रताप यादव ने कहा था कि उनका अकाउंट हैक हो गया है और यह उनके परिवार को बदनाम करने की साजिश है। अब भले ही इस वायरल पोस्ट के बाद तेज प्रताप ने अपनी सफाई दी हो लेकिन उनके पिता और राजद सुप्रीमो लालू यादव ने इसपर कड़ा ऐक्शन लिया था। लालू यादव ने तेज प्रताप को पार्टी और परिवार से बाहर कर दिया था। सोमवार को इसका आधिकारिक पत्र सामने आया।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा- बाढ़ पीड़ितों की हर संभव मदद करें

-शाह समेत केजरीवाल ने जताया दुख और की मदद की अपील

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। 29 मई से शुरू हुई बारिश के बाद अब तक बाढ़ और संबंधित घटनाओं में कम से कम 34 लोगों की जान जा चुकी है। सबसे अधिक 10 मौतें असम में हुई हैं, जबकि अरुणाचल प्रदेश में 9, मेघालय व मिजोरम में 6-6, त्रिपुरा में 2 और नागालैंड में 1 व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है। ऐसे हालात में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से बाढ़ पीड़ितों की हर संभव मदद करने के लिए कहा है।

इस गंभीर स्थिति पर देश के प्रमुख नेताओं ने भी दुःख व्यक्त करते हुए लोगों से राहत कार्यों में सहयोग की अपील की है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि असम, अरुणाचल समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश से हुई मौतों का समाचार अत्यंत दुखद है। लाखों लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। ईश्वर सभी की रक्षा करें। केंद्र और राज्य सरकारों से अपील है कि राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए। कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभावितों की हरसंभव मदद करें।

केजरीवाल ने संवेदना जता की अपील

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, देश के नॉर्थ-ईस्ट हिस्से में भारी बारिश और लैंडस्लाइड से हुई मौतें बेहद दुखद हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति दें। असम में मौजूद आप कार्यकर्ता राहत कार्यों में प्रशासन की मदद करें।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से बात की और बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। इसके साथ गृह मंत्री शाह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि मोदी सरकार पूर्वोत्तर के भाइयों-बहनों के साथ चट्टान की तरह खड़ी है। किसी भी आपदा से निपटने के लिए केंद्र सरकार हरसंभव मदद दे रही है। आपदाग्रस्त राज्यों की सरकारें और राहत एजेंसियां फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में लगी हैं। कई इलाकों में बिजली, पानी और यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित है।

शिरडी संस्थान के कर्मचारी के खिलाफ दान का पैसा चुराने का मामला दर्ज

शिरडी। शिरडी साईं संस्थान के एक कर्मचारी द्वारा साईं भक्तों द्वारा दान की गई रकम चुराने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि साईं संस्थान के अकाउंट विभाग में कार्यरत एक सिपाही ने दक्षिणा हुंडी में पैसे गिनते समय बड़ी मात्रा में नकदी चुरा ली। इस मामले में संस्थान की ओर से शिरडी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया गया है। आपको बता दें कि हर दिन देश-विदेश से हजारों साईं भक्त साईं बाबा के दर्शन के लिए शिरडी आते हैं। साईं बाबा के दर्शन के बाद साईं भक्त मंदिर और आसपास के क्षेत्र में लगी दक्षिणा हुंडी में श्रद्धापूर्वक दान करते हैं। साईं संस्थान सप्ताह में दो बार मंगलवार और शुक्रवार को साईं भक्तों द्वारा दिए गए दान की गिनती करता है। इन दान की गिनती का काम साईं संस्थान के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों का होता है। शुक्रवार (25 अप्रैल, 2025) को जब कर्मचारी साईं भक्तों द्वारा दिए गए दान की गिनती कर रहे थे, तब अधिकारी सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे थे। गिनती विभाग के कर्मचारी बालासाहेब नारायण गोंडकर की कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखने को मिलने के बाद अधिकारियों ने पिछली गिनती के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। तब पता चला कि लेखा विभाग में कार्यरत सिपाही बालासाहेब नारायण गोंडकर ने 4 अप्रैल, 8 अप्रैल और 11 अप्रैल को गिनती के दौरान 500 रुपये के कुछ बंडलों को चालाकी से छिपा लिया। संस्थान के अनुमान के अनुसार, कुल 1.25 से 1.5 लाख रुपये की चोरी हुई। सीसीटीवी फुटेज में साफ तौर पर गोंडकर ने नोटों के बंडलों को अपनी जांघ के नीचे, अपने कपड़ों में और नोट गिनने वाली मशीन के पीछे छिपाते हुए देखा गया। जैसे ही यह संदेह पैदा हुआ, संस्थान के अधिकारियों ने तुरंत संज्ञान लिया। लेखा विभाग के सिपाही बालासाहेब गोंडकर को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही, संस्थान के सीईओ गोरक्ष गाडिलकर के निर्देश पर संस्थान के लेखा अधिकारी अविनाश कुलकर्णी ने गोंडकर के खिलाफ शिरडी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया। आपको बता दें कि साईं भक्तों से प्राप्त दान का उपयोग संस्थान द्वारा शिरडी में विभिन्न विकास कार्यों और साईं भक्तों की सुविधाओं के लिए किया जाता है। साथ ही, दान से शिरडी और आसपास के क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लड़के-लड़कियों के लिए निःशुल्क स्कूल और कॉलेज चलाए जाते हैं और शिरडी में निःशुल्क साईनाथ अस्पताल भी चलाया जा रहा है। इस बीच आरोपी कर्मचारी बालासाहेब गोंडकर का एक्सीडेंट हुआ है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। शिरडी पुलिस ने कहा है कि अस्पताल से छुट्टी मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कड़ी सुरक्षा के बावजूद हुई चोरी

कुछ साल पहले एक कर्मचारी ने दान के पैसे चुरा लिए थे। उस समय उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था और उसे निलंबित कर दिया गया था। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए संस्थान द्वारा दान गिनती कक्ष में सीसीटीवी लगाया गया है। साथ ही, पैसे गिनने के लिए अलग-अलग विभागों के कर्मचारियों को काम दिया जाता है। कर्मचारियों को बिना जेब वाले विशेष कपड़े दिए जाते हैं। साथ ही, पैसे गिनने के बाद जब कर्मचारी बाहर आते हैं तो सुरक्षा गार्ड उनकी जांच करते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद कर्मचारी गोंडकर ने पैसे चुराने का नया तरीका निकाल लिया।

कांग्रेसी नेता अरविंद नेताम बने, संघ का चेहरा

नागपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व कांग्रेस नेता आदिवासी नेता के रूप में अब संघ के चेहरे बनकर देशभर में आदिवासियों के बीच अलख जगाएंगे। 5 जून को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नागपुर मुख्यालय में होने वाले वार्षिक कार्यक्रम में उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। अरविंद नेताम संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ मंच साझा करेंगे। यह सौभाग्य गिने-चुने लोगों को ही मिलता है।

केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना की बात स्वीकार किए जाने के बाद जिस तरीके की स्थिति बन रही है। उसको देखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 83 साल के आदिवासी नेता अरविंद नेताम को आदिवासियों के बीच राष्ट्रीय स्तर पर भेजने की योजना बनाई है। इस खबर के बाद आदिवासी राजनीति और छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक हलचल मच गई है। अरविंद नेताम का कांग्रेस का बैकग्राउंड है। वह लंबे समय तक केंद्रीय मंत्री रहे हैं। देश भर के आदिवासी नेताओं में उनके विशिष्ट स्थान है। कई राज्यों के आदिवासी अपने आप को हिंदू नहीं मानते हैं। संघ आदिवासियों को हिंदू मानकर उन्हें संघ की विचारधारा से जोड़ने के लिए लगातार काम कर रहा है। अरविंद नेता इस काम को आगे बढ़ाने के लिए अब संघ परिवार के साथ खुलकर सामने आ गए हैं।

महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ कॉरिडोर सील

रायपुर। बस्तर में माओवादियों के विरुद्ध चलाए जा रहे व्यापक अभियान के बीच अब छत्तीसगढ़ की सीमा पर भी उन्हें घेरने की रणनीति बनाई गई है। इसके तहत महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ कॉरिडोर में भी सुरक्षा बलों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इस कॉरिडोर को सील कर दिया गया है। हाल ही में राजनांदगांव में इंटर स्टेट कॉर्डिनेशन मीट में तीनों राज्यों के पुलिस अधिकारियों ने साझा रणनीति तैयार की है। बस्तर से भागे माओवादी टुकड़ियों में बंट गए हैं। इनको दोबारा इस क्षेत्र में घुसने से रोकने के लिए, मध्यप्रदेश की सीमा में हाक फोर्स, महाराष्ट्र के सी-60 कमांडो और छत्तीसगढ़ में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

अधिकारियों का कहना है कि कॉरिडोर में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना है। यह छोटी-छोटी टुकड़ियों में छिपे हैं। इनको खत्म करने के लिए ही रणनीति को बदला गया है। यह कारिडोर माओवादियों का डंपिंग एरिया है। पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज अभिषेक शांडिल्य का कहना है कि माओवादियों के खिलाफ तीनों राज्यों की प्राथमिकता है कि उन्हें इस इलाके से दूर रखा जाए। अब भी जो यहां छिपे हुए हैं, उनके खिलाफ भी कारगर कार्रवाई की जा रही है। सीमाओं पर कड़ी निगरानी है।

छोटी-छोटी टीम में बंटे, लगातार ठिकाना बदल रहे

पुलिस अधिकारी ने कहा कि तीनों राज्यों की पुलिस इस बड़े इलाके में अंदरूनी हिस्सों तक पहुंच रही है। माओवादी पहले जंगल में कैंप किया करते थे, लेकिन सुरक्षा बलों की धमक के बाद अब वे छोटी-छोटी टीमों में बंट गए हैं। छोटी-छोटी टुकड़ियों में मूवमेंट कर रहे माओवादी लगातार अपने ठिकाने बदल रहे हैं। हम इस पर भी जोर दे रहे हैं कि वे आत्मसमर्पण कर दें। सुरक्षा बल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। तीनों राज्यों के पुलिस अधिकारियों की कोर्डिनेशन मीट में भी हमने इस पर ही रणनीति तैयार की है।

मोबाइल और वीडियो देखने वाले 91 फ़ीसदी बच्चे आक्रामक

अहमदाबाद। मोबाइल फोन और वीडियो ने बच्चों की दुनिया को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। इस समय माता-पिता बच्चों को लेकर एक बड़ी चुनौती का सामना कर रहे हैं। न्यूक्लियर फैमिली के 94 फीसदी बच्चे गर्दन में दर्द और आंखों की रोशनी की बीमारी से परेशान हैं। 86 फ़ीसदी बच्चे मोबाइल या टीवी देखते हुए नाश्ता या खाना खाते हैं। यदि उनके सामने मोबाइल या टीवी नहीं होता है तो यह खाना और नाश्ता भी नहीं करते हैं। बच्चे एकाकी होते जा रहे हैं। उनमें खेलकूद की रुचि कम होती जा रही है। जिसका असर उनके शारीरिक विकास पर पड़ रहा है। एकाकी होने के कारण दोस्त भी नहीं बन पा रहे हैं। संयुक्त परिवारों में अभी यह समस्या कम है। इसके बाद भी लगभग 59 फ़ीसदी बच्चों में मोबाइल और वीडियो को लेकर बच्चे आक्रामक हो रहे हैं गुजरात की चिल्ड्रन रिसर्च यूनिवर्सिटी ने पालकों के साथ बातचीत करके यह निष्कर्ष निकला है। विश्वविद्यालय के डॉक्टर टीएस जोशी का कहना है। अभिभावकों का जीवंत संपर्क बच्चों के साथ लगातार कम होता जा रहा है। इस समस्या का समाधान भी बच्चों के माता-पिता और उनके परिवार से जुड़ा हुआ है। मोबाइल और वीडियो देखने के लिए बच्चे बहुत आक्रामक हो रहे हैं। इस आक्रामकता में लड़के और लड़की में कोई फर्क नहीं है। दोनों में ही समान रूप से आक्रामकता बढ़ रही है। निष्कर्ष में सुझाव दिया गया है कि बच्चों की दिनचर्या में स्क्रीन का टाइम घटाया जाए।

शांगरी-ला डायलॉग : ऑपरेशन सिंदूर बनाम कश्मीर पर मिर्जा की चेतावनी

नई दिल्ली। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने हाल ही में पाकिस्तान के आतंकवाद पर खूब खरी-खरी सुनाई। उन्होंने सिंगापुर में शांगरी-ला डायलॉग में हिस्सा लिया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी बात की। पाकिस्तान के जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने भी सिंगापुर पहुंचे थे। पाक जनरल मिर्जा ने जम्मू कश्मीर के मुद्दे को उठा दिया।

सीडीएस चौहान ने कहा कि हमारे विरोधियों को सबक सीखना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक जनरल चौहान ने कहा, भारत ने आतंक के खिलाफ एक नई लाइन खींच दी है। हमारे ऑपरेशन सिंदूर से विरोधियों को सबक लेना चाहिए है। मुझे उम्मीद है कि वे भारत के संयम की सीमा को समझ चुके है। हम आतंक के प्रॉक्सी वॉर से बीते दो दशकों से लड़ रहे हैं। इस दौरान देश ने अपने कई लोगों और सैनिकों को गंवाया है।

वहीं पाक जनरल मिर्जा ने कहा कि वे विवाद को खत्म करके इसके समाधान की ओर बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा, विवाद को खत्म करने के लिए समाधान देखना चाहिए। मुझे लगता है कि लंबे समय तक के लिए शांति स्थापित हो सकती है। जब किसी तरह का विवाद नहीं होता है, तब कश्मीर के मुद्दे पर बात नहीं होती है।

वहीं, जनरल मिर्जा ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि भविष्य में फिर से संघर्ष हुआ और वह शहरी क्षेत्रों तक फैल गया, तब ऋसीमाएं अप्रासंगिक हो जाएंगी और अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप से पहले ही भारी नुकसान हो सकता है। उनके मुताबिक, ऋकश्मीर ही दोनों देशों के बीच तनाव की जड़ है, और जब तक यूएन प्रस्तावों व कश्मीरियों की आकांक्षाओं के अनुसार हल नहीं किया जाता, तब तक शांति असंभव है।

सीडीएस की स्वीकारोक्ति : शुरुआती नुकसान, लेकिन जवाब निर्णायक था

जनरल चौहान ने स्वीकार किया कि भारत को संघर्ष की शुरुआत में नुकसान हुआ, लेकिन बाद की प्रतिक्रिया रणनीतिक रूप से निर्णायक थी। उन्होंने कहा, ऋविमान गिरने की घटना महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि यह जानना जरूरी है कि वे क्यों गिरे और हमारी सेना ने इससे क्या सीखा।ऋ उन्होंने पाकिस्तान के छह विमानों को गिराने के दावे को ऋपूर्णतः गलतऋ बताया।

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर रोजगार सहायकों ने की एकदिवसीय काम बंद हड़ताल, सौंपा ज्ञापन

पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं को शीघ्र पूरा करने और हो रही अनावश्यक कार्रवाई को रोक लगाने की करी मांग

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर ग्राम रोजगार सहायक महासभा के पदाधिकारी प्रदेश स्तरीय आवाहन पर एकदिवसीय काम बंद हड़ताल करते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को ज्ञापन सौपा । जिसमें उन्होंने बताया कि आज वह विषम परिस्थितियों में अपनी ग्राम पंचायत में काम कर रहे हैं और सरकार की सभी ऑनलाइन और ऑफलाइन सेवाओं को हितग्राहियों तक पहुंचाते हैं, किंतु उसके बावजूद भी आज उनकी विभिन्न समस्याओं पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा रोजगार सहायकों से विभिन्न वादे किए गए थे ,जिसमें बहुत से वादे अभी भी पूरे नहीं हुए हैं तो वहीं आज रोजगार सहायकों के साथ हो रही दुर्घटना में सरकार उन्हें कोई सहायता राशि नहीं दे रही है । आज रोजगार सहायकों पर एकतरफा कार्रवाई की जा रही है जो कि गलत है , इस प्रकार से रोजगार सहायकों पर कार्रवाई नहीं होना चाहिए वहीं उन्होंने सरकार द्वारा की गई घोषणाओं को तत्काल पूरी नहीं होने पर प्रदेश के आवाहन के बाद पुनः हड़ताल की रणनीति बनाई जाने की बात भी कही है ।

आपको बता दे कि प्रदेशव्यापी संगठन के आह्वान पर सोमवार को पूरे जिले के रोजगार सहायक, काम बंद हड़ताल पर रहे। जिले के रोजगार सहायकों ने मुख्यमंत्री के नाम जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ को ज्ञापन सौंपा। जिसमें रोजगार सहायकों ने रोजगार सहायकों पर हो रही कार्यवाही पर रोक लगाए जाने और तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की रोजगार सहायको के लिए की गई घोषणा को अमल में लाए जाने की मांग की। पंचायत सहायक सचिव संगठन जिलाध्यक्ष अनिल त्रिवेदी ने बताया कि प्रदेश में रोजगार सहायकों पर अनैतिक रूप से कार्यवाही की जा रही है। जिससे उन्हें पद से पृथक किया जा रहा है, जिसके तनाव में रोजगार सहायको की मौत भी हो गई है। पंचायत में कार्यरत रोजगार सहायकों को अधिकारी टारगेट कर दबाव बना रहे है। जिसमें पद से पृथक करना, मानदेय रोकना और मानदेय काटने जैसी, कार्यवाही का सामना रोजगार सहायक कर रहे है। प्रदेश के कटनी, रीवा और अशोकनगर में रोजगार सहायको को पद से पृथक करने की कार्यवाही की गई। जबकि पंचायत स्तरीय समस्त कार्यो और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में केवल रोजगार सहायक की ही जिम्मेदारी नहीं होती है बल्कि जनपद पंचायत का तकनीकि अमला और पंचायत में नियुक्त सभी कर्मचारी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि की भी बराबर की हिस्सेदारी होती है, लेकिन रोजगार सहायकों का ही मानसिक और शारीरिक रूप से शोषण कर उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। जिससे रोजगार सहायको की असमय मौत हो गई। जबकि इनके लिए ना तो मृत्यु अनुग्रह सहायता राशि का प्रावधान है और ना ही अनुकंपा नियुक्ति। ऐसे में रोजगार सहायक की मौत के बाद उसका परिवार सफर कर रहा है। जो रोजगार सहायको के साथ भेदभाव है। हमारी मांग है कि पंचायत सहायक सचिव के पद पर संविलियन कर जिला संवर्ग ग्रेड-पे प्रदान किया जाए। रोजगार सहायकों की मृत्यु पर उसके आश्रितों को पांच लाख रूपए मृत्यु अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की जाए। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने 25 अगस्त 2018 और 28 जून 2023 को रोजगार सहायकों के लिए की गई घोषणा का पालन किया जाए। बिना किसी गंभीर विषय और कार्यो में संलिप्त, रोजगार सहायकों का पक्ष सुने बिना एक पक्षीय कार्यवाही ना की जाए।

जल्द निराकरण नहीं किया जाता तो हड़ताल की जाएगी - अनिल त्रिवेदी

संघ अध्यक्ष अनिल त्रिवेदी ने बताया कि सोमवार को पूरे प्रदेश में रोजगार सहायकों ने काम बंद कर अपनी व्यथा और मांग को सरकार तक पहुंचाने का काम किया है। यदि इसका जल्द निराकरण नहीं किया जाता है तो संघ के बैनर तले कलम बंद, कम्प्युटर बंद करके अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी। जिला पंचायत में ज्ञापन सौंपने के दौरान, जिले की पंचायतों से पहुंचे रोजगार सहायक बड़ी संख्या में मौजूद थे। उन्होंने यह भी बताया कि आज जो वह ग्राम पंचायत में काम करते हैं, उसमें उन पर बहुत अधिक दबाव रहता है, पंचायत सचिव ,सरपंच और पंच सहित अन्य ग्रामीण उन्हीं को आधार मानते हुए दबाव बनाते हैं , जो की सही नहीं है सभी को अपनी जवाबदारी से कार्य करना चाहिए और टारगेट देकर काम लिया जाता है, इस प्रकार से नहीं होना चाहिए और यही कारण है कि प्रशासनिक अधिकारी ग्राम पंचायत के निर्माण काम में होने वाली त्रुटियों को लेकर रोजगार सहायक पर कार्रवाई करते हैं जो कि गलत है ऐसा नहीं होना चाहिए वह चाहते हैं कि इस प्रकार का दबाव और कार्रवाई सिर्फ रोजगार सहायक पर ना हो और यह दबाव उन पे से कम हो ।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

धान चोरी में पकड़वाने की रंजिश को लेकर एक व्यक्ति को लठ से मारकर किये घायल

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम भटेरा में धान की चोरी पकडवाने की रंजिश को लेकर एक व्यक्ति को लठ से मारपीट कर घायल कर दिया गया। यह घटना 1 जून की रात्रि 9:45 बजे उस समय हुई जब यह व्यक्ति धापेवाड़ा से अपने घर लौट रहा था। मारपीट में घायल व्यक्ति सुखचंद पिता हरिश्चंद्र मोहारे 52 वर्ष का इलाज जिला अस्पताल में किया गया वहीं उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने शिशुपाल पिता बालचंद मोहारे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम भटेरा वार्ड नंबर 18 निवासी सुखचंद मोहारे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिस पर उसी के गांव के शिशुपाल मोहारे धान की चोरी में पकडवाने का शक करता था और इसी को लेकर शिशुपाल मोहारे, सुखचंद मोहारे से रंजिश बनाये हुये था और वह रंजिश भुनाने मोके की ताक में रहता था। 1 जून की रात्रि 9:45 बजे करीब सुखचंद मोहारे धापेवाड़ा से अपने घर ग्राम भटेरा लौट रहा था,जब वह शिशुपाल के मकान के पास पहुंचा ही था कि तभी मौके की तक में बैठे शिशुपाल मोहारे ने अपने घर के सामने ही सुखचंद मोहारे को पकड़ा और उसे अश्लील गालियां देने लगा। सुखचंद मोहारे के विरोध करने पर शिशुपाल मोहारे ने सुखचंद को यह कहते हुए मारपीट करना शुरू कर दिया कि तूने मुझे धान की चोरी में पकड़वाया था और यह कहते हुए शिशुपाल मोहारे ने हाथ में रखे लठ से सुखचंद मोहारे को मारपीट करना शुरू कर दिया। लठ के वार से सुखचंद के दाहिने कंधे पर चोट आई। हल्ला सुनकर मोहल्ला के लोग दौड़े और बीच बचाव किया। इसके बाद शिशुपाल मोहारे ने सुखचंद मोहारे को धमकाया कि आज तो बच गया दोबारा दिखाने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद सुखचंद मोहरे रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली पहुंचा। कोतवाली पुलिस ने सूखचंद का इलाज मुलाहिजा जिला अस्पताल में करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर शिशुपाल मोहारे के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किये । जिसकी विवेचना प्रधान आरक्षक युगल किशोर पटले द्वारा की जा रही है।

कुएं में गिरने से एक महिला की मौत

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। हटा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम करियादंड के भुतहाटोला खेत के कुएं में गिरने से एक महिला की मौत हो गई 2 जून को सुबह 6ः00 बजे करीब यह घटना उस समय हुई जब यह महिला पानी के लिए खेत के कुएं में गई थी हट्टा पुलिस ने मीता पति यशवंत सिंघन्धुपे 35 वर्ष के शव का पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मीता अपने पति के साथ मजदूरी करती थी जिसके परिवार में पति के अलावा दो बच्चे और ससुर भी है। बताया गया है कि 1 जून की रात्रि में मीता अपने परिवार के साथ खाना खाने के बाद सो गई थी। 2 जून को सुबह 6,7 बजे मीता घर में दिखाई नहीं दी ।पति ने गांव मोहल्ले में खोजबीन किया। इस दौरान घर से कुछ दूरी पर स्थित दिलीप पटले के खेत में बने कुएं में देखने पर कुएं के अंदर मीता दिखाई दी। खबर मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और मीता को कुएं से बाहर निकाले और हट्टा के प्राइवेट अस्पताल में लाये। जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिए। मीता की हट्टा लाते समय रास्ते में मौत हो चुकी थी। जिसका शव परिजनों ने अपने घर ले गए। जिसकी रिपोर्ट धनलाल सिंघनधूपे 36 वर्ष निवासी ने हट्टा पुलिस थाना में की थी जहां से सहायक उप निरीक्षक विजय पटले ग्राम भुतहा टोला पहुंचे और मृतिका मीता का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात जिला अस्पताल बालाघाट में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए ।संभावना व्यक्त की गई है कि कुएं से पानी निकालते समय मीता कुएं में गिर गई जिससे उसकी मौत हो गई। सहायक उपरीक्षक श्री पटले धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रहे हैं।

प्रशासनिक कार्य व्यवस्था की दृष्टि से कलेक्टर ने किए बदलाव

दो प्रशासनिक अधिकारियों की आपसी कार्य व्यवस्था में हुआ परिवर्तन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा प्रशासनिक कार्य व्यवस्था की दृष्टि से दो प्रशासनिक अधिकारियों की कार्य व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है। 30 मई 25 को कलेक्टर श्री मीना ने आदेश जारी करते हुए संयुक्त कलेक्टर श्री केसी ठाकुर की नवीन पदस्थापना एसडीएम कटंगी के रूप में एवं एसडीएम कटंगी मधुवंत राव धुर्वे को संयुक्त कलेक्टर बालाघाट में नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किए गए है। यह आदेश आगामी आदेश तक लागू रहेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट